



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रकाशक से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 14, 1974 (अग्रहायण 23, 1896)
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 14, 1974 (AGRAHAYANA 23, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, रघु लोड सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 अक्टूबर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I दिनांक 16-9-1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था 4 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० शिमरे ने 4 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74 प्रशा० I दिनांक 26-8-1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 16 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

17-366 GI/74

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री डी० आर० वर्मा ने 16 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I दिनांक 26 अगस्त, 1974 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में उक्त सेवा के ग्रेड I में तथा अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 19 सितम्बर 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

3. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० पी० सतकर्तारिया ने 19 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री श्री सी० आर० आनन्द ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I दिनांक 16-9-74 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में तथा अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 30 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(6955)

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री सी० आर० आनन्द ने 30 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 4 नवम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एड्डी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 13-8-74 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 2-10-1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० एन० एड्डी ने 2-10-74 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग
प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्टूबर 1974

(नियुक्ति)

सं० ए० 11/55/74—श्री ओ० एन० रैना, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क को इसके द्वारा प्रवर्तन निदेशालय के श्रीनगर स्थित उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 10-10-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,
विशेष निदेशक

मसूरी, दिनांक 11 नवम्बर 1974

सं० 81-ई० एस० पी०—श्री जे० पी० गुप्ता, अस्थाई पुस्तकाध्यक्ष, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, को पुस्तकाध्यक्ष के पद पर दिनांक 28-12-1973 से स्थाई किया जाता है।

रमेश चन्द्र त्रिपाठी,
उपनिदेशक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० 2/4/74-प्रशासन—श्री आर० रामाचन्द्रन्, सहायक, जिनको 23-9-1974 में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अधिसूचना संख्या 2/4/74-प्रशासन, दिनांक 27 सितम्बर,

1974 के अनुसार स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया था, को 8 नवम्बर, 1974 के अपराह्न से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तन कर दिया गया।

बी० व्ही० दिग्गे,

अवर सचिव

कूले केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, 110001, दिनांक 7 नवम्बर 1974

सं० ओ० II-969/74-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल डाक्टर देवा हनुमन्तया को तदर्थ रूप में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर देवा हनुमन्तया को 13 वटालियन सी० आर० पी० बल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 27 नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न में संभाल लिया है।

दिनांक 21 नवम्बर 1974

सं० एफ० 2/42/74-स्था०—श्री आर० ओहरी ने उनके मंत्रिमंडल सचिवालय में सहायक निदेशक चुने जाने के फलस्वरूप कमांडेंट, ग्रुप सेंटर, के० रि० पु० बल, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-74 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 22 नवम्बर 1974

सं० एफ० 3/13/74-स्था०—श्री पी० एस० अहलुवालिया ने, उनके त्यागपत्र के स्वीकृत होने के फलस्वरूप, सहायक कमांडेंट ग्रुप सेंटर के० रि० पु० बल, मंडोदा कलां, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 9-9-74 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक, का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० ई०-16016/7/73-प्रशा० I—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति की दो वर्ष की अवधि समाप्त कर लेने पर, श्री आर० एस० साहनी, ने दिनांक 28 अक्टूबर 74 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्हें उसी दिनांक से अपने मूल कार्यालय अर्थात् गृह मंत्रालय में प्रत्यावर्तित किया जाता है।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

महालेखाकार कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० ओ० ओ० सी०-324—महालेखाकार उड़ीसा ने निम्न-लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अगले आदेश तक इस

कार्यालय के लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से प्रोफार्मा पदोन्नति की है। उनके वेतनमान इस प्रकार है—रुपये 840-40-1000-ई० बी० (दक्षता रोध) 40-1200 रुपये।

1. श्री त्रिनाथ मिश्र 11-7-74 (पूर्वाह्न) इस समय फर्टीलाइजर निगम भारत, तालचर प्रमण्डल में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त में है।
2. श्री पद्मनाभ मिश्र II 15-7-74 (पूर्वाह्न) आज़कल पारा-द्वीप बन्दरगाह, न्यास, पाराद्वीप में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त में है।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० भा० ओ० सी० 426—महालेखाकार उड़ीसा ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अगले आदेश तक इस कार्यालय के लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से प्रोफार्मा पदोन्नति की है। उनके वेतन मान इस प्रकार है—रुपये 840-40-1000-ई० बी० (दक्षता रोध) 40-1200 रुपये

1. श्री के० सी० खुटिया 22-7-74 पूर्वाह्न
2. श्री पी० भी० एन० मूर्ति 14-8-74 पूर्वाह्न
3. श्री आर० धरमाराजन 22-7-74 पूर्वाह्न

महालेखाकार उड़ीसा ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अगले आदेश तक इस कार्यालय के लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष उल्लिखित तिथि से प्रोफार्मा पदोन्नति की है। उनके वेतनमान इस प्रकार है—रुपये 840-40-1000-ई० बी० (दक्षता रोध) 40-1200 रुपये।

1. श्री के० एस० क्रिस्तन 13-9-74 अपराह्न
2. श्री आर० राममूर्ति दो 13-9-74 अपराह्न
3. श्री सामसुन्दर रथ 8-10-74 पूर्वाह्न
4. श्री आबनीभूषण मिसरा 7-10-74 पूर्वाह्न
5. श्री एम० सुबा राय 5-10-74 अपराह्न
6. श्री हुसीकेस चटरजी 5-10-74 अपराह्न
7. श्री श्री उमेश चन्दर पटनायक 7-10-74 पूर्वाह्न

भी० एस० भरद्वाज,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र
बम्बई दिनांक 2 नवम्बर 1974

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/16—महालेखाकार, महाराष्ट्र अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री जे० एल० डिस्नेला को दिनांक 9-10-74 अपराह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/17—महालेखाकार, महाराष्ट्र अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री बि० आर० कुलकर्णी

को दिनांक 9-10-74 अपराह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/18—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री वि० एम० खांडकर को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/19—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री डी० आर० हिरेकेरूर को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/20—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री के० कृष्णाश्रय को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/21—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री एच० एन० खियानी को दिनांक 11-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/22—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री डी० एस० ठाकुर को दिनांक 14-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एडमिन-1/आईएडी/31-वाल्सू-II/23—महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री ए० वि० बालकृष्णन को दिनांक 10-10-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग

सिकन्दराबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1974

मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे सिकन्दराबाद ने श्री बी० जी० सत्यमूर्ति को, जो अधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य हैं, 12 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी दक्षिण मध्य रेलवे के पद पर नियुक्त किया है।

एम० अडेकलमामी,
उप, मुख्य लेखा परीक्षक
मुख्य लेखा परीक्षक,
दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद, का कार्यालय

रक्षा लेखा विभाग**कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक**

नई दिल्ली-22, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 18177/प्रशा० II—14 जनवरी 1975 (अपराह्न) को वार्धक्य निवृत्तिन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री प्यारे लाल गुप्ता, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी को 31 जनवरी, 1975 (अपराह्न) को पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जायगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकल दिया जायगा।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक।

महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्टरियां**भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा**

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 47/74/जी० —वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री जे० एन० घोष, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (रक्षाधीन), दिनांक 30 अप्रैल, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां।

अस मंत्रालय शिमला

शिमला-4 दिनांक

नम्बर 23/3/74 सी० पी० आई०—अक्टूबर 1974 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) सितम्बर स्तर से एक अंक बढ़ कर 335 (तीन सौ पैंतीस) रहा। अक्टूबर 1974 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 407 (चार सौ सात) आता है।

(एस० सोमासुन्दरम् अय्यर)
उपनिदेशक श्रम व्यूरो

फिल्म प्रभाग**सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय**

बम्बई-26, दिनांक 18 नवम्बर 1974

सं० ए० 12025/(II)/4/74-सीबन्धी-I —सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एम० के० विग्ने, स्थानापन्न केमरामैन (कार्टून फिल्म युनिट), फिल्म प्रभाग, बम्बई, दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्ति हो गये।

2. फिल्म प्रभाग के निर्माता ने श्री आर० बी० म्हामे, स्थायी केमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई को, श्री एम० के० विग्ने के सेवा-निवृत्ति होने पर दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से केमरामैन (कार्टून युनिट) के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय,

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० ए० 19012/4/74-स्थापना-2 :—श्री जी० के० श्री निवासन को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक इस निदेशालय के

क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई में 1 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से भगले आदेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन।

उप निदेशक (प्रशासन),

कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं० 2/32/60/एस०-दो० :—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री आर० एन० कुण्डू, लेखापाल, बेतार जगत, आकाशवाणी, कलकत्ता को 28 अक्टूबर, 1974 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, गौहाटी में श्री एस० के० दास गुप्ता के स्थान, जो कि 10 अक्टूबर, 1974 से 76 दिन की अजित छुट्टी पर गए हैं, प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय

कृते महानिदेशक।

नई दिल्ली दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 2/6/73-एस० तीन —महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों को, जो तदर्थ (एड हाक) आधार पर काम कर रहे थे, 17 फरवरी, 1974 से अग्रतर आदेशों तक, उनके नामों के सामने लिखे केन्द्रों/कार्यालयों पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग (कैडर) में नियमित आधार पर काम करने के लिए नियुक्त करने हैं।

| क्रमांक | नाम | जिस स्थान पर तैनात किए गए |
|-----------------------|-----|--|
| 1 | 2 | 3 |
| सर्वश्री | | |
| 1. बी० बनर्जी | | आकाशवाणी, कलकत्ता |
| 2. आर० राजगोपालन | | अनुसन्धान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली। |
| 3. एच० एस० बाबा | | दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली। |
| 4. एस० सी० दास | | आकाशवाणी, कलकत्ता। |
| 5. टी० आर० मेहता | | उच्च शक्ति प्रेषित्र, आकाशवाणी, किम्बवे, दिल्ली। |
| 6. बी० एस० प्रसाद | | बैस प्रोडक्शन यूनिट, आकाशवाणी, हैदराबाद। |
| 7. जितेन्द्र कुमार | | आकाशवाणी, इलाहाबाद। |
| 8. पी० नटराजन् | | आकाशवाणी, बंगलौर। |
| 9. जे० पी० एस० अरोड़ा | | आकाशवाणी, जोधपुर। |
| 10. एम० पी० जी० नायर | | क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, आकाशवाणी, मद्रास। |
| 11. एम० पी० शर्मा | | दूरदर्शन, आकाशवाणी, नई दिल्ली। |
| 12. के० सी० बन्ना | | आकाशवाणी, शिमला। |
| 13. एम० पी० एन० सिंह | | आकाशवाणी, वाराणसी। |
| 14. एम० बी० रेड्डी | | आकाशवाणी, हैदराबाद। |

| 1 | 2 | 3 | | |
|-----|-----------------------------------|---|-----|--|
| 15. | आर० श्रीनिवासन | दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, बम्बई । | 42. | एम० जी० गुप्ता . आकाशवाणी, सम्बलपुर । |
| 16. | एस० के० चटर्जी | आकाशवाणी, कलकत्ता । | 43. | राजेन्द्र प्रकाश . आकाशवाणी, नई दिल्ली । |
| 17. | वी० आर० राजगोपाल | आकाशवाणी, कोहिमा । | 44. | वी० वी० सुरेन्द्र . आकाशवाणी, जोधपुर । |
| 18. | जी० रामचन्द्र नायर | आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम । | 45. | एस० पी० सिंह . दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, नई दिल्ली । |
| 19. | मदन लाल, सुपुत्र श्री गौबत राम | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, अलीगढ़ । | 46. | एम० के० एस० नाम्बियार . आकाशवाणी, मद्रास । |
| 20. | एस० सी० गप्ता | आकाशवाणी, नई दिल्ली । | 47. | जी० पी० माहेश्वरी . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, खामपुर, दिल्ली । |
| 21. | कृष्ण मिसल | आकाशवाणी, नई दिल्ली । | 48. | मनजीत सिंह भाटिया . आकाशवाणी, शिलांग । |
| 22. | आर० के० रे | क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व), आकाशवाणी, कलकत्ता । | 49. | एस० सी० गोतान . आकाशवाणी, जम्मू । |
| 23. | आर० सी० जैन | आकाशवाणी, आलंघर । | 50. | ई० बेफटकृष्णन् . आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ । |
| 24. | एन० वी० आर० सुब्बा राजू | आकाशवाणी, विजयवाड़ा । | 51. | एस० सी० श्रीवास्तव . उच्च शक्ति, प्रेषित, आकाश- वाणी, खामपुर, दिल्ली । |
| 25. | एस० पी० पाटिल | दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, बम्बई । | 52. | बालकृष्ण फोतेदार . दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर । |
| 26. | डी० आर० बहल | क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, आकाश- वाणी, नई दिल्ली । | 53. | जे० सी० अग्रवाल . अनुसंधान विभाग, आकाश- वाणी, नई दिल्ली । |
| 27. | एस० के० एल० प्रसाद राध | दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, बम्बई । | 54. | सी० पी० भाटा . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, खामपुर, दिल्ली । |
| 28. | ओ० पी० गोयल | उच्च शक्ति प्रेषित, खाम- पुर, दिल्ली । | 55. | बिट्टल राव . आकाशवाणी, इम्फाल । |
| 29. | वाई० के० राजागोपालचारी | आकाशवाणी, भद्रावती । | 56. | ओ० एन० पजनू . आकाशवाणी, रेडियों कश्मीर, श्रीनगर । |
| 30. | ई० सी० चिम्बर | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, अलीगढ़ । | 57. | ओ० पी० गिरधर . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, चिन्सुरा (प० बंगाल) । |
| 31. | एन० स्वामिनाथन् | क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, आकाश- वाणी, बम्बई । | 58. | ए० के० बजाज . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, चिन्सुरा (पश्चिमी बंगाल) । |
| 32. | आर० पी० बंसल | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, अलीगढ़ । | 59. | जे० एन० शर्मा . दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली । |
| 33. | जी० डी० भाटिया | दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, अमृतसर । | 60. | के० ए० एस० नम्बूदरीपाद . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी चिन्सुरा (प० बंगाल) । |
| 34. | एम० पी० पांधी | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, खामपुर, दिल्ली । | 61. | एम० आर० कृष्णस्वामी . आकाशवाणी, कोहिमा । |
| 35. | वी० के० सिन्हा | आकाशवाणी, लखनऊ । | 62. | एम० के० मकवाना . आकाशवाणी, अहमदाबाद । |
| 36. | वी० श्रीकुमार | आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ । | 63. | एस० के० गर्ग . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, किन्जवे, दिल्ली । |
| 37. | ए० एस० कौशिक | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, खामपुर, दिल्ली । | 64. | वी० ए० जेरे . आकाशवाणी, पूना । |
| 38. | एस० के० शर्मा | आकाशवाणी, नई दिल्ली । | 65. | रघुबीर सिंह . दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, अमृतसर । |
| 39. | फरीद राजवान | दूरदर्शन केन्द्र, आकाश- वाणी, श्रीनगर । | 66. | आई० एस० वी० राव . आकाशवाणी, हैदराबाद । |
| 40. | जे० बी० सिंह | आकाशवाणी, इम्फाल । | 67. | ए० एस० त्यागी . वेस प्रोडक्शन यूनिट, आकाश- वाणी, नई दिल्ली । |
| 41. | के० डी० कौशल | उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, किन्जवे, दिल्ली । | 68. | के० के० मेहता . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, मलाड, बम्बई । |
| | | | 69. | मदन लाल सुपुत्र श्री बूज लाल . आकाशवाणी, नई दिल्ली । |
| | | | 70. | सुरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह . उच्च शक्ति प्रेषित, आकाश- वाणी, खामपुर, दिल्ली । प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक । |

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1974

सं० 15/1/74-सतर्कता—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा रोजनल फैमिली प्लैनिंग ट्रेनिंग सेन्टर, कालीकट के समाज विज्ञान अनुदेशक, श्री पी० जे० जोसेफ को, 7-10-74 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कालीकट में परिवार नियोजन के विस्तार अधिकारी के पद पर अस्थायी पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० 15/4/74-सतर्कता—महानिदेशक, आकाशवाणी, जिला परिवार नियोजन ब्यूरो, भीलवाड़ा, राजस्थान के जिला शिक्षा और प्रचार अधिकारी, श्री जी० एल० वर्मा को दिनांक 9-10-74 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, रामपुर में परिवार नियोजन के विस्तार अधिकारी के पद पर अस्थायी पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1974

सं० 26-17-73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने भारतीय सांख्यिकी सेवा के चतुर्थ-ग्रेड अफसर डा० जे० पी० गुप्ता को 25 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-एडमिन-1—इस निदेशालय की दिनांक 31 जुलाई, 1974 की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन-1 (ए) के क्रम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री पी० आई० पद्मनाभन को पहली अगस्त, 1974 पूर्वाह्न से 31 अगस्त, 1974 अपराह्न तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने पी० आई० पद्मनाभन को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपर्युक्त अवधि के लिए उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

दिनांक 15 नवम्बर 1974

सं० 33-13/69-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के सहायक श्री बलराम सिंह को पहली नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र नजफगढ़ में प्रणामन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री के० बी० कुमार ने गृह मंत्रालय को परावर्तित होने पर 31 अक्टूबर, 1974 अपराह्न में ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ में प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० 6-14/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने उत्तर रेलवे, नई दिल्ली के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री सत्य पाल भंडारी को पहली अक्टूबर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री एम० सी० गर्ग ने पहली अक्टूबर, 1974 पूर्वाह्न से केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली के लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 16-16/74-एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास के कार्यालय अधीक्षक श्री एस० गोविन्दराजुलु को 27 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री संगठन के अन्तर्गत चिकित्सा सामग्री सहायक भण्डार प्रबन्धक के रूप में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० सी० कपूर
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,

फरीदाबाद दिनांक अक्टूबर 1974

सं० 4-5(6)-74 प्र० I—श्री टी० एम० मुस्तफी, विपणन अधिकारी वर्ग-I नई दिल्ली को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 4 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी, वर्ग-I नियुक्त किया जाता है।

नागपुर दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० फा० 2/8/74-वि० II
भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I
दिनांक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 से 1844) में प्रकाशित अधिसूचना सं० 3(44)/9/72-वि० II,
सं० फा० 5/11/69-वि० II,
सं० फा० 2/8/70-वि० II,
सं० 74/15/72-वि० I
में श्री जी० के पवार, विपणन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाये।

सं० फा० 2/8/74-वि० II —भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I दिनांक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 से 1844) में प्रकाशित अधिसूचना सं० 3 (टी० एल)/2/65-वि० II सं० 3(44)/9/72-वि० II, सं० फा० 74/15/72-वि० I, सं० फा० 5/11/69-वि० II, सं० फा० 2/8/70-वि० II में श्री बी०बलाराम मूर्ती, सहायक विपणन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचना में जहाँ वहाँ भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रह समाजा जाये।

एन० के० मुरालिधर राव
कृषि विपणन सहायक

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (विद्युत् स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 7 नवम्बर 1974

सं० 1/57/74-प्रशा० तीन (वि० स्क०) —अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, उर्जा मंत्रालय (भूतपूर्व मिचार्ड और विद्युत् मंत्रालय) के स्थायी हिन्दी अनुवादक श्री रणधीर सिंह को तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के रूप में, एक वर्ष अथवा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस पद को नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, 26 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग (विद्युत् स्कंध), नई दिल्ली में नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

(जल स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 19 नवम्बर, 1974

सं० क-32012/4/70-प्रशा०-5 —अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग अपने 5 साक्ष से निर्गमित द्वाि अनुसंधान स्थापना को स्थानापन्न क्षमता में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक रसायन ग्रुप) के ग्रेड में केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, नई दिल्ली में सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में उनके सामने दी गई तिथियों से तीन महीने की अवधि के लिए, अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएँ, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

1. श्री आर० एस० आनन्द 4-11-1974 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० एस० सक्कर 4-11-1974 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० एन० सैयर 4-11-1974 (पूर्वाह्न)

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० 6-49/74-ईमटी-II —श्री मोहनलाल गन्दोबा को दिनांक 16-10-74 (पूर्वाह्न) में सहायक प्रशासन अधिकारी वर्ग II (राजपत्रित) के तदर्थ और अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में उनके मुख्यवास फरीदाबाद के साथ वेतनमान सं० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

देवता पान्डेय
अधीक्षक अभियंता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1974

सं० 27-ई०/बी(33)/71-ई० सी०-1 —श्री ए० सी० भाटिया, कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), आयकर विभाग, नागपुर का 26 अगस्त, 1974 को वेहान्त हो गया।

पी० एस० पारवानी,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 33/3/74/27/23/72-प्रशा०-4 —राष्ट्रपति, श्री राजेन्द्र नागदेवे को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में इस कार्यालय के दिनांक 21-9-74 के समसंख्यक पत्र में दी गई सेवा शर्तों के आधार पर 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 सं० के वेतनमान में सामान्य भत्तों सहित 700/- रुपये प्रति मास वेतन पर 25-9-74 (पूर्वाह्न) से उप-वास्तुक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

फराक्का बांध परियोजना

दिनांक 11 अक्टूबर 1974

श्री अजय कृष्ण साहा, भारत सरकार, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, फराक्का बांध परियोजना में सहायक अभियंता (मेकेनिकल) तदर्थ आधार पर दिनांक 15 जून, 1974 के पूर्वाह्न से 31 दिसम्बर, 1974 तक के लिये नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 9 नवम्बर 1974

श्री के० सी० राय, तदर्थ आधार पर सहायक अभियंता (यांत्रिक) के रूप में फराक्का बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 20-3-74 के पूर्वाह्न से 31-12-74 तक के लिए नियुक्त किये जाते हैं।

श्री रमेन्द्र नाथ मजूमदार, स्थानापन्नार्थ सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नति कर फराक्का बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार में दिनांक 15 जून 1974 के पूर्वाह्न से 31-12-74 तक के लिये नियुक्त किये गये।

श्री काली कुमार शर्मा सरकार स्थानापन्नार्थ सहायक अभियन्ता (सीभील) के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नति कर फराक्का बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार में दिनांक 15 जून 1974 के अपराह्न से 31-12-74 तक के लिए नियुक्त किये गए।

श्री सुबोध कुमार भाट्टा, स्थानापन्नार्थ सहायक अभियन्ता (सीभील) के पद पर तदर्थ आधार पर पदोन्नति कर फराक्का बांध परियोजना, सिचाई एवं विद्युत् मंत्रालय, भारत सरकार में दिनांक 15 जून 1974 के पूर्वाह्न से 31-12-74 तक के लिए नियुक्त किये जाते हैं।

जे० एन० मण्डल
महाप्रबन्धक

पूर्व रेलवे

दिनांक 21 अक्टूबर 1974

सं० ए० ई० 2134/प्रोग/7/3/1/ इलेक—विजली इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित परखाधीन अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से पूर्व रेलवे के अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है :—

| नाम | स्थायीकरण की तारीख |
|-----------------------|--------------------|
| 1. श्री ए० के० जैन | 1-4-73 |
| 2. श्री बी० के० सिबल | 28-12-73 |
| 3. श्री एस० के० गुप्त | 9-12-73 |

बी० पी० साहनी,
महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

दिनांक 23 अक्टूबर 1974

सं० 20—इम रेलवे के निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों (दंत) दर्जा II वेतनमान रु० 350-900 (अ० वे०) को इस रेलवे पर प्रत्येक के सामने दिखायी गयी तारीखों से सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) दर्जा II वेतनमान रु० 350-900 (अ० वे०) में स्थायी कर दिया गया है :—

| 1 | 2 | 3 |
|----------|-------------------------------------|--|
| क्रम सं० | सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) का नाम | किस तारीख से सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) के रूप में स्थायी किए गए हैं |
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | डा० बी० बी० लाल | 1-1-66 |
| 2. | डा० एस० बी० अग्रवाल | 8-3-73 |

| 1 | 2 | 3 |
|----|-------------------|--------|
| 3. | डा० एम० एस० हुसैन | 8-3-73 |
| 4. | डा० सुरेन्द्र नाथ | 8-3-73 |

मद सं० 2 से 4 के सामने दिखाए गए चिकित्सकों को सहायक चिकित्सा अधिकारी (दंत) दर्जा II वेतनमान 350-900 (अ० वे०) के तीन अधिसंख्य पदों पर स्थायी किया गया है। अतः इन पदों पर तब तक लगे रहेंगे जब तक वे रु० 350—900 (अ० वे०) में काम करते रहेंगे क्योंकि ये पद केवल उन्हीं के लिए हैं।

सी० एस० परमेश्वरन,
महाबन्धक

दक्षिणी मध्य रेलवे

प्रधान कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

मिकन्दराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1974

सं० पी० 185/गजट/टी० सी०—श्री एस० के० शुक्ल, भारतीय रेल यातायात सेवा (परिवीक्षाधीन) अधिकारी को, उसी सेवा की श्रेणी-I/अवर वेतनमान में 11 दिसम्बर 1973 से स्थायी किया जाता है।

दिनांक 21 नवम्बर 1974

सं० पी० (गज)/185/एकाउण्ट्स—दक्षिण मध्य रेलवे के लेखा विभाग के स्थानापन्न श्रेणी-II अधिकारी श्री के० बी० पी० पण्णीकर को, उसी विभाग की श्रेणी-II सेवा में, 10-6-71 से स्थायी किया जाता है।

के० एस० राजन्,
महाप्रबन्धक

आय-कर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 22 नवम्बर 1974

सं० एफ० 48-एडी(एटी)/74-पी०-II—श्री एच० सी० श्रीवास्तव, वरीय आशुलिपिक, आय-कर अपीलीय अधिकरण जिन्हें अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपीलीय अधिकरण, पटना न्यायपीठ, पटना (सम्प्रति आय-कर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद में स्थानांतरित) में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 3-8-1971 से अग्रिम आदेश मिलने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, देखिए—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48-ए डी (ए टी)/71 दिनांक 7-8-1971, उन्हें अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आय-कर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1-10-1974 से 31-12-1974 (अपराह्न) तक या जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं होती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

नाम शंकर, अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अ ई० 1/7296/माप 74—यतः मुक्त श्री०

मा० फडके सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1025 भायखला डिविजन है, जो डकन रोड अब मौलाना आजाद रोड से ज्ञात है, में स्थित है (और इससे उपाब्ध धनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण संदे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यसुफ अली अहमद अली (अन्तरक)
2. श्री हुसेना बाई रसूलाभाई, चामडावाला और अब्ब (अन्तरिती)

3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

2—366G1/74

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या भूमि का भाग साथ में गृह बाटिका निवास और वहां पर बनी ताहेर बिल्डिंग में ज्ञात भवन जो डकन रोड अभी मौलाना आजाद रोड से ज्ञात, बम्बई में स्थित मौजूद और पड़ा है जो पहले रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई, लेकिन अब रजिस्ट्रेशन उपजिला और बम्बई शहर और बृहत्तर बम्बई में है जो माप से 1256 वर्ग गज या 1050 वर्ग मीटर या उसके करीब और सैन्ड रेवेन्यू कलेक्टर के पुस्तकों में पुराना क्र० 2840, 3008, नया क्र० 9823, पुराना सर्वेक्षण क्र० 2/2141 और 2/2140 और 4405 और नया सर्वेक्षण क्र० 5678 और केडेस्टल सर्वेक्षण क्र० 1028 भायखला डिविजन और असेसट और महापालिका भावो एवं करों के संग्रहक द्वारा 'ड' वार्ड नं० 524, स्ट्रीट नं० 236, 242, डकन रोड अब मौलाना आजाद रोड से ज्ञात और 'इ' वार्ड क्र० 525-532, स्ट्रीट नं० 41-47 स्टेबल स्ट्रीट और निम्न प्रकार से धिरा हुआ है अर्थात् पूर्व या ओर से डकन रोड जब मौलाना आजाद रोड से ज्ञात, उत्तर या ओर से सी० एस० नं० 1026 और आंगिक रूप से अमिनाबाई मोहम्मदअली की जायदाद और सी० एस० नं० 1027 और आंगिक रूप से हातिमबाई अकबरअली राजकोटवाला जायदाद दक्षिण या ओर सी० एस० नं० 1024 अबदुल हुसेन कादरभाई का जायदाद।

श्री० मा० फडके,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई।

तारीख : 31-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 163/एकुरे III/74-75/हाव---यत मुझे,
एल० के० बालमुब्रनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 14 है, जो मुखराम केनोडिया रोड, थाना गोला-
बाड़ी, जिला हावड़ा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सब रजिस्ट्रार, हावड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मुनिया देबि चामारिया, स्वामी मृत केशरदेव
चामारिया, 7/6 बर्धमान रोड, कलकत्ता-27 । (अन्तरक)
2. श्रीमती माखोला साउ, स्वामी रामदास साउ और श्रीमती
मधुबाला साउ, स्वामी अरुणकुमार साउ, 25, मुखराम
केनोडिया रोड, हावड़ा, अधुना 12 चादमारी रोड,
हावड़ा । (अन्तरिती)
3. श्री महेशी सिंह, 18, मुखराम केनोडिया रोड, हावड़ा ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा यह भागे अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 10 कट्ठा 8 छटाक जमीन साथ उस पर अब स्थित
दो तला मकान जो 14 मुखराम केनोडिया रोड, थाना-गोलाबाड़ी,
जिला हावड़ा में अब स्थित है और जो सब रजिस्ट्रार हावड़ा द्वारा
रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 1040/1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालमुब्रनियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, कलकत्ता ।

तारीख : 1-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

हुबली-580021 दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 64/74-75/एच० एक्यू०—यतः मुझे आर० पार्थसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० नं० 58/4ए, 58/4 बी और 58/4 सी है, जो उण्कल गांव, तालुक : हुबली और जिला धारवाड़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली, डाक्यूमेंट नं० 4150 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 30-3-1974 के दिन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवप्रिय एस० किर्बी, केशवापुर, हुबली, निम्नलिखित लोगों के जी० पी० ए० हॉल्डर के हैमियन से :—

(i) श्री विनसंट डी० किर्बी, कोलालपुर, मलेशिया।

(ii) श्रीमती लीला डी० किर्बी, वरंगल (आन्ध्र प्रदेश)

(iii) श्रीमती विमला डी० किर्बी, केशवापुर, हुबली।

(अन्तरक)

2. (1) मैमर्स परसेल विमिनेस् एंटरप्राइसस् मैनेजिंग पार्टनर श्री सिद्ध्या शेखरप्पा यावगलू-13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21 के जर्मिने, और

2. श्री सिद्ध्या शेखरप्पा यावगलू, 13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(3) श्री बाबू बसप्पा बेल्लिकट्टी, बेल्लिकट्टी, मेडिकल स्टोर्स, मेन रोड, सौंदत्ती।

(4) डॉ० मल्लिकार्जुन शिवरुद्रप्पा गुरनवर, मेडिकल आफिसर, केरूर, तालुक : बादामी, जिला बीजापुर।

(5) श्रीमती विमलाबायी, श्री बसवण्णप्पा नूनी की पत्नी, केयर आफ डा० एम० एम० गुरनवर, मेडिकल आफिसर, केरूर, तालुक : बादामी, जिला बीजापुर।

(6) श्री मुन्नेश शेखरप्पा यावगलू, 13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(7) श्रीमती जयश्री, श्री वीरभद्रप्पा होबल की पत्नी, नीरापुर अर्जनेय देवस्थान रोड, हुबली-20।

(अन्तरितियां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कर्नाटक राज्य, धारवाड़ जिला, हुबली तालुक के उण्कल गांव में आर० एस० नं० 58/4ए (31 गुंठा), 58/4 बी (31 गुंठा) और 58/4 सी (19 गुंठा) इस प्रकार 81 गुंठा विस्तीर्ण का बिन् शेन्की जमीन।

आर० पार्थसारथी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली।

तारीख . 2-11-1974

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 63/74-75/एच० ए०—यत् मुझे आर० पार्थसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सी० टी० ए० नं० 2916 और आर० ए० नं० 64ए और 64बी है, जो नागशेट्टीकोप्पा, प्लॉट नं० 8, अशोकनगर रोड, हुबली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में डाक्यूमेंट नं० 4049 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-1974 के दिन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यटन प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के उचित में वसा करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दिनकर मल्हार बाबले, आर्किटेक्ट, अशोकनगर रोड, हुबली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सीताबायी, श्रीनिवासराव हुलेकलू की पत्नी, पोस्ट बॉक्स नं० 22, रायरपेट, सिरसी (एन० के०)। (अन्तरिती)

3. मैनेजर, केनरा बैंक, दुर्गद बैल, हुबली। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिवार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नागशेट्टीकोप्पा, प्लॉट नं० 8, अशोकनगर रोड, हुबली में सी० टी० ए० नं० 2916 और आर० ए० नं० 64ए और 64बी में एक निवासयोग्य घर।

आर० पार्थसारथी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हुबली।

तारीख . 2-11-1974

मोहर .

प्रकरण आई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 62/74-75/एच० ए० सी० क्यू०—यत मुझे आर०
पार्थसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज
हुबली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 23,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी
सी० टी० एस० सं० 2967 है, जो शांती कालोनी,
बिद्यानगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हुबली में डाक्यूमेंट नं० 3868 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने
के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(2) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बी० डी० दिवेकर, "दया", स्टेट बैंक रोड, केशवापुर,
हुबली-21। (अन्तरक)

2. श्री एल० जी० बसबा, लकी बीर ब्रयांडी सेटर, सुपर
मार्केट, हुबली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिलों का आर० सी० सी० इमारत जो बिद्यानगर
के शांती कालोनी में सी० टी० एस० नं० 2967 में स्थित है और
जिसकी सीमाएं :—

पूरब में—सी० टी० एस० नं० 2966 का इमारत ;

पश्चिम में—रस्ता ;

उत्तर में—रस्ता और रेलवे लैन,

दक्षिण में—रस्ता।

आर० पार्थसारथी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली।

तारीख : 2-11-1974

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, : II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 3129/73-74—यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5, रामा गव अन्नहारम, तिरुचि है, जो तिरुचि, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मती पारदाम्बाळ, श्री एम० वी० राममूर्ति और श्री एम० वी० घनेसन, तिरुचि। (अन्तरक)

2. श्री वी० एम० रामस्वामी, करूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचि, रामा राव अन्नहारम, डोर सं० 5 में भूमि और मकान (डी० एस० सं० 2031/2)।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 4-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० अ० ई०-1/747-3/मार्च-74—यतः मुझे श्री० शं० फड़के, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2/618 मलबार और कंबाला हिल डिवीजन है, जो पेडर रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सुलेमान हाजी अल्म उमर की विधवा हालीमाबाई जूनस कासम। (अन्तरक)

2. इंडिया हाऊस नं० 3 कोम्पापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी (अन्तरिती)

3. मेम्बर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलबार और कंबाला हिल डिवीजन का सी० एच० नं० 2/618 का बड़ा भाग जो 418.12 वर्ग मीटर है और पेडर रोड, बम्बई में स्थित है।

श्री० शं० फड़के,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई।

तारीख : 5 नवम्बर, 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

2 श्री विजय भर्तिराज और आनन्द भर्तिराज, मद्रास-6
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1974

निर्देश सं० IX/2/85/73-74—यतः, मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 288/1 तिरुवोट्टियूर है रोड मद्रास-81 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपानद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. केमिकल इन्टरप्राइसेस (पी०) लिमिटेड, मद्रास-6 ।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

लब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, 81 तिरुवोट्टियूर हैरोड, डोर सं० 288/1 प्लॉट
प्लॉट और 2096 स्क्वायर फीट का भूमि (मकान के साथ)
जिसका आर० एस० सं० 4043/3 ।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 6-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त, निरीक्षक
अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० IX/7/276/73-74—यतः मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 सी०, सिडनहामस रोड, पेरियामेट, मद्रास-3 है, जो में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—366GI/74

1. श्री बेर प्रसि धाला, 9, मामीकेश्वरि सट्टि, मद्रास ।
(अन्तरक)
2. फटला ट्रेडिंग कम्पनी, 9 सी०, सिडनहामस रोड, मद्रास-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मद्रास-3, सिडनहामस रोड, डोर सं० 9 सी० में भूमि 1149 स्क्वियर फीट (मकान के साथ) ।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० IX/2/275/73-74—यतः मुझे के० वी० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 28, गोल्लवार अग्रहारम रोड, मद्रास-21 है,
जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः—

1. मैसर्स वन्मुग मुदलियार, एस० दुरैवेलु, एस० वी० चक
और एस० नागराज, 55 वी०, वेनाय नगर, मद्रास-30।
(अन्तरक)

2. मैसर्स सी० थोर ट्रेडर्स 20, कासी चट्टी हट्टि, मद्रास-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-21, गोल्लवार अग्रहारम रोड में डोर सं० 28 भूमि
और मकान (3 प्रजण और 1395 स्क्वयर फीट) (धार० एस०
सं० 2984)।

के० वी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निवेश सं० X/10/58/73-74—यतः, मुझे, के० बी० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० 8, टौन हाल रोड, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुत्तुमन्डपम, मदुरै में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व श्री एस०एस०एच० अबुबेकर, एस०एस०एच० रविद
अब्दुल कादर, एस० एस०एच० सतक अब्दुल कादर और श्रीमती
हुसैना अमीना बीबी । (अन्तरक)

2. श्रीमती गोमती, 2 सी०, जवाहर स्ट्रीट, सोमसुन्दरम
कालोनि, मदुरै । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै, टाउन हाल रोड में डोर सं० 8 में 1/4 भाग (भूमि और
मकान) ।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

निदेश सं० X/10/59/73-74—यतः मुझे के० बी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 8, टाउन हाल रोड, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुनुमन्डपम, मदुरै में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० एस० एच० अब्दुलबेकर, एस० एस० एच० रशीद
अब्दुल कादर, एस० एस० एच० सतक अब्दुल कादर और हुसैना
अमीना बीबी। (अन्तरक)

2. श्री वेंकट सुब्बु, काडनकुलम गांव, तिरुनेलवेलि जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, टाउन हाल, रोड, डोर सं० 8 में 1/4 भाग (भूमि और
मकान)।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-11-1974

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं. X/10/60/73-74—यत, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो 8, टौन हाल रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुतुमन्डपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनिष्क के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री एस० एस० एच० अबुवेकर, एस० एस० एच० रफिद अब्दुल कादर, एस० एस० एच० सतक अब्दुल कादर और हुसेना अमीना बीबी। (अन्तरिक्ष)

2. वैकट सीतारामन, काडनकुलम गांव, तिरिनेलवेलि जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, टाउन-हाल रोड, डोर सं. 8 में 1 भाग (भूमि और मकान)।

के० बी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० XVI/1(3)/62/73-74—यतः मुझे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जो ब्लॉक सं० 19, ओमलूर रोड, सेलम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सि० पेरियन्न बोयर, सि० राजवीरन, सी० कुप्पस्वामी, सि० पलनिसामि, और सि० परमसिवम् सेलम । (अन्तरक)

2. श्री टी० वी० तंगवेल मदलियार, बी-47, फेर लांडस, सेलम-4 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम, ओमलूर रोड में 63 सेन्स का भूमि जिसका टी० एस० सं० 1 (नया वर्ड "बी", ब्लॉक सं० 191) । (1.89 एकड़ में 1/3 भाग) ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-11-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० XVI/1(3)/63/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो ब्लाक सं० 19, ओमलूर रोड, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सि० पेरियन्न बोयर, सि० राजबीरन, सि० कुप्प-स्वामी, सि० पलनिसामि और सि० परमसिवम. सेलम।

(अन्तरक)

2. श्री टी० वी० तंगवेल, मुदलियार. डी-47, फेर लाइंस, सेलम-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, ओमलूर रोड में 63 सेन्स का भूमि जिसका टी० एस० सं० 1, (नया बार्ड "डी", ब्लाक सं० 19)। (1.89 एकड़ में 1/3 भाग)।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 5 नवम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज—1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० X/10/61/73-74—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8, टाउन हाउस रोड, मद्रुरै है, जहाँ मद्रुरै में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पुत्तुमन्डपम, मद्रुरै में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित गई की है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० एस० एच० अबुबेकर, एस० एस० एच० रसायन अबुल कादर, एस० एस० एच० सतक अबुल कादर और हुसैना प्रमीना बीबी। (अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी अम्नाल, 2 सि. जवाहर सट्टीट, सोमसुन्दरम कालोमी, मद्रुरै। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रुरै, टाउन हाउस रोड, डोर सं० 8 में 1/4 भाग (भूमि और मकान)।

के० बी० राजन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 5-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1974

निर्देशन सं० IX/3/21/74-75--यत मुझे, के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 31 नया आर्वाडि राड, मद्रास है, जो मद्रास में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
माचें 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत लेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिश्चित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
3-336GI/74

1 श्री विनयकु पट्टम वरुग्यन वर्गम 23, नया आर्वाडि रोड,
मद्रास। (अन्तरक)

2 श्री रामनलाल एन० पटल 16, बोम्बे नेट्रि स्ट्रीट,
मद्रास-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, नया आर्वाडि रोड, नंबर सं० 31 में भूमि और मकान
(3 ग्रे टग और 1290 स्क्वेयर फीट--आर० एम० सं० 231)।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 6-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त का (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 कर्वे एरडवना रोड पुना

पुना-411004, दिनांक 8 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० सी० ए० 5/मार्च 74/बम्बई/वाई०/142/74-75—
यतः मुझे, एच० एस० अवेलेख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० फायनल प्लॉट न० 524, हिल्टन लॉज और व्हॅली व्ह्यू
है, जो मेन रोड, वाई-महाबकेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 22-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य 'आस्तियों'
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती श्रीराम आदेशीर वकील, द्वारा श्री एम० ए०
मावजी, सौनीसीटर, फोर्ट, बम्बई। (अन्तरक)
2. श्री लक्ष्मीदास प्रेमजी तेजानी, 14 कर्नाट रोड, पुना-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“हिल्टन लॉज” और “व्हॅली व्ह्यू”, तीन कुटीयां, वाई-
महाबकेश्वर मेन रोड, फ्री-होल्ड, फायनल प्लॉट न० 524, पाच-
गणी।

एच० एम० अवेलेख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 8-11-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना-411004

पूना-411004 दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी०ए०/5/माचं/74/हवेली-II/143/74-75—
यतः मुझे, एच० एम० अवैलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मि० टि० एम० क्रमांक 8/46 है जो गुलटेकडी मुकुन्दनगर, पूना क्र० 9 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लेफ्टि० कर्नल जयत निलकंठ, पाटोले,
सोलापुर क्लब, एट एण्ड पोस्ट सोलापुर।

(अन्तरक)

2. श्री दत्तात्रेय तुलसीराम भुजबल
श्री रमेश दत्तात्रेय भुजबल
श्री विलास दत्तात्रेय भुजबल
711, गरुडार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सि० टी० ए० क्रमांक 8/46, गुलटेकडी मुकुन्दनगर, पूना क्र०-9
क्षेत्र . 9100 वर्ग फीट
ब्रिस्ट अप क्षेत्र . 2400 वर्ग फीट। बिल्डिंग 1968 में बांधा
हुई फ्री होल्ड।

एच० एम० अवैलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-11-74

माहुर :

प्रश्न आई० टी० एन० एम० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश म० ए० मि०/134/आर- IV /कल०/74-75-यस
मुझे एम० वृद्धाचार्य, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी म० 6 बि, लाला लाजपत राय मरणी है जो
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
प्रसियोरेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुरोध अन्तर्गत की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक/
अन्तरको और अन्तरिनी/अन्तरितियों के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक व दायित्व में धमी करने का उसमें
बचन के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1 श्रीमती प्रतिमा बनर्जी,

6ए. लाला लाजपत राय मरणी, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2 श्री मन्मथा राणी राय,

5, दुर्गा पिण्डुरी लेन, कलकत्ता।

3 श्री अनन्तराम मूलचन्द दौमि और अन्य।

(वृद्ध व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति के हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा ध्याहन्ताक्षरी के माग लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन में प्रतिमा राय मरणी के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए न्यायाधीश और स्थान नियत किए जाएंगे और
उपरोक्त सूचना हर एक व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आज यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एक
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त सूचना में उक्त सूचना दी गई है आक्षेपों
का सुनवाई के माग करने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में प्रावधान किया गया है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिना रजिस्ट्रार के रजिस्ट्रार के मालिक मालिक 5 एड्डा
10 एड्डा मालिक के जो कि लाला लाजपत राय मरणी
के उत्तर में उक्त सूचना के माग है जिसमें अन्तरण लिखित में
और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एम० वृद्धाचार्य,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रज-IV 54 रफी अहमद किरवाई

रोड, कलकत्ता-16

तारीख 5-11-74

मोहर

प्रारूप आर्डर टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. भुवनेश्वर

भुवनेश्वर दिनांक 6 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 16/74-75/आई० ए० सी० (ए० ग्रा०)/मुख०/यत मुझे, भि० एम० मुर्ली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो मंजूर जैसी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रार बटक-II में भारतीय रजिस्ट्रार, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेज रूप में वर्णित नहीं किया गया है —

(क) धारा 25-3-1974 के अधीन आय का आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में बंधी करने या उसमें बचने के लिए सुचारु बनाना, और/या

(ख) एसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तिया, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुक्त बनाना :

और यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यत अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्री बामुदेव प्रसाद मोदी
- (2) श्री कन्हैया लाल मोदी
- (3) श्री चतुर्भुज मोदी
- (4) श्री कैलाश प्रसाद मोदी

(अन्तरक)

- 2 श्री विनय कुमार मगटिया
- पिता के० एन० मगटिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद् द्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ता—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए आधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क) में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान मीना, बेरो थाना बड़यता, जिला कटन में स्थित है। वह जमीन 25-3-74 तारीख में मंत्र रजिस्ट्रार बटक-II में रजिस्टर हुआ, जिसकी डकुमेंट नं० 540 है।

भि० एम० मुर्ली,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख 6-11-74
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर,

दिनांक 6 नवम्बर, 1974

निर्देश म० ए० एन० आर०/पठानकोट/ए०पी०/1410/74-75

—यतः मू० ए० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी मर्यादा धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2617, मार्च, 1974 लिखा है जो मिशन राड, पठानकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरभजन सिंह पुत्र अमोलक सिंह पुत्र कर्मसिंह,
बामी मिशन रोड, पठानकोट । (अन्तरण)

2. श्री बलदेव राज कालरा पुत्र राम रक्खा मल,
मार्फत, मैसम आर० एल० बलदेव राज, कालरा
गंगु चौक, पठानकोट । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति रूचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2617 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में लिखा है ।

पी० एन० मलिक

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज अमृतसर

तारीख : 6-11-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक 1 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० अं० सं० 189/नि०म०आ०अं०ई०-4/74—यतः
मुझे श्री ग० सो० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरी-
क्षण) अर्जन रेंज, 4, बम्बई आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी प्लॉट क्र० 12, सर्वे क्र० 161 () हिस्सा क्र० 4 बी
(अंश), 5ब (अंश), 6 (अंश) और () सर्वे क्र० 31 (अंश)
है, जो घाटकोपर में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित

है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती सुशीला रतीलाल मंधवी,
पेठे निवास, आग्रा रोड, घाटकोपर, बम्बई-88

(अन्तरक)

2 श्री परमानन्द अं० टी० शी०, और अन्य
7 बीन्टर रोड, रिन रोड, बम्बई-6

(अन्तरिती)

3. मैसर्स जे० पी० ब्रोस०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के
प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घाटकोपर निज धारण की हुई जायदाद ओकि संघषी गार्डन
की प्लॉट क्र० 12, सर्वेक्षण क्र०-161, हिस्सा क्र० 4ब (अंश)
5ब (अंश), 6 (अंश), और सर्वेक्षण क्र० 31 (अंश) माप से
3826 वर्ग गज मीटर।

ग० मो० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख: 2-11-74

मोहर:

प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 4, बम्बई

दिनांक 1 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० प्रो० सं० 190/नि० सं० आ० अ०ई०-4/74-75—यतः मुझे श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० क्र० 306 (अंश) और 307-हिस्सा क्र० 1 (अंश) है जो मूलुन्द (पश्चिम) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री जयन्तीलाल मोहनलाल भुता और अन्य
भुता तिवारा क्र० 2, किंगज मार्केट बम्बई-19

(अन्तरक)

2 श्री मुसाफिर सिंह और अन्य,
नीलकंठ, ब्रिड्जिंग रननशी हिरजी भेजेराज रोड,
मुलुन्द (पश्चिम), बम्बई-२० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या जमीन का खींग या जमीन जो प्लॉट नं० 'एन' जो डॉ० राजेन्द्र प्रसाद रोड, के उत्तर की ओर में स्थित है। जो गांव मुलुन्द (पश्चिम) में, और रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई शहर में और बम्बई उपनगर, जा माप में 1143 बर्गमीटर है (जो 1365 वर्गगज के बराबर में) है और जो भूमि-कर-क्लेक्टर की पुस्तको में रजिस्टर है जिसमें उनका सर्वेक्षण नं० 306 (अंश) और 307-हिस्सा नं० 1 (अंश) और असेसर और म्यु भावां एवं करो के संग्रहक द्वारा 'टी' वाई नं० 2508 (2) डिवीजन बी और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर में न्यू दन्डीया इन्डस्ट्रिज लि० द्वारा पश्चिम की ओर में बिन्नेता की जगद द्वारा, उत्तर की ओर में अंश कोनमोलिडेटेड न्यूमैटिक टुकसलिक द्वारा और अंश बगीचे के द्वारा और दक्षिण की ओर में बिन्नेता की मिलकत द्वारा वह सभी जमीन के प्लॉट की मोड़गे—घाटकोपर में है।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख : 1-11-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी०/133/आर-IV/कल०/74-75—यतः मुझे एम० भट्टाचार्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6बी, लाला लाजपतराय सरणी है, जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ प्रसियोरेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—366 GI/74

1 श्रीमती प्रतिमा बनर्जी,
6 ए, लाला लाजपतराय सरणी, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. कमलेश राय (नाबालक)
प्रतिनिधि : निर्मल चन्द्र राय (पिता)।
(अन्तरिती)

3 श्री अनन्तराम मूलचन्द दोसी और अग्रयान्य
(वह व्यक्ति जिसके अर्धभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिना रेखित 1/4 हिस्सा तीन मंजिला मकान के साथ 5 कट्टा 10 छटांक जमीन के, जो कि 6 बी० लाला लाजपत राय सरणी कलकत्ता के उत्तर-पश्चिमी भाग है, जैसे कि अन्तरण लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० भट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV 54 रफी अहमद क़िदवई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 5-11-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एल डी एच/सी०/106/74-75 :—यतः मुझे जी पी० सिंह, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बाखाल भवना है जो तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना शहर, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेजर अवतार सिंह, पुत्र सरदार बहादुर कैप्टन जसवंत सिंह, पुत्र सरदार जगत सिंह, निवासी 238, माण्डल टाऊन, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) (i) श्री नछतर सिंह पुत्रान श्री जागीर सिंह,
(ii) श्री सुरजीत सिंह, पुत्र श्री हाजारा सिंह,
(iii) श्री दलजीत सिंह, निवासी फतेहपुर
भवाणा तहसील लुधियाना। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मिल्ती 4 बीघे 13 बिस्वासी जो कि वारखाल भवना, तहसील लुधियाना खेबट नं० 268, खतौनी नं० 279, खसरा

| | | |
|---------|--------|-------------------------|
| नं० 262 | 263 | जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के |
| 2-13-4 | 2-2-15 | |

विलेख नं० 11912, मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख : 12 नवम्बर 1974,

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर, 1974

निवेश सं० एल० डी० एच०/सी/380/74-75:—
यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था-
वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बाडेवाल भवना में जमीन, है जो तमहसील
लुधियाना में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना, शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती विद्या उर्फ विद्या बी प्रीतम सिंह विधवा बर-
गैडियर बी प्रीतम सिंह पुत्र कैप्टन जसबन्त सिंह विल्ली, द्वारा
मेजर अवतार सिंह पुत्र मरदार बहादुर कैप्टन जसबन्त सिंह, निवासी
238 माडल टाऊन, लुधियाना (अन्तरक)

(1) (i) श्री नछतर सिंह पुत्रान श्री जागीर सिंह पुत्र
(ii) श्री सुरजीत सिंह, श्री हजारा सिंह,
(iii) श्री दलजीत सिंह,
निवासी फतेह पुर भवना, तमहसील, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मिन्ती 3 बीघे, 6 बिम्बे और 6 बिम्बामी जो कि बाडेवाल
भवना, तमहसील लुधियाना खेबट न० 306, खनौनी न० 355,
खसरा न०

$\frac{280}{1-7-0}$ $\frac{277}{1-19-6}$ जैसा कि रजिस्ट्री

कृत के विलेख न० 11913, मार्च 1974 को सब रजिस्ट्रार
लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 12-11-1974

मोहर :

प्रपत्र आई० टी० एन० एस० . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निदेश सं० LDH / C / 381/74-75 :—यतः,
मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बाड़ेवाल अवाना में जमीन है जो तहसील लुधियाना
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना शहर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च,
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती मनजीत कौर उर्फ मनजीत मोदी पुत्री बख्शी
प्रीतम सिंह पुत्र सरदार बहादुर जसवंत सिंह, पत्नी करनल जी०

एस० सोही एडमिनिस्ट्रेटिव आफिसर, अम्बला कैंट, द्वारा सरदार
बहादुर बख्शी अवतार सिंह पुत्र सरदार बहादुर बख्शी जसवंत सिंह
निवासी 238, माडल टाऊन, लुधियाना मुख्त्यार आम। (अन्तरक)

(2) (i) श्री नछतर सिंह, } पुत्रान श्री जागीर सिंह पुत्र
(ii) श्री सुरजीत सिंह, } हजारा सिंह
(iii) श्री दल जीत सिंह, }

निवासी फतेहपुर अवाना, तहसील लुधियाना
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मिल्ती 3 बीघे 11 बिस्वे और 4 बिस्वासी जो कि
बाड़ेवाल अवाना, तहसील लुधियाना खेवट नं० 348, खतोनी
नं० 357, खसरा नं०

$\frac{281}{1-12-0}$ $\frac{284}{1-19-4}$ जैसे कि रजि-

ट्रीकृत के विलेख नं० 12018 मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार
लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 12 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निदेश सं० LDH /C/382/74-75 :—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बाड़ेवाल अवाना में जमीन का एक टुकड़ा है जो तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना शहर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चांव पुत्री बख्शी प्रीतम सिंह पुत्र सरदार बहादुर बख्शी जसवंत सिंह, पुत्र सरदार उजल सिंह, निवासी नई दिल्ली

खंबटवार गांव, बाड़ेवाल अवाना, तहसील लुधियाना, द्वारा सरदार बहादुर बख्शी अवतार सिंह, 238 माडल टाऊन, लुधियाना, मुख्तयार ग्राम। (अन्तरक)

(2) (i) श्री नछतर सिंह } पुत्रान श्री जागीर सिंह पुत्र
(ii) श्री सुरजीत सिंह } श्री हजारा सिंह,
(iii) श्री दलजीत सिंह } निवासी फतेहपुर अवाना, तहसील, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मित्ती 3 बीघे 12 बिस्वे और 16 बिस्वासी जो कि बाड़ेवाल अवाना, तहसील लुधियाना खेबट नं० 344, खतौनी, 356 खसरा नं०

$\frac{276}{1-8-16}$ $\frac{281}{2-4-0}$ जैसे कि रजि-

स्ट्रीकृत के विलेख नं० 12019, मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़.

तारीख : 12 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निदेश सं० टि० आर०-1614/सि०-440/कल०-1/73-74

—प्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 39 एण्ड 40 लेनिन मरणी (पहले धर्मतला स्ट्रीट) कलकत्ता जो, —में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एश्योरेस 5 गवर्नमेंट प्रैस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मुहम्मद साबुटिया (अन्तरक)
- (2) भिरेन्द्र सि० राईदणी

6, टेम्पल गेट, कलकत्ता-13. (अन्तरिती)

- (3) 1. श्री आसुतोष बयनार्मि.

2. श्री हृषिकोस घोष

3. श्री नागेन्द्र नगेनदास भांगी

[वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

39 एण्ड 40 लेनिन मरणी (पहले धर्मतला स्ट्रीट) कलकत्ता में अब स्थित हंट का मकान का आधा हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, पि-13, चौरंगी-स्कोयर

कलकत्ता-1.

तारीख : 8 नवम्बर, 1974

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एमि०-56/आर०-II/कलकत्ता/74-75 :—यतः,
मुझे, आर० एल० बुटानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी प्लॉट सं० 100, 105 इत्यादि और ख० सं०
694, 696 इत्यादि है, जो मौजा-जोका, धाना-बेहाला, जिला-
24 परगाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार
आफ एगुरेन्सस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 18 मार्च, 1974
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक.
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त
सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण
मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स इन्डिया फोटोमोबिल्स (1960) लिमिटेड,
12-गवर्नमेंट प्लेस इस्ट कलकत्ता-
(अन्तरक)

(2) मैसर्स कारावन स्टील (प्र०) लिमिटेड), 2, गणेश
चन्द्र एवन्स, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्व-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 100, 105, इत्यादि और ख० सं० 694, 696
इत्यादि का, 1 बिघा, 14 कट्ठा, 5 चिट्ठाक्स और 39 बर्ग
फीट क्षेत्रफल का खाली जमीन जो मौजा-जोका, धाना-बेहाला,
जिला-24 परगाना में है।

आर० एल० बुटानी,
सक्षम प्राधिकारी—

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, पि०-13, चौरंगी स्कोपर कलकत्ता-1

तारीख : 26 अक्टूबर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1658/सि०-448/कल०/73-74:—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/1 है, जो हांगार फोड स्ट्रीट प्लॉट नं० 5 कलकत्ता-17 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जितेन्द्र नाथ चमदाजि, 12/1, हांगारफोड स्ट्रीट कलकत्ता-17। (अन्तरक)

2. श्रीमान सुजाना बोम दस्तिदार 23 सी, फार्ण रोड कलकत्ता-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12/1, हांगार फोड स्ट्रीट कलकत्ता-17 अब स्थित मकान का प्लॉट नं० 5।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 8 नवम्बर, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० ए० सि० 65/आर०-II/कलकत्ता/74-75 :—यतः, मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 57/2 है, जो डायमंड हारवर रोड, थाना-इक-बालपुर कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार एन्सुरेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 1908 का 16 के अधीन 17 मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—366 GI/74

1. अमिता गनी दा 62-ए०, जय मिसर स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरक)

मेमर्स ल्यन्डस हाउसिंगस् आन्ड डेवलेपमेन्ट का०
3, मेन्गो लेन, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 57/2, डायमंड हारवर रोड, थाना, इकबालपुर, स्थित 1 बिघा, 1 छिटांक 41, वर्ग फुट जमीन का अभिवाजित पंच का एक हिस्सा

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख : 26 अक्तूबर, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए० सि०-66/आर-II/कस० 74-76 :—यतः,
मुझे आर० एल० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 57/2 है, जो डायमंड हावर रोड, थाना इकलबालपुर, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेजिस्ट्रार आफ एमुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16 के अधीन 7 जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अजन्जा रानी दत्त, 146, बान्गूर पार्क, 1875/1 जिला हुगली।

2. मेसारस लाफ़्टस हाउसिंगस ग्रान्ड डेभोलपमेन्ट को० 3, मानो लेन, कलकत्ता-1।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० न० 57/2, डायमंड हावर रोड, थाना इकलबालपुर कलकत्ता में स्थित 1 विधा 2 चिट्ठाक 41 वर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन अभिवाजित पॉथ का ए के हिस्सा।

आर० एल० बुटानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पि० 13, चौरंगी स्कौयार, कलकत्ता-1

तारीख : 26 अक्टूबर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1644/सि०-416/कलकत्ता-1/73-74:—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26/1, है, जो रफी अहमद क़िदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ़ एश्योरेन्स 5 गवर्नमेन्ट प्रेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. महम्मद ईसभाई । (अन्तरक)

2. महम्मद मितु मियां । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

26/1, रफी अहमद क़िदवाई रोड कलकत्ता में अवस्थित 5 कठ्ठा-15 छटाक 6 वर्ग फिट जमीन पर अविभाजित आंशिक चार मंजिल और आंशिक पांच मंजिल भवन का 1/4 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 पि०-13, औरंगी स्कोयर, कलकत्ता ।

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 महम्मद ईसमाईल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. महम्मद बुलाम रसूल

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1643/सि०-417/कल०-1/73-74.—यत, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 26/1, है, जो रफि अहम्मद किदवाई स्थित रोड में है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ग्यमुरेन्स 5, गर्बनमेन्ट प्रेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप ; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत कि जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

26/1, रफि अहम्मद, किदवाई रोड, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 5 कट्ठा 15 छटाँक 6 वर्ग फीट जमीन पर आशिक चार और आशिक पांच मजिला का मकान का 1/4 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1

पि०-13, चौरंगी स्कोयर कलकत्ता

तारीख : 11 नवम्बर, 1974
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1642/मि०-415/कल०-I/73-74.—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26/1, है, जो रफि अहमद क़िदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स 5, गर्वमैन्ट प्रेम कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. महम्मद ईसमाईल

(अन्तरक)

2. सौकत अली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26/1, रफि अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता में अब स्थित लगभग 5 कट्ठा 15 छटांक 6 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक चार और आंशिक पांच मजिल का मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1.

पि०-13, चौरंगी स्कोयर कलकत्ता।

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० दि० आर०-1641/सि०-414/कल०-1/73-
74 :—यनः मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 26/1 है, ओ एफ० अहमद किदवाई रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स
5 गर्बनमेन्ट प्रैस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धान्तविक रूप से
कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महम्मद ईसमाईल (अन्तरक)
2. रामजन भाली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

26/1, रफी अहमद किदवाई रोड में 5 कट्टा 15 छटांक
6 वर्ग फिट, जमीन पर आविभाजित चार और आंशिक पांच
मंजिल का मकान का 1/4 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

पि० -13, चौरंगी स्कोयर, कलकत्ता

तारीख . 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1657/सि०-447/कल०-1/ 73-74 :—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 25-ए० है, जो चांदनी चक कलकत्ता-1 में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एन्वयुरेन्स 5, गवर्नमेन्ट प्रेस, नार्थ कलकत्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मान नरबाला कुन्डु चौधरी (अन्तरक)
- (1) हामी शेख ईदिस आली
- (2) शेख तफाजेल आली

- (3) शेख माकाईल (पिता और कर्ता शेख उनास आली)
- (4) शेख महम्मद फाठक (पिता और कर्ता) हामी शेख याकूब आली (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. हुगली मेरिना ईतजिनियर एण्ड ट्रांसपोर्ट सर्विस
2. ए० एस० एस० जालाल महम्मद एण्ड को०
3. आबुनसर कुन्धुभी
4. शेख सेलेमान
5. महम्मद आफसर आली
6. आनीमुल आखतार
7. सौकत आली मिर्ज़े
8. सराफतउल्ला
9. याकूब मल्लिक
10. नभबख ईसलाभ

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25-ए, चांदनी चक स्ट्रीट कलकत्ता में अब स्थित 5 कट्टा 12 छटांक 36 वर्ग फीट जमीन पर अविभाजित दो मंजिल का मकान का आधा हिस्सा।

(एस० के० चक्रवर्ती)

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज—1

पि०-13, चौरंगी स्कोयर कलकत्ता

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, चण्डीगढ़,

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर०-1637/सि०-435/कल०-1/73-74 :—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 25-ए०, है, जो चांदनी चौक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ एयसुरेन्स, 5 गवर्नमेन्ट प्रैम नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री समरेन्द्र मोहन कुन्दु चौधरी (अन्तरक)

(1) हाजी शेख, इन्द्रीस भालि

(2) शेख ढाफ़ज़ेल भालि

(3) शेख भाकाईल (पिता की और कर्ता अनास भालि)
(4) शेख मुहम्मद यामक (पिता की और कर्ता हाजी शेख जाकुब भालि)। (अन्तरिती)

(1) हुगली—मेरिण इर्जिनियारि एण्ड ट्रान्सपोर्ट समिति

(2) ए० एण्ड एस० एस० जालाल आहमद (एण्ड को०)

(3) आबुनासर कुनदाभि

(4) शेख सोलेमान

(5) महम्मद आफसर भालि

(6) आनिजुल आफसर

(7) सौकत भालि—मिर्झ

(8) सराफतउल्ला

(9) याकुब मल्लिक

(10) नसरुल ईमलाम (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25-ए० चांदनी चौक स्ट्रीट कलकत्ता में 5 कट्टा 12 छटाक 36 वर्ग फिट जमीन पर आविभाजित दो मंजिल मकान का आधा हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज—1.

पि०-13, चौरंगी स्कोयर कलकत्ता।

तारीख : 11 नवम्बर 1974।

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि० 142/आर० IV/कल०-74-75 :—

यतः, मुझे एस० भट्टाचार्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 166 पि० ए० शाह रोड है, जो कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेहाला में आलिपुर के ज्वायन्ट सब-रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-366GI/74

1 गोविन्द लाल बंगुर, 65 गार हरिराम गोर्वेका स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)

2 बंगुर लैन्ड इ० कार० लि०, 5, देशप्राण शासमल रोड, कलकत्ता-33। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खतियान सं० 562, 585, सि० एस० वाग सं० 274 के ग्रंथ मोजा-आरकपुर, परिमाण— 3 कठ्ठा 5 छटांक, 166 पि० ए० शाह रोड, धाना-टालिगंज, कलकत्ता।

एस० भट्टाचार्या
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, 54 रफी अहमद किववाई
रोड, कलकत्ता-16।

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए० मि०/138/आर० IV/कल०/74-75.—
यतः, मुझे एस० बट्टाचार्या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 21/2 ए०, है, जो मनोहर पुकुर रोड कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्णाधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ ग्रामियो-
रेन्सेम कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 25 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल 1 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिमी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. विद्युतवर्णा पाल, 376/1, ल.व.वि.०, न्यु० ब्राह्मपुर
कलकत्ता । (अन्तरक)

2. राजदूत कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० 9, हेयार
स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही 31
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

21/2 ए०, मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता, परिमाण-3 कट्टा
11 छटाक 30 स्कोयर फिट जैमे के अन्तरण लिखित में और
पूर्ण रूप से वर्णित है ।

(एस० बट्टाचार्या),
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, 54 रफि अहमद
किदवाई रोड, कलकत्ता-16.

तारीख : 8 नवम्बर, 1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० मि० 140/आर० IV/कल०/74-75.—

यतः, मुझे, एम० भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी प्रैमियम सं० 166, पि० ए० शाह रोड, थाना
टालिगंज है, जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जायन्ट भव रजिस्ट्रार आफ आलिपुर् एट बेहाला में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 मार्च,
1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. गोविन्द लाल बन्गुर, 65 सर हरिराम गोयेन्का स्ट्रीट
कलकत्ता (अन्तरक)

2. बन्गुर लैंड डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०, 5 देश प्राण
शाममल रोड, कलकत्ता-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उम्मीदी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खतियान सं० 556, सि० एस० दांग सं० 272/108 के अंग,
मोजा आरकपुर, परिमाण-7 कठ्ठा, 166 पि० ए० ए० शाह रोड
थाना-टालिगंज, कलकत्ता

एस० भट्टाचार्य

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

54 रफी ग्रहमध किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०/144/अर०-IV/कल०/74-75—यतः,
मुझे, एस० भट्टाचार्या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 166 पि० ए० शाह रोड, कलकत्ता है, जो
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेहाला
में आलिपुर के युक्त सब रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोविन्द लाल बान्जुर, 65 शर हरिराम गौयेंका
स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री बान्जुर लैन्ड डेवेलपमेंट कर्पोरेशन लि० 5 देशप्राण
शासमल रोड, कलकत्ता-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खतियान सं० 123, 125 सि० एस० वाग सं० 3, 3/35
के ग्रंथ मीजा—गोविन्दपुर, परिमान—6 कट्टा 14 छटां 35
स्कोयार फिट, 166 पि० ए० शाह रोड, थाना—टालिगंज,
कलकत्ता।

एस० भट्टाचार्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज IV, 54 रफि अहमद किराई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 11-11-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि० 143/आर०-IV/कल०/74-75—
यतः, मुझे, एस० भट्टाचार्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 166 पि० ए० शाह रोड, है, जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेहाला में आलिपुर के युक्त सब रजिस्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

गोविन्दलाल बन्जर, 65, शर हरिराम गोयेका स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्री बन्जर लैन्ड डे० कर० लि० 5, डि० पि० एस० रोड, कलकत्ता 33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खतियान सं० 562, 578 सि० एस० दाग सं० 273 के ग्रंथ मौजा—भारकपुर, परिमाण—6 कट्ठा 11 छटांक 166 पि० ए० शाह रोड, थाना—टानिगंज, कलकत्ता ।

एस० भट्टाचार्या

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, 54 रफि अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश म० एम० आर०/ग्वालियर/1-3-74—यतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० मकान वार्ड न० 8 है, जो जिवाजी गज ग्वालियर
में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में
भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1-3-1974 को, पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरि की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-
फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए भुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए भुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री दशरथ लाल
(2) श्रीमती शान्ति देवी पति श्री रमेशचन्द्र (3) श्रीमती
शरला देवी पति श्री ठाकुर प्रसाद व्यास पत्त पुरा मरेना
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीति देवी बेबा पति श्री देवी राम व्यास जिवाजी
गज मरेना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पत्र के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित वार्ड न० 8 में जिवाजी गज मरेना

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/6-3-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 24/496, 24/497 है, जो रायपुर में स्थित है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत दल्लेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री प्रभू नाथ वर्मा निवाम ग्राम उड़ेला तह० बलौदा बाजार जि० रायपुर (अन्तरक)

2. श्री राम प्रसाद पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद वर्मा निवाम बिरधी तह० बलौदा बाजार जिला रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 24/497 और 24/496 नया नं० 2625 स्थित गांव मुहल्ला तात्या पारा बड़े नं० जिला रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 7-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/उज्जैन/20-3-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दोमजिला मकान निजादपुरा उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाया; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. ठाकुर हरि सिंह पुत्र ठाकुर माधो सिंह जी
2. श्रीमती भगवती बाई पत्नि श्री ठाकुर माधो सिंह जी निवास निजादपुरा, उज्जैन। (अन्तरक)

(2) 1. श्री अनिल कुमार साबू 2. श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री आशाराम जी साबू निवास निजादपुरा, उज्जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दोमजिला मकान स्थित नजर अली मार्ग निजादपुरा उज्जैन।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

अर्जन रेंज, भोपाल

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/2-3-74—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म० न० पुराना 90/668 माधोगंज लश्कर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-3-74

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—366G1/74

1. श्री बाबू लाल पुत्र श्री रामचन्द्र जी माधोगंज लश्कर (अन्तरक)
2. श्री कुन्दन 2. नन्द किशोर पुत्रगण श्री चतुरभुज अग्रवाल माधोगंज लश्कर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० पुराना नं० 10/668 नया नं० 38/582 माधोगंज, लश्कर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एम० आर०/उज्जैन/27-3-74—अतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० म० न० 6/2167 दशहरा मैदान, उज्जैन
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन
में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 27-3-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हुकम चन्द पुत्र श्री मोती लालजी, लोहारिया,
होरा मिल्स क्वार्टरस, आगरा रोड, उज्जैन (अन्तरक)
2. श्रीमती विद्यावती वार्ड पनि श्री चमन लालजी
नरूना शीर सागर, उज्जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/2167 स्थिति दशहरा मैदान माधोनगर,
उज्जैन।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/12-3-74--अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० सं० 21 सिक्ख मुहल्ला, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-3-74 को को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नरहरि राव मल्हार राव होलकर निवाम काशी राव दादा होलकर ज्वनिंग फैंक्ट्री, सनवाद (एम० पी०) (अन्तरक)

2. श्री विट्ठल दास मगनलाल मेठ 21 सिक्ख मुहल्ला मेन रोड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० सं० 21 स्थित सिक्ख मुहल्ला मेन रोड, इन्दौर,
3 मंजिला मकान वगैरा वगैरा।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 87 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/भोपाल/5-3-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म० आई न० 9 में नूरमहल रोड, भोपाल, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजमल उर्फ रज्जू लाल पुत्र श्री बाल मुकुन्द राठोर निवास ग्राम भोरी त० भोरी जिला भोपाल (अन्तरक)
2. श्रीमती रामकली देवी पति श्री ग्यारसी लाल राठोर
- 2 श्रीमती शरला देवी राठोर पति श्री शिव-नारायण जी 3. राम दुरल्लारी पति श्री द्वार्का प्रसाद वर्मा निवास नूरमहल रोड, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 मजिला मकान बार्ड 9 स्थित नूरमहल रोड इमामी गट, भोपाल।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, भोपाल

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०/139/आर० IV/कल०/74-75—यतः,
मुझे एस० भट्टाचार्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 21/2 ई है, जो मनोहर पुकुर रोड कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एश्यो-
रेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 25 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विद्युत कणा पाल 376/1, ब्लाक-जी, न्यू ग्राहपुर,
कलकत्ता। (अन्तरक)
2. राजदूत कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, 9, हेयर
स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21/2 ई मनोहर पुकुर रोड,
कलकत्ता, परिमाण 3 कट्टा :
12 फुटाक 2 स्कवेयर फिट।

एस० भट्टाचार्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV,
54 रफी अहमद कदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 8 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश स. एस० आर०/इन्दौर/28-3-74—यतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० म० नं० 982/9 है जो जवाहर मार्ग, इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में
भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 28-3-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अस्तित्व
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भारती वाला उर्फ कौलाशवाई पति देवेन्द्र
कुमार जैन ठिकाना 76 मन्हार गज गली नं० 3, इन्दौर
(अन्तरक)

2. (1) श्री शंकर लाल (2) प्रेम नारायण पिता
नारायण दास संगी डि० 158 एम० टी० क्लाय मार्किट,
इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अविरती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

जवाहर मार्ग म्यू० पा० नं० 142/1, का मकान इन्दौर ।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक 7 नवम्बर 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/बरहानपुर/22-3-74—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्गी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिसकी सं० प्लॉट नं० 177/1 राजपुरा में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरहानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-3-74 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्णा राव कृष्ण जोशी श्रीमती लक्ष्मी वाई पति श्री श्री किशन राव जोशी निवास राजपुरा बरहानपुर अभि डोंगरे बाग, दादर बम्बई। (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण पुत्र श्री श्याम जी महाजन निवास गांव चित्तावल तह० रावेर जिला जलगाव महाराष्ट्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 177/1 पर बना मकान प्लॉट नं० 82 स्थित ग्राम राजपुरा तह० बरहानपुर।

एम० एफ० मुन्गी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निदेश सं० टी० आर०/1684/मी०-467/कल०-I/73-74--

यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 161 है, जो मुक्त राम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एन्सुरेन्स 5, गवर्नमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-3-74

को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अनः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. विष्णु प्रापरटोज लिमिटेड। (अन्तरक)

2. कमल किशोर भगत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिआक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पवोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत वुक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

161, मुक्त राम बाबू स्ट्रीट, 9 कट्टा 10 वर्ग फीट, जमीन पर आंशिक तीन तल्ला और आंशिक चार तल्ला का ईंट का मकान।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I,

पी० बी० चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता-1

दिनांक : 11 नवम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० आर०/1656/सी०-446/कल०-1/73-74

—यतः, मुझे, एम० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 39 एण्ड 40 है, जो लेनिन सारणी (पहले धर्मतला स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ एसुरेन्स 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—366 GI/74

1. मुहम्मद माबूदीन (अन्तरक)

2. अशोक कुमार मईदणी, 6, टेम्पल स्ट्रीट, कलकत्ता-13 (अन्तरिती)

3. (1) आसुतोष बमार्जी,
(2) ऋषिकेश घोष,
(3) नगेन दास भांगी

(यह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और [पदों] का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

39 एण्ड 40 लेनिन सारणी (पहले धर्मतला स्ट्रीट) कलकत्ता में अब स्थित ईंट का मकान का आधा हिस्सा।

एम० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5,

पी० 13 चौरंगी स्कोयर, कलकत्ता

दिनांक : 8 नवम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/रतलाम/13-3-74—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नि० नं० 87 सूभाष मार्ग रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रूपचन्द (2) श्री चान्द मल पुत्र श्री खेमराज (3) रतन लाल (4) हम्मी मन (5) गिरधारी लाल रूपचन्द (6) मानक लाल पुत्र श्री चान्द मल वोहरा महाजन निवास पीपल खूटा ग्राम रतलाम। (अन्तरक)

2 श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री चान्द मल जी (2) श्रीमती डाक्टर प्रेमा पति राजेन्द्र कुमार भन्दारी रतलाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० मि० नं० 87 एरिया 2777 वर्ग फुट स्थित सूभाष मार्ग, धनमन्डी, रतलाम।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० एमि-60/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे
आर० एल० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2/3, 3, 5 और 6/1, बडबान रोड और 9, 10,
11 आलिपुर पार्क प्लेस का अंश है, जो आलिपुर, कलकत्ता-27 में
स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सस,
कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 28-3-1974 के पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

केलविन जूट कम्पनी लिमिटेड,
3, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता।

(अन्तरक)

(1) श्री भवानी शंकर तिजोरीवाला,
(2) श्री अशोक कुमार तिजोरीवाला,
(3) श्री सुरेश कुमार तिजोरीवाला।
66, डायमन्ड हारबर रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आलिपुर कलकत्ता में सम्पत्ति सं० 1/3, 3, 5 और 6/1,
बडबान रोड और 9, 10, 11, आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से
बना हुआ, 13 कट्टास, 2 चिट्टाक्स, और 43-3/4 बर्ग फीट क्षेत्रफल
का जमीन है।

आर० एल० बुटानी,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पि-II, चोरंगी स्कोयर, कलकत्ता

तारीख : 16-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1665/सि०-453/फ०-1/73-74

यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 40 है, जो श्री अरविन्द सारणी, कलकत्ता-5 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार ऑफ एयसुरेन्स 5, गर्वनमेंट प्रेस, नार्थ कलकत्ता, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-(1908 का 16) के अधीन 20-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 दासबिहारी बासु
73 ए, पूर्ण दास रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2 गोबिन्द चन्द्र नाग
52/1, बेनियातोला स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

40, अरविन्द सारणी, कलकत्ता में अबस्थित 5 कट्ठा 13 छटाक जमीन पर अविभाजित मकान का 1/4 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
पि०-13, चौरंगी स्क्वियर कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, अमृतसर
दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी०-67/आ०-II/कलकत्ता/74-75—

यत, मुझे एल० के० बाला गुप्तामनियन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 2 है, जो राजा सन्तोष रोड कलकत्ता में स्थित
है और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
वर्णा अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ फजुरेन्समन कलकत्ता
से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के
अधीन 19 26-3-1974।

फरवरी, को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वाचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मण प्रसाद पोद्दार,
ए०/9/2, बसन्त विहार, नई दिल्ली-57।

(अन्तरक)

2. नि डन्डियन कार्डबोर्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड,
16, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा बक
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोट० बि०, चिन्हित, 9 बीघा, 1 कट्ठा, 2 चिहाक्स, और 23
बग फीट क्षेत्रफल के जमीन के साथ, ईट का बना दो मंजीले मकान।
जो 25 राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता का अंश है।

एल० के० बालामुप्तामनियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण, ग्रजन रेंज-II
पि०-13, चोरगी स्क्वायर, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी०

चन्डीगढ़, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एम० एल० के०/9/74-75—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है जो गांव दरियापुर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलेरकोटला, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हजूर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह
गांव दरियापुर, तहसील मलेरकोटला (अन्तरक)

(2) (1) श्री महिन्दर सिंह

(2) श्री सिकन्दर सिंह पुत्रान, श्री रला सिंह

(3) श्री ज्ञान सिंह

(4) श्री सुखदेव सिंह

निवासी गांव दरियापुर, तहसील मलेरकोटला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांव दरियापुर में जमीन मित्ती 20 बीघे 3 बिस्से जिसका खसरा नं० 64/11-15 और 65/8-8 है ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 12-11-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सक्टर 9-बी०

दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एम० एल० के०/10/74-75--यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो गांव दरियापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री हजूर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, गांव दरियापुर, तहसील मलेरकोटला (अन्तरक)

2 (1) श्री मुहिन्द्र सिंह

(2) श्री ज्ञान सिंह,

(3) श्री मिकन्दर सिंह

(4) श्री सुखदेव सिंह—पुत्रान श्री रत्ना सिंह निवासी गांव दरियापुर तहसील मलेरकोटला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव दरियापुर में, जमीन गिन्ती 10 बिघे 13 बिस्वे जिसका

| खसरा नं० | 63 | 119 | 122 | स्थित है। |
|----------|------|-----|-----|-----------|
| 6-11 | 3-10 | 0-6 | | |

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 12-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० ए०सि०/137/भार०- IV/कल०/74-75:—
यतः, मुझे एस० भट्टाचार्या, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी प्लॉट सं० 52, सि० आई० टि० स्कीम सं० VI एम०,
प्राक्लन प्रेमिसेस सं० 29, कांकारगाछि रोड, है, जो कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ असियो-
रेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लक्ष्मीचन्द्र बजाज, 60, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्योत्सना घोष, प्रदीप घोष, प्रवीर घोष,
52, बिडन स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,
तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 कट्ठा 6 छटाक 30 स्कोयारफिट खाली जमीन, प्लॉट सं०
52, सि० आई० टि० स्कीम सं० IV, एम०, प्राक्लन प्रेमिसेस
सं० 29, कांकारगाछि रोड, कलकत्ता।

एस० भट्टाचार्या
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, 54 रफि अहमद कदवाई
रोड, कलकत्ता-16।

तारीख : 7 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि० /136/आ० IV /कल०/74-75 —
तः, मुझे, एस० भट्टाचार्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 बि०, लाला लाजपतराय सरणी, है, जो कलकत्ता में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ असियोरनेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण में द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थातः—
9—366GI/74

1. श्रीमती प्रमिला बनर्जी, 6 ए०, लालालाजपतराय सरणी, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. रणजय बनर्जी (नाबालक), प्रतिनिधि—श्रीमती धूलका बनर्जी (माता) (अन्तरिती)

3. अनन्तरगम मूलचन्द दोसी और अन्यान्य ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बिना रेखित 1/4 हिस्सा, निन मजीला मकान के साथ लग-भग 5 कट्ठा 10 छटाक जमीन के, जो कि 6 बि० लाला लाजपतराय सरणी, कलकत्ता के उत्तर-पश्चिमी भाग है, जैसे के अन्तरण लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० भट्टाचार्य,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, 54-रफि ग्रहमथ किदवाई
रोड, कलकत्ता-16

तारीख 5 नवम्बर 1974
मोहर

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/28-3-74-एन मुझे
एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट न० 5 भंडारी मार्ग है, जो इन्दौर में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रार
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के धारा 28-3-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या
उसमें बचने के लिए सुझाव बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था
छिपाने के लिए सूकर बनाना,

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति का
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री संकर सिंह पुत्र श्री सिंह एरन निवास रोशन सिंह
भंडारी मार्ग सं० न० 12 इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कपिला पति श्री नटवरलाल जी महता निवास
22 बल्लभ नगर, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 5 स्थित डाक्टर रोशन सिंह भंडारी मार्ग
इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,
सह. प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 7-11-1974

इन्दौर

प्ररूप आई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/15-3 74--यतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० न० 26 म० न० 11 न० 36 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम) 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गनपत लाल पुत्र छोटीजी (2) गंगा राम (3) नरेन्द्र सिंह (4) महेश कुमार (5) राजेन्द्र कुमार पुत्रगण गनपतलाल निवास 26 काछी मुहल्ला मेन रोड, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री धर्मरत लाल हीरा लाल पुत्रगण गनपत लाल 26 काछी मुहल्ला, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० 26 स्थित काछी मुहल्ला इन्दौर और म० न० 11 सिनेहलता गंज इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख - 7-11-1974

मोहर

प्रारूप आर्टि० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 13) की धारा 269-घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रवर्णन रैंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश न० टी० आर०/1685/सी०-466/कल०-I/73-74
—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी न० 9-बी है, जो हाती बागान रोड नार्थ, कलकत्ता-14 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्थेटिक्स, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० विम तारा दे 73-ए० गणेश चन्द्र एमिनि कलकत्ता-13। (अन्तरक)

(2) श्री भूपन्द्र माहा 98, करामा रोड, फ्लैट नं० बी-9, कलकत्ता-19। (अन्तरिनी)

1 श्री अमिय भूषण मजूमदार,

2 श्री एन० के० चक्रवर्ती,

3 डा० जी० एस० मण्डल,

4 डा० आर० के० तिसोरी,

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्याप्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9-बी०, हाती बागान रोड, नार्थ कलकत्ता-14 में अवस्थित 3 कट्ठा 9 छटाक 9 वर्ग फीट जमीन पर चार तल्ला का मकान।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रवर्णन रैंज-I,

पी०-13 बोरंगी स्कायार्,

कलकत्ता।

दिनांक 11 नवम्बर 1974

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बलकत्ता

बलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० आर०/1627/मा०-426/कल-1/73-74
—यतः, मुझे, एम० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 55 है जो एजरा स्ट्रीट बलकत्ता में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय राजभूमि आफ एयमुनेन्स
5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ बलकत्ता से भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
28 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उमसे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्री नामि महाय मदनगोपाळ, (इन्जीनियर्स)
प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सोनादेवी छवक, एण्ड श्रीमती सुमीता देवी
छवक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एसद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यस्तक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55, एजरा स्ट्रीट, बार्ड फ्लोर का दो मंस जो लगभग
1047 वर्ग फीट का मंसवर में 948 वर्ग फीट और 99
वर्ग फीट होता है और जिसका प्रमट न० 55/3-सी, एजरा
स्थित है।

एम० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I,
बलकत्ता।

दिनांक : 8 नवम्बर 1974
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एसि०-61/आर०-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे भार० एल० बुटानी, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 2/3, 3, 5 और 6/1 बडवान रोड और 9, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंश है, जो आलिपुर, कलकत्ता-27 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्सस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक और अन्तरिती के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. केलविन जूट कम्पनी लिमिटेड, 3, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरक)

2. प्रकाश एस्टेट प्राईवेट लिमिटेड, 7, किरण शंकर राम रोड, कलकत्ता-1। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आलिपुर कलकत्ता में सम्पत्ति सं० 2/3, 3, 5 और 6/1, बडवान रोड और 9, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से बना हुआ, 18 कट्ठास, 5 चिट्ठास और 16 वर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन है।

भार० एल० बुटानी,

सश्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, प-13, औरंगी स्कोवायर, कलकत्ता-1।

तारीख : 26-10-74

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज-II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एसि० 64/आर-II/कलकत्ता-74-75—यत् मुझे, आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22/1ए है, जो मोहन चन्द्र रोड, पाना-वाटगंज, कलकत्ता-23 में स्थित है (और इससे उपाययुक्त अनुसूची में धोर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्टेज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत घिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी मन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री कमल कुमार घोष,
14, हेम चन्द्र स्ट्रीट,
त्रिविरेपुर कलकत्ता-23 (अन्तरक)
- 2 (1) श्रीमती लक्ष्मीराणी दाम, पति श्री विष्णुनाथ दाम,
2/1, पदगपुष्कुर स्कोयर, कलकत्ता-23
(2) श्रीमती प्रनीता दास, पति श्री बाबल चन्द्र दास,
20, हेमचन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-22। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वर्तमान सम्पत्ति सं० 22/1ए मोहन चन्द्र रोड, और पूर्व सम्पत्ति सं० 14, हेमचन्द्र स्ट्रीट का पूरब भाग, प्लॉट सं० 3, में 4 कट्टास, 13 चिट्टास, और 33 वर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन, जो पाना-वाटगंज कलकत्ता कलकत्ता 23 में स्थित है।

आर० एल० बुटानी, सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II पि० 13, चोरंगी स्कोयर कलकत्ता-1

तारीख : 26-10-74
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एमि-64/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे
आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और
जिसकी सं० 2/3, 3, 5, 6/1, बडवान रोड और 9
10, 11 ब्रालिपुर पार्क प्लेस के अंशों से है, जो ब्रालिपुर, कलकत्ता-
17 में स्थित है और इससे उपायुक्त इन्टरमीडियेट और पूर्ण रूप में
वर्णित है रजिस्ट्रार के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
एग्रेन्सिस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908-
1908 का 16 के अधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अन्तरक

केलविन जूट कम्पनी लिमिटेड,
3, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता-1

अन्तरिती

- (1) श्री केशव के० अग्रवाल,
- (2) श्री परमेश्वर के० अग्रवाल
- (3) श्री रस्मीरंजन अग्रवाल,
23-ए, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का
एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्रालिपुर, कलकत्ता-27 में 6 कट्ठास, 13 बिट्टास, 33 1/2
बर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन जो 2/3, 3, 5, 6/1, बडवान रोड,
और 9, 10, 11 ब्रालिपुर पार्क प्लेस के अंशों से बना है।

आर० एल० बुटानी, सक्षम प्राधिकारी
तारीख 26-10-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर अर्जन रेंज II, औरंगी स्कोयर, II कलकत्ता-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, फलकता

दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी आर० 1028/सि०-425/पब०-1/73-74—

यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2ए, 2बी, 2सी, और 2डी है, जो कमाक स्ट्रीट, फलकता में स्थित है और हरर टपाउट इन्टरमीडिएट रूप से वर्णित है रजिस्ट्रार की क्रियाशीलता के कारण बाफ एन्तरेन्स 5, गवर्नमेन्ट ऑफिस प्लॉट में भाग 2, रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन 28-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वसुले के दृष्टिकोण से प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रार के विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण से, ऐसे दृष्टिकोण से प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में पूरी करने या उससे धुनने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधोत्तः—

- (1) श्री/ससाकं सेखरा बोस
2सी, डोमार लेन बालीगन्ज फलकता (अन्तरक)
- (2) मेसासं मदक उद्योग,
2, कमाक स्ट्रीट, फलकता। (अन्तरिती)

2. कमाक स्ट्रीट

- (1) सि० एल० मदक
- (2) मि० डि० एम० अरोरा
- (3) मि० ललित कुमार सईन

2ए, कमाक स्ट्रीट

- (1) मिसेस रायचिस रायटनि
- (2) मिसेज आई० उलसन
- (3) मि० के० एल० सरफ
- (4) मि० डाक्टर भयकडोनाम्
- (5) मि० सि० मारे
- (6) मि० एस लाल

2सी, कमाक स्ट्रीट

- (1) भारत का बड़ाको स्वर्थ सोसाइटी
- (2) मि० प्रान संमी
- (3) मि० चम्पालाल सईन

2सी कमाक स्ट्रीट

- (1) इन्डियन इनसायुर्ड आफ जमिनिव्रजम,
- (2) मि० डेविड हासलाम
- (3) मि० मारकाट
- (4) मि० डि० एम० कनटेन

2 डी, कमाक स्ट्रीट

मि० आई एस० अब्राहम

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2, 2ए, 2बी, 2सी एण्ड 2डी कमाक स्ट्रीट, से अवस्थित 2 बिघा 2 छटा 8 छटाक 28 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक दो तल्ला ए और मासिक तिन तल्ला का इंत का मकान।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख 8-11-74

मोहर :

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I पि-13, चोरगी स्केयर

फलकता-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० एसि०-62/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः,
मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2/3, 3, 5, 6/1, बडवान रोड़ और 9, 10,
11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से है जो आलिपुर, कलकत्ता-27
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अ.भिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. केल्विन जूट कम्पनी लिमिटेड, 3. नेताजी सुभास रोड़, कलकत्ता-1 ।

(अन्तरक)

2. रेशमी प्रोपर्टीस एण्ड इन्वेस्टमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड ।

पि-545, लोक रोड़, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आलिपुर, कलकत्ता-27 में 10 कट्टास, 12 चिट्टास और 3 बर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन जो 2/3, 3, 5, 6/1 बडवान रोड़ और 7, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से बना है ।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, पि-13, चोरंगी स्कोवायर

कलकत्ता-1

तारीख : 26-10-1974

मोहर :

प्रकरण आई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता का दायरालय

दिनांक 26 अक्टूबर, 1974

निर्देश सं० एसि०-58/आर०-II/बलवत्ता/74-75—दत्तः, मुझे आर० एल० बुटानी आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का 43 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2/3, 3, 5, 6/1, बडवान रोड और 9, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से है, जो आलिपुर, कलकत्ता-27 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुरूप में और पूर्ण रूप से धणित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित ऋण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. केल्विन जूट कम्पनी लिमिटेड, 3, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1।

(अन्तरक)

2. श्री विश्वानाथ सराऊजी, 10/3, आलिपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आलिपुर कलकत्ता में 8 कट्टास, 14 निट्टाक्स और 41 बर्ग फीट क्षेत्रफल का जमीन जो 2/3, 3, 5, 6/1 बडवान रोड और 9, 10, 11 आलिपुर पार्क प्लेस के अंशों से बना है।

आर० एल० बुटानी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II वि० 13, चोरंगी स्कोवायर, कलकत्ता-1

तारीख : 26-10-74

मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, कलकत्ता

दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1663/सि०-452/कल०-I/73-74-

यत, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 एल० 9/1/ए, है, जो आरमोनियान स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है और इसे उमाबद्ध भूखुचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार आफ एग्युरेन्स 5 गर्वर्नमेंट प्रेस-नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-(1908 का 16) के अधीन 26-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दूर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कनकमल दुगाट

(2) मिताप चांद दुगाट

(3) भारतमल दुगाट

(4) दीनेस कुमार दुगाट, 8. आरमोनियान स्ट्रीट।

(अन्तरक)

2. (1) सावरमल दुगाट।

(2) रवि प्रकाश दुगाट (माईनर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही कराया जा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति लक्ष्य, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

9 और 9/1/ए, आरमोनियान स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित 7 कट्टा 5 छटाक 31 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक तिन और आंशिक चार तल्लाका मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 11-11-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

अर्जन रेंज पि-13, चोरंगी स्क्वायर कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन ई०-3/482/74-75—अतः मुझे श्री आर० जी० नेरकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 183, सर्वे सं० 161 (अंश) है, जो पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स लक्ष्मी अँसबेराँस प्रोडक्ट्स लिमिटेड, श्री निवास हाउस, वाँडबाँय रोड, फोर्ट बम्बई-1। (अन्तरक)

2. रंगनाथ सोमानी, 158/164, कालवादेवी रोड, बम्बई-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए तद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शान्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस आधार पर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 183, गांव पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरेखली, रजिस्ट्रेशन उप जिला बम्बई, उपनगर अभी बृहत्तर, बम्बई में स्थित और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (अंश) और माप में 780 वर्ग गज समकक्ष 652.17 वर्गमीटर है और इस प्रकार विरा है अर्थात् :—

पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा।

पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 188 द्वारा।

उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 184 द्वारा और

दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 182 द्वारा।

आर० जी० नेरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई।

तारीख : 1-1-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I कलकत्ता
का कार्यालय

दिनांक 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1689/सि-462/कल-I/73-74—यत्
मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो ड० ईसाक रोड़ (पहले कोड़ स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुगृहीत में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के कार्यालय राजपुर ऑफ रजिस्ट्रार आफ एंजुरेन्स, 5 गवर्नमेन्ट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-1908 का 16 के अधीन 5-3-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पशुपति लाल सील

53/सी, बनबिहारी बोस रोड़, हाउरा

(अन्तरक)

श्री अनिल कुमार साकसेना

1 एंड 2 जयकसन लेन कलकत्ता ।

1. श्री बालुराम रत्नाक

2. श्री आर० के० प्रोभासनी

3. श्री बि० पि० साकसेना

4. डा० एन० घोष

5. श्री सि० एफ० लक्षो

6. श्री सि० एफ० एलिस

7. श्री थोम प्रकाश रामचंद्र साबनानी

8. श्री जितेन्द्र नाथ मुखार्जि

9. श्री बि० आर० पंगसर

10. श्री महित रंजन लाहिरी

(अन्तरिती)

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का अध्याय 20-क) में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

13 ड० ईसाक रोड़ (पहले कोड़ स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित 8 कट्टा 2 छटाक 42 वर्ग फिट पर अभिभाजित प्रासिक दो और प्रासिक तिन तल्ला मकान का 1/12 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 11-11-74

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज I पि-13, चोरंगी स्कोयार, कलकत्ता ।

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

अन्तरक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II

कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एसि-69/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः मुझे एल० के० बाला सुश्रामानियम सक्षम प्राधिकारी, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 100/डि है, जो ब्लाक-एफ, न्यू ग्रालिपुर कलकत्ता-53 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकांश के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, गालीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1964

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाता था लिए या, ठिकाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बिश्वनाथ राय

(2) श्री भोलानाथ राय

97/एम, ब्लाक ई, न्यू ग्रालिपुर

कलकत्ता-53।

अन्तरिती

श्री अजिन्दर सिंह बाला,

100/डी. ब्लाक एफ, न्यू ग्रालिपुर, कलकत्ता-53।

यह व्यक्ति/जमके अधिभोग में सम्पत्ति है

(1) श्री मुनिन्दर सिंह बाला

(2) श्रीमती रजिन्दर कौर

(3) श्रीमती कुलशन्कर कौर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही करना हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आधेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 100/डि, ब्लाक-एफ, न्यू ग्रालिपुर कलकत्ता-53 का आधा हिस्सा, जिस पर एक मकान है।

एल० के० बाला सुश्रामानियम, सक्षम प्राधिकारी
तारीख 12-11-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर. अर्जन रेंज II वि-13, औरंगी स्कोयर,

कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

अन्तरक ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० 70/आर०-II/कलकत्ता/74-75—यस
सू० एस० के० बाला सुब्रह्मानियन आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 100/डि० है, जो प्लाक-एफ०, न्यू आलिपुर,
कलकत्ता-53 में स्थित है और इससे लगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार,
आलिपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 19-3-1974
को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दायमान स्तर में रजिस्ट्रीकरण के अनुसार
अन्तरित की गई है और सू० यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वगत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शंकर नाथ राय

(2) श्री अमर नाथ राय

97/एस०, प्लाक ई, न्यू आलिपुर कलकत्ता-53।

अन्तरिती ।

(1) श्रीमती रजिन्दर कौर,

(2) श्रीमती कूलशन्तर कौर,

100/डि०, प्लाक-एफ, न्यू आलिपुर, कलकत्ता-53।

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(1) श्री रजिन्दर सिंह बाला

(2) श्री सुपिन्दर सिंह बाला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय बुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 100/डि०, प्लाक एफ०, न्यू आलिपुर, कलकत्ता-
53 का आधा हिस्सा, जिसपर एक मकान है।

एस० के० बाला सुब्रह्मानियन

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

पि०-13 चौरंगी स्कोपर कलकत्ता-53

दिनांक 12-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1691/सि०-460/कलकत्ता-1/73-74—यतः मशे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और और जिसकी सं० 13 है, जो ड० ईसाक रोड- (पहले कीड, स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयमुरन्स में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमे बचने के लिए सुकर बनाता; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही को शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री पणब लाल सील

53/सी, बनविहारी बस रोड हाउरा

(अन्तरक)

श्री अनिल कुमार सकसेना

1व 2 जयकसन लेन, कलकत्ता

(अन्तरिती)

12—366GI/74

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

- 1 श्री बासुगम राजा
- 2 श्री आर० के० प्रोभालनी
- 3 श्री वि० पी० सासेना
- 4 डा० एन० मि०
- 5 श्री मि० एफ० लम्बा
- 6 श्री मि० एफ० गलिस
- 7 श्री प्रोमप्रकाम रामचंद्र, साबनाबी
- 8 श्री जितेन्द्र नाथ मुखर्जी
- 9 श्री बि० आर० परासर
- 10 महित रत्नन लाहिरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 ड० ईसाक रोड (पहले कीड, स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित 8 कट्टा 2 छटाक 42 स्क्वायर फिट जमीन पर अविभाजित दो और प्राणिक तीन तल्ला भकान का 1/12 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

पि०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1688/सि०-363/कलकत्ता-I/73-74
यतः, मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961, का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो ई०: ईमाक रोड (पहले कोड स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एग्सुरेन्स, 5, गवर्नमेंट प्लेस नाथ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पूर्ण लाल सील
53/सी०, बणबिहारी बोम रोड हावड़ा
(अन्तरक)
2. आहरी अनिल कुमार सक्सेना
1 राड जयधन लेन, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

1. श्री बालराम राजाक
2. श्री आर० के० शोमालनी
3. श्री बी० पी० सक्सेना
4. श्री डी० एन० सिन्हा
5. श्री सी० एफ० लबो
6. श्री सी० एफ० एलिस
7. श्री श्रीमप्रकाश रामचंद्र सुबनानी
8. श्री जितेन्द्र नाथ मुखार्जि
9. श्री बि० आर० परामर
10. श्री महिन रज्जन लाहुरी

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 नः डः ईमाक रोड (पहले कोड स्ट्रीट था) में स्थित 8 कट्टा 2 छटांक 42 वर्ग फिट जमीन पर अविभाजित दो और आसिक तीन तल्ला का मकान का 1/12 हिस्सा

सी० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

पी०-13, चौरंगी स्क्वायर

कलकत्ता।

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1670/मि० 478/कल०-I/74-75—
यतः, मुझे, एम०के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 40 है, जो श्री अरविन्द सरणी कलकत्ता में स्थित है और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार ऑफ एन्मुवेन्स, गवर्नमेंट प्लेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [1922 का (1)] या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री कुमुद बिहारी बासु

734, पूर्णदास रोड़ कलकत्ता।

(अन्तरक)

गृष्ण रमण नाग

2/1, बेनिपातोला स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40, श्री अरविन्द सरणी कलकत्ता में स्थित 5 कट्टा 13 छटाक जमीन पर अविभाजित भूकान का 1/4 हिस्सा।

एम० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

पि०-13, चौरंगी स्कावायर, कलकत्ता।

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निवेश सं० IX /2/84/73-74—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फेर० व्यु० कोडिकानल है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 मार्च 1974) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लूयिस एफ० नोल पवर आफ अटार्नी एजन्ट, फि
अमेरिकन बापटिस्ट फारिन मिशन सोसैटि, मद्रास-7
(अन्तरक)

(2) अडको इडिया लिमिटेड, मनपाक्कम, मद्रास
(अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोडिकानल, मुरेट्टा लेन में भूमि और मकान (फेरवु)—भूमि 75 सेन्ट्स और मकान-2444 स्क्वायर फीट।

के० बी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 12-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि० आर० 1683/मि०-468/कलकत्ता-2/73-

74—यतः, मुझे एस० कं० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11 एण्ड 13 है, जो ओयेण्टन स्ट्रीट, और 5/1 एण्ड 5/2 ग्रांड लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्टेट्स, 5 गवर्नमेंट प्रेम, तार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स लिपटन (इन्डिया) लिमिटेड,

9, ओष्टन स्ट्रीट कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति लीला देवी कानोरिया

10 मुक्ताराम कानोरिया रोड हावड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5/1 एण्ड 5/2 ग्रांड लेन, कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्टा 8 ढाँक जमीन जो प्रिमिसेस न० 11 और 13 का अंश है ।

एस० कं० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-I

मि०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 65/74-75/एच० ए० सी० ब्यू०—यन. मुझे
आर० पार्थसारथी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रंज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० आर० एम० नं० 58/3B है, जो उणकल गाव,
तालुक : हुबली और जिला धारवाड़ में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हुबली डॉक्यूमेंट नं० 4151 के
अन्तर्गत 30-3-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निर्माणावधि उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवप्रिय एस० किर्बी, केशवापुर, हुबली, निम्नलिखित
लोगों के जी० पी० ए० होल्डर की हैसियत से।

(i) श्री विन्सेट डी० किर्बी, कोनालपुर, मलेशिया।

(ii) श्रीमती लीला डी० किर्बी, वरंगल (आन्ध्र प्रदेश)

(iii) श्रीमती विमला डी० किर्बी, केशवापुर, हुबली।

(अन्तरक)

2. (1) यैसर्ग परसेल बिमिनेम् एंटरप्राइसि, मनेजिंग पार्टनर
श्री सिद्धप्पा शेखरप्पा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती कालोनी,
विद्यानगर, हुबली-21 के जरिए, और

(2) श्री सिद्धप्पा शेखरप्पा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती
कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(3) श्री बाबू वसप्पा बेल्लिकट्टी, बेल्लिकट्टी मेडिकल स्टोर्स,
मेनरोड, सौंदत्ती।

(4) डा० मल्लिकार्जुन शिवरुद्रप्पा गरनवर, मेडिकल
आफीसर, केरूर, तालुक : बादामी, जिला बीजापुर।

(5) श्रीमती विमलाबायी, श्री ब्रमवप्पोप्पा नूली की पत्नी,
केयर आफ डा० एम० एस० गूरनवर, मेडिकल आफीसर, केरूर,
तालुक : बादामी, जिला : बीजापुर।

(6) श्री मुरुगेण शेखरप्पा यावगल, 13, चंद्रशेखर, शांती
कालोनी, विद्यानगर, हुबली-21।

(7) श्रीमती जयश्री, श्री वीरभद्रप्पा होंबल की पत्नी,
बीरापुर प्रांजनेय देवस्थान रोड, हुबली-20। (अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कर्नाटक राज्य, धारवाड़ जिला, हुबली तालुक के उणकल
गाव में आर० एस० नं० 58/3 बी में, जो आर० एस० नं०
58/4ए, 48/4 बी और 58/4 सी के पास है, 40 गुंठा विस्तीर्ण
का बिन्नु शेन्की जमीन।

आर० पार्थसारथी,

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हुबली

तारीख : 2-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०-141/आर० IV/कल०-74-75 —
यतः, मुझे, एस० भट्टाचार्या, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० 166 है, जो पि० ए० शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बेहाना में मालिपुर के संयुक्त सब रजि-
स्ट्रार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 13 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिणियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-गके अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. गोविन्दलाल बन्गुर, 65 शर हरिराम गोयंका स्ट्रीट,
कलकत्ता (अन्तरक)

2. बन्गुर रैन्ड डेवेलपमेंट कारपोरेशन लि० 5 देश प्राण
शासमल रोड, कलकत्ता-33. (अन्तरिणी)

को यह सूचना चांगी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति जाक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खतियान सं० 562, 578, सि० एम० बाग सं० 273 के अंश
मौजा-आरकपुर, परिमाण-6 कट्ठा 1 छटाक।

एस० भट्टाचार्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, 54 रफि अहमद क़िदवाई
रोड कलकत्ता-16.

तारीख . 11 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई का कार्यालय

दिनांक 1 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० अर्जन ई-3/476/74-75—यतः, मुझे श्री आर० जी० नेरुरकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 182 और सर्वे सं० 161 (अंश) है, जो स्थावर पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंसूर लक्ष्मी असबेसम्रांस प्राइवेट्स लिमिटेड
श्रीनिवास हाउस, बौद्धबाय, रोड फोर्ट, बम्बई-1
(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार सोमानी,
158/164, कालवादेवी रोड, बम्बई-2 (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 182 गांव पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन उप जिला बम्बई, उपनगर अग्नी बृहत्तर बम्बई में स्थित है और मौजूद है और जिसका सर्वेक्षण नं० 161 (अंश) और माप में 1280 वर्गगज समकक्ष 1070.5 वर्गमीटर है और इस प्रकार घिरा है, अर्थात् :—

पश्चिम की ओर से 60 फिट चौड़े मार्ग द्वारा।

पूर्व की ओर से 30 फिट चौड़े मार्ग द्वारा

उत्तर की ओर से अंश से प्लॉट सं० 188 और अंश से प्लॉट सं० 183 द्वारा।

दक्षिण की ओर से प्लॉट सं० 181 द्वारा।

आर० जी० नेरुरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीखी : 1-11-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०/135/भार० IV, कल०/74-75:—

यतः, मुझे एस० भट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 6-बि०, लाला लाजपतराय सरणी है, जो कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ असियो-रेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन 29 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—366GI/74

1. श्रीमती प्रतिमा बनर्जी, 6-ए०, लाला लाजपतराय सरणी कलकत्ता। (अन्तरक)

2. शंकरी बनर्जी, 25, कालि बनर्जी लेन, हावरा-1. (अन्तरित)

3. अन्नमल राम मुलचन्व बोसी, और अन्य। (यह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिनारेखित 1/4 हिस्सा, तिन मंजीला भकान के साथ लगभग 5 कट्ठा 10 छटाक जमीन के, जो के 6-बि०, लाला लाजपतराय सरणी, कलकत्ता के उत्तर-पश्चिमी भाग है, जैसे के अन्तरण लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० भट्टाचार्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज IV, 54 एफि ग्रहमव किंववाई

रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 5 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जेंट रेंज I, कलकत्ता का कार्यालय
 कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० आर०/1638/सी०-408/कल-1/73-74
 —यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 एण्ड 11/1 है जो डाकिस लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्सेज, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और या;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 मैसर्स बी० एन० इलियास एण्ड को० प्राइवेट लि०,
 1, ब 2 ओल्ड कोर्ट हाउस कोरनर, कलकत्ता। (अन्तरक)
 2 मैसर्स अरुण इन्जीनियरिंग उद्योग प्राइवेट लि०, 23,
 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)

9, डाकिस लेन

- 3 (1) मिसेज सी० श्रीरामुली (प्रसाद),
 (2) मि० डी० एस० दनियान,
 (3) मंगजीन डिस्ट्रीब्यूटरस,
 (4) मि० अनिल भट्टाचार्यजी,
 (5) मि० एम० एस० नारायण
 (6) श्री प्रकाश चन्द्र सैथिया,
 (7) मि० गिरिबाला दास
 (8) एच० डी० खामबाट्टा
 (9) आर० पी० गोगिया

- (10) आर० एन० जयकाब
 (11) मीरा देवी सैथिया
 (12) महावीर चांद सैथिया
 (13) के० ई० भिथिनयन
 (14) के० पी० तिब्रेसाल
 (15) एच० बी० दोसी
 (16) एम० ए० भरतविक,
 (17) यू० सी० देव।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

11/1, डाकिस लेन

- 4 (1) यूनाईटेड इलेक्ट्रिक एण्ड इन्जीनियरिंग को०
 (2) गुलाम-रसूल, (3) डी० एम० डानियान
 (4) अनिल भट्टाचार्यजी
 (5) जेम्स इन्जीनियर को०।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 एण्ड 11/1, डाकिस लेन, कलकत्ता में अब स्थित 18 कट्टा 13 छटांक 5 वर्ग फीट, जमीन पर तीन ईंट का मकान जिसमें एक मकान में गोदाम-घर और एक आफिस है।

एस० के० चक्रवर्ती
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जेंट रेंज I,
 पी०-13, बौरंगी स्कायर, कलकत्ता।

दिनांक 8 नवम्बर 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अजन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निदेश सं० एस० आर०/जबलपुर/23-3-74—यतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० म० नं० 565/1, 566 जबलपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में
भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 23-3-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-
लिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सज्जना बाई पत्ति सेठ चम्पालाल ओसवाल
निवास सराका, जबलपुर। (अन्तरक)

2. श्री चम्प्रकान्त भाई पटेल पुत्र श्री काली दास पटेल
अम्बिका ट्रेडिंग कम्पनी कटरा बगर सागर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिनिसपल म० नं० 565/1 व 566 स्थित उपरेनगंज,
जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजन रज, भोपाल।

दिनांक 7 नवम्बर 1974।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1974

निर्देश सं० XVI/1(11)/2 ए०/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बी० वार्ड, ब्लॉक सं० 29, मखनेरि सेलम है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पी० राजरत्नम अम्माल गांदि रोड, श्रीरंगपालयम सेलम-4 (अन्तरक)

(2) डाक्टर एम० हनीफा फेर लान्डस गारडन रोड, अलग-पुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम मखनेरि, बी० वार्ड, ब्लॉक से 29 में भूमि और मकान (10000 स्क्वायर फीट)।

के बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 14-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/29-3-74—यतः, मझे,
एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० म० फैंक्ट्री वगैरा प्लॉट नं० 61 पर इन्दौर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में
भारतीय रजिस्ट्रिकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 29-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल,
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स एवरेस्ट सीमेंट जाली और कानक्रेट वनस
60, इन्डस्ट्रीयल स्टेट, पोलो ग्राउन्ड, इन्दौर द्वारा श्रीमती
कमलेश कुमारी गोयल । (अन्तरक)

2. मैसर्स साइन प्रो इन्डस्ट्रीज, 50, 51, 60, इन्डस्ट्रीयल
स्टेट, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जल संयोग फैंक्ट्री बिल्डिंग सेड वाटर टैंक्स वगैरा
व निरमित प्लॉट नं० 61 इन्डस्ट्रीयल स्टेट पोलो ग्राउन्ड,
इन्दौर ।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक : 7 नवम्बर 1974 ।

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० आर० 1692/सी०-474/काल-1/73-74--
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 13 है, जो डा० इशहाक रोड (पूर्ववर्ती किड स्ट्रीट
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
एग्जोरेन्स 5, गर्वन्मेन्ट प्लेस नोर्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री शंकरलाल सील

53 बम बिहारी रोड, हावड़ा

अन्तरक।

श्री अनिल कुमार सक्सेना

1 तथा 2 जैक्सन लेन कलकत्ता।

अन्तरिती।

वह व्यक्ति/जिसके अधीनभोग में सम्पत्ति है।

1. श्री बालराम रजक
2. श्री आर० के० श्रीवल्लभानी
3. श्री बी० पी० सक्सेना
4. डा० एन० सिंह
5. श्री सी० एफ० लोबो
6. श्री एफ० एलिस
7. श्री श्रीमप्रकाश राम चन्द सुबनानी
8. श्री जितेन्द्रनाथ मुखर्जी
9. श्री बी० आर० पाराशर
10. श्री मोहितरञ्जन लाहिरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति आंशिक तीन मन्जिल तथा आंशिक दो मन्जिल
मकान, जो 13, डा० इशहाक रोड (पूर्ववर्ती किड स्ट्रीट) कलकत्ता
में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 8कट्टा 26 छटाक-42 वर्ग फीट है,
का अवभाजित 1/3 भाग/अंश।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पी०-13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I मद्रास

दिनांक 14 नवम्बर 1974

निर्देश सं० XVI/1/(11)/2बी०/74-75—यतः, मुझे
क० बी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी० वार्ड० ब्लॉक सं० 29, मरवनेरि, सेलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16
मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० राजरत्नम अम्माल, गांदि रोड,
श्रीरंगपालयम, सेलम-4 (अन्तरक)

(2) श्रीमती जुलेका भानु, फेरु नान्डस, सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम, मरवनेरि बी० वार्ड, ब्लॉक सं० 29 में भूमि और
मकान (14,271 स्क्वियर फीट) :

क० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I,

तारीख : 14-11-1974
मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी०-68 आर०-II/कल/74-75--यत
मुझे, एल० के० बाल सुब्रमनियम
आयकर अधिनियम 1961(1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी
स० 25, है जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (और
इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 26-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43).
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण प्रसाद पदार्, ए/6/25, बसन्त बिहार ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रेज कों० प्राईवेट लिमिटेड 10, नेताजी सुभाष
रोड, कलकत्ता-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,
तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि
स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए
गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और
स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति
को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती
को दी जाएगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 29-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लट "ए" विहित 17 काहास 6 छिटाकस और 15 स्कोयर
फुट क्षेत्रफल जमीन के साथ मकान और स्ट्रक्चरें, जो 25,
राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता का अंश है ।

एल० के० बालसुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख:—11-11-74

मोहर:—

प्ररूप आई-टी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक 11 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० आर० 1693/सी०-459/कल०-1/73-74—

यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो डा० इशाक से (पूर्ववर्ती किड स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एशोरेन्सेस 5 गर्बन्मेन्ट प्लेस नोर्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण से मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

श्री जदुलाल सील 9

53 ए, बनविहारी बोस रोड, हाउडा

14—366QI/74

(अन्तरिती)

श्री अनिल कुमार सक्सेना

1 तथा 2 जैकशन लेन, कलकत्ता

(वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

1. श्री बालुराम रजक
2. श्री आर० के० ओवलानी
3. श्री बी० पी० सक्सेना
4. डा० एन० सिंह
5. श्री सी० एफ० लोबो
6. श्री सी० एफ० एलिस
7. श्री ओमप्रकाश राम चन्द मुबनानी
8. श्री जितेन्द्र नाथ मुखर्जी
9. श्री बी० आर० प्रसार
10. श्री मोहित रंजन लैहरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उबर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों के सुनवाई समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति आंशिक तीन मंजिल तथा आंशिक दो मंजिल मकान जो 13, डा० इशाक रोड (पूर्ववर्ती किडस्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 8 कठ्ठा 2 छटाक 42 वर्ग फीट है, का अधिवाजित 1/3 भाग/अण।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

पी०-13, चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता-1

तारीख : 11-11-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1974

सं० आर० ए० सी० 33/74-75—यस: मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-702/35, नल्लाकुंटा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और रूप इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० वृन्ध्या मार्फत बसवेष्वरा कोल डीपो नल्लाकुंटा; हैदराबाद। (अन्तरक)

2. पुष्पाप, चित्राकम्बगिरी सुपुल पी० के० रामय्या, कन्दावटर जम्मलमडग, कडप्पा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—सं० 1-8-702/35 का भाग जो नल्लाकुंटा, हैदराबाद में स्थित है।

एस० बाल सुब्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:—17-10-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ-(1)
के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, I कलकत्ता

कलकत्ता, 11 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टी० आर० 1690/सि461/कल०-I/73-74

—यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 है, जो डा० ईसाफ-रोड (पहले कोड स्ट्रीट कलकत्ता) में स्थित

है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ एयसुरेंस 5, गवर्नमेंट प्रेंस नया कलकत्ता में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर, बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(अन्तरक)

1. श्री प्रमय लाल सोल

53 सि बन बिहारी बोस रोड हावड़ा ।

अन्तरिनी

श्री अनिल कुमार साकसेना

1 और 2 जयकसन लेन, कलकत्ता ।

वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

- (1) श्री बाबू राम राजाक
- (2) श्री आर० के० अमालीनी
- (3) श्री बि० पि० साकसेना
- (4) डा० एन० सिंह
- (5) श्री सि० एफ० लबो
- (6) श्री सि० एफ० एलिस
- (7) श्री ओमप्रकाश रामचंद माबनानी
- (8) श्री जितेन्द्र नाथ मुसजि
- (9) श्री वि० आर० परासर
- (10) श्री महित रज्जन महिरी

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है ।

अनुसूची

13, डा० इसाक रोड (पहले कोड स्ट्रीट था) कलकत्ता में स्थित 8 कट्टा 2 छटाक 42 वर्ग फिट जमीन पर अविभाजित आसिक दो और आसिक तिन तरुला मकान का 1/12 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, 1 P-13, चोरंगी स्कैयर, कलकत्ता

तारीख : 11-11-74

मोहर :

प्राहूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 21 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अ० ई० 2/20/1014/2247/74-75—
अतः, मुझे, श्री० आर० गुप्ते सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सीटि सं० न० 1/267 (अंश) है, जो प्लॉट न० 59-अ/2 टी० पी० एस० न० 3 जां सान्ताक्रूझ (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय बम्बई में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. सर्वश्री रजमान अली जिवाभाई बाराडिया, सद्गुहिन जिवाभाई बाराडिया कूसुगुहिन जिवाभाई बाराडिया, बरकतअली बाराडिया । (अन्तरिक)
2. सर्वश्री कानजी रावजी पटेल और करसन रावजी पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अमीन का वह तमाम टुकड़ा और साथ में वहाँ पर बनी इमारत जो सान्ताक्रूझ (पूर्व) बम्बई, बम्बई उपनगर जिला और रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा अर्भी रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई और बम्बई उपनगर के भाग में जान, म स्थिर और मजबूत है भाग में 2261 वर्ग गज समवक्ष 1890 सवर्गमीटर या आसपास है और भू-राजस्व की सग्रहक की पुरतक में सर्वे न० 1/267 (अंश) प्लॉट न० 59-अ/2, टी० पी० एस० न० 3, सान्ताक्रूझ और म्यूनिसिपलटी गावों एवं करों क असेसर एव कलेक्टर की पुरतक में एच वाई न० 6759 (3) रट्टीट न० 59/ए० टी० पी० एस० न० 3, 4 था रास्ता, सान्ताक्रूझ (पूर्व) के अन्तर्गत पूजीकृत है और इस प्रकार घिरा हुआ है, अर्थात् उत्तर की ओर से सिटी सर्वे न० 364 द्वारा दक्षिण की ओर से दक्षिण मार्ग द्वारा, पूर्व की ओर से सर्वे न० 263, 269, 268 और 270 द्वारा और पश्चिम की ओर से स्टेट बैंक आफ इंडिया क्वाटर्स एच० वाई न० 6759 (3) द्वारा दिनांक 27 अक्टूबर 1972 के विश्वी प्रमाणपत्र में उपरोक्त जायदाद फाइनल प्लॉट न० 59-ए०/2 टी० पी० एस० 3 निर्धारित है ।

बी० आर० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 21 अक्टूबर 1974

अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1974

सं० आर० ए० सी०-35/74-75—यतः मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2-4-1115 और 1115/1 काचीगूडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. फैज मोहम्मद खान मुपुत्र स्व० नवाब डाक्टर फैजजंग/सरकारी पेंशनदार नारायण गूडा हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मैसर्स हाय-फेड, फौन्डेशन तिलक रोड, हैदराबाद (अन्तरिनी)

3. (1) निचली मजिल में प्रिमीपल जैसूर्या होमोपाथिक कालेज काचीगूडा हैदराबाद।

(2) पहली मंजिल में हमाम एण्ड सन्स प्राईवेट लिमिटेड काचीगूडा, हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुझे जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:— सं० 2-4-1115 और 1115/1 काचीगूडा रेलवे स्टेशन हैदराबाद जिसे फैजम्यानशन जिसका चौहद्दी

उत्तर:—बिरादरी मकान

दक्षिण:—दक्षिण मध्य रेलवे का खुला जमीन

पूर्व:—बिरादरी मकान।

पश्चिम:—सिमेट का सार्वजनिक रोड।

एस० बाल सुब्रमण्यम,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख:—19-10-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:—

अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 19 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/बी०टी०2/पी०/-1360/74-75

—यतः मुझ पी०एम० मलिक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैमा किं रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5791 मार्च 1974 है, जो श्री हर गोविन्द पुर रोड बटाला में स्थित है (और इसमें उपवर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मत्विन्द्र पाल सिंह नाबालग सुपुत्र श्री साहन सिंह सुपुत्र अमरीक सिंह वासी बटाला मार्फत सोहन सिंह पिता (गार्डीयन) (अन्तरक)

(2) श्री देव राज मरवाहा सुपुत्र ला० रलीया राम मरवाहा वासी बटाला मांढल्ला पुर्गिया बटाला (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(3) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में

रुचि रखना हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5791 मार्च 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला।

पी०एम० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज अमृतसर।

तारीख:

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) Shri Mutayla Ramarao, Kakinda

(Transferee)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ACQUISITION RANGE, KAKINDA

Kakinda, the 1st November 1974

No. Acq. File No. 127/E.g.—Whereas, I. K. Subbarao आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका No. 11-5-5 situated at Ramaraopeta, Kakinda में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध धनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinda में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Bikkina Visweswararao, Kakinda.

(Transferor)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के अन्तर् में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

THE SCHEDULE

East Godavari District—Kakinada Registration—Kakinada Municipality—Kakinada town—Door No. 11-5-5—Gopalakrishna Street—Ramaraopeta—Kakinada—1746 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East : Sites of G. Sundaramma and partly Samineni Rangarao 28-2-9 Sq. Yds.

West : Road 29-1-0 Sq. Yds.

North : Site of Sri K. Krishnamurthy 56-1-10 Sq. Yds.

South : Site of K. Veerrao 56-1-10 Sq. Yds.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

Acquisition Range, Kakinda

Seal :

Date : 1-11-1974.

प्रा.प.आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1974

सं० आर० ए० सी० 34/74-75—यत, मुझे, एस० बाल
मुन्नमण्यम्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1-8-702/35 नल्लाकुंटा है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 15-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जे० वुच्चय्या C/o बसवेश्वरय्या कोल डीपो
नल्लाकुंटा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री पुन्नपा पेटापम्बगिरी सपुत्र के० पी० रामय्या
कन्ट्राक्टर, जम्मलमडुग, कडप्पा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—सं० 1-8-702/35, का भाग, नल्लाकुंटा,
हैदराबाद में स्थित है।

एस० बालमुन्नामण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 17-10-74

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 8th November 1974

Shri N. B. Sen Gupta, Assistant Registrar, Supreme Court of India having expired on the 5th November 1974, his services in the Registry came to an end with effect from the afternoon of the 5th November, 1974.

(ADMN. BRANCH I)

The 11th November 1974

No. F.6/74-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri H. S. Munjal, Court Master, Supreme Court of India to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of the 11th November, 1974, until further orders.

T. K. MAHADEVA RAO
Deputy Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st October 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri R. R. Shimray, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated 16-9-1974, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 4th October, 1974.

2. On his reversion, Shri P. R. Shimray resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 4th October, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri B. R. Verma, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this Office Notification No. 32013/1/74-Admn.I dated 26-8-1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 16th September, 1974.

2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 16th September, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated the 26th August, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 19th September, 1974.

2. On his reversion, Shri R. P. Satkartaria resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 19th September, 1974.

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri C. R. Anand, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission *vide* this office Notification No. 32013/1/74-Admn.I dated 16-9-1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30th September, 1974.

2. On his reversion, Shri C. R. Anand resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30th September, 1974.

15—366GI/74

The 4th November 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—Shri B. N. Addy, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. A.32013/1/74-Admn.I dated 31st August, 1974, relinquished charge of the office of the Under Secretary Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 2nd October 1974.

2. On his reversion, Shri B. N. Addy, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 2nd October, 1974.

M. R. BHAGWAT
Under Secy.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 19th October 1974

No. A-11/55/74.—Shri O. N. Raina, Inspector of Central Excise is hereby appointed as Enforcement Officer in Srinagar Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 10-10-74 (F.N.) and until further orders.

S. B. JAIN, Special Director

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

MUSSOORI, the 11th November 1974

No. 81-ESP.—Shri J. P. Gupta, officiating Librarian Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, has been confirmed as Librarian with effect from 28-12-1973.

R. C. TRIPATHI
Deputy Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th November 1974

No. 2/4/74-Admn.—Shri R. Ramachandran, Assistant, who was appointed to officiate as Section Officer w.e.f. 23-9-74 *vide* the Central Vigilance Commission's Notification No. 2/4/74-Admn. dated the 27th September 1974, reverted as Assistant with effect from the afternoon of 8th November, 1974.

B. V. DIGHE
Under Secy. (Admn.).
for Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 7th November 1974

No. O II-969/74-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. Dava Hanumanthaiah as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 27th September, 1974.

2. Dr. Dava Hanumanthaiah is posted to 13th Bn. C.R.P. Force.

The 21st November 1974

No. F-2/42/74-Estt.—Consequent on his selection as Assistant Director in Cabinet Secretariat on deputation Shri R. Ohri relinquished charge of the post of Commandant GC, C.R.P.F. New Delhi on the forenoon of 1st November, 1974.

The 22nd November 1974

No. F-3/13/74-Estt(CRPF).—Consequent on acceptance of his resignation Shri P. S. Ahluwalia relinquished charge of the post of Assistant Commandant, Group Centre, C.R.P. Force, Jharoda Kalan, New Delhi on the forenoon of 9th September, 1974.

S. N. MATHUR
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th November 1974

No. E-16016/7/73-Ad.I.—On completion of the two years terms of his deputation as Section Officer, in the Central Industrial Security Force, Shri R. S. Sahni relinquished the charge of his post with effect from the forenoon of 28th October, 1974 and repatriated to his parent office i.e. Ministry of Home Affairs with effect from the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bhubaneswar, the 20th July 1974

No. O.O.C. 324.—The Accountant General, Orissa has been pleased to grant proforma promotion (officiating) to the following permanent Section Officers of this office to the cadre of Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000—EB-40-1200/- with effect from the date as noted against each until further orders :

1. Shri Trinath Misra w.e.f. 11-7-74 (F.N.)—Now on deputation to Fertiliser Corporation of India, Talcher Division as A.O.
2. Shri Padmanabha Misra II w.e.f. 15-7-74 (F.N.)—Now on deputation to Paradeep Port Trust, Paradeep as A.O.

The 19th August 1974

No. O.O.C.—426.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the date as noted against each until further orders. Their interse seniority would be as follows :—

1. Shri K. C. Khuntia—22-7-74 (F.N.).
2. Shri P. V. N. Murty—14-8-74 (F.N.).
3. Shri R. Dharmarajan—22-7-74 (F.N.).

No. Admn.-IAD-1-2308.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the date as noted against each until further orders. Their interse seniority would be as follows :

1. Sri K. S. Krishnan—13-9-74 (A.N.).
2. Shri R. Ramamurthy II—13-9-74 (A.N.).
3. Shri Shyamasundar Rath—8-10-74 (F.N.).
4. Shri Abanibhusan Misra—7-10-74 (F.N.).
5. Shri M. Subba Rao—5-10-74 (A.N.).
6. Shri Hrusikesh Chatterjee—5-10-74 (A.N.).
7. Shri Umesh Chandra Patnaik—7-10-74 (F.N.).

V. S. BHARDWAJ
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Bombay-20, the 2nd November 1974

No. Admn.I/IAD/31-Vol II/16.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri J. L. D'Souza, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 9-10-74 (A.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/17.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri B. R. Kulkarni a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 9-10-74 (A.N.), until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/18.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri V. S. Khandkar a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/19.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri D. R. Hirekerur a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/20.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri K. Krishna Iyer, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/21.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri H. N. Khiani a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 11-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/22.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri D. S. Thakur a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 14-10-74 (F.N.) until further orders.

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/23.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint Shri A. V. Balkrishnan a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10-10-74 (F.N.) until further orders.

A. B. PALEKAR
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR
SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 1st November 1974

The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad, has appointed Sri B. G. Sathyamurthy, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service to officiate as Audit Officer, South Central Railway with effect from 12-9-1974 (F.N.) until further orders.

M. ADAIKALASAMY
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 19th November 1974

No. 18177/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 14-1-75 (A.N.), Shri Pearey Lal Gupta, an officer of the Indian Defence Accounts Service will be transferred

to the Pension Establishment and struck of the serength of the Department from 31-1-75 (A.N.).

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 19th November 1974

No. 47/74/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri J. N. Ghose, Offg. Deputy Manager (Pmt. Foreman), retired from service with effect from 30-4-74 (A.N.).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
(LABOUR BUREAU)

Simla, the 1974

No. 23/3/74-CPI.—The All-India Consumer Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by one point to reach 335 (Three hundred and thirty five) during the month of October, 1974. Converted to base 1949=100, index for the month of October, 1974 works out to 407 (four hundred and seven).

S. SOMASUNDARAM IYER,
Deputy Director.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 18th November 1974

No. A.12025(ii)/4/74-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri M. K. Vighne, Officiating Cameraman (Cartoon Film Unit) in the Films Division at Bombay, retired from service with effect from the afternoon of 31-10-1974.

2. The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri R. B. Mhatre, Permanent Cameraman, Films Division Bombay to officiate as Cameraman (Cartoon Film Unit) with effect from 31-10-1974 (afternoon) *vice* Shri M. K. Vighne retired.

M. K. JAIN
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 16th November 1974

No. A.19014/4/74-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity appoints Shri G. K. Srinivasa to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit of this Directorate at Bombay with effect from 1st November, 1974 (forenoon), until further orders.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th November 1974

No. 2/32/60-SII.—Director General is pleased to appoint Shri R. N. Kundu, Accountant, Betar Jagat, AIR, Calcutta to officiate as Administrative Officer in the pay scale of

Rs. 650—960 w.e.f. 28-10-74 (F.N.) at A.I.R., Gauhati on *ad hoc* basis *vice* Shri S. K. Dasgupta granted 76 days Earned Leave w.e.f. 14-10-74.

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

New Delhi, the 19th September 1974

No. 2/6/73-S.III.—The Director General All India Radio hereby appoints the following *ad hoc* Assistant Engineers to officiate in the grade of Assistant Engineers on regular basis with effect from 27th February, 1974 at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names until further orders :—

Name & Place of posting.

S/Shri.

1. B. Banerjee—All India Radio, Calcutta.
2. R. Rajagopalan—Research Department, All India Radio, New Delhi.
3. H. S. Bawa—T. V. Centre, A.I.R., New Delhi.
4. S. C. Dass—All India Radio, Calcutta.
5. T. R. Mehta—High Power Transmitter, All India Radio, Kingsway, Delhi.
6. V. S. Prasad—Base Production Unit, All India Radio, Hyderabad.
7. Jitendra Kumar—All India Radio, Allahabad.
8. P. Natarajan—All India Radio, Bangalore.
9. J. P. S. Arora—All India Radio, Jodhpur.
10. M. P. G. Nair—Office of the Regional Engineer (South), A.I.R., Madras.
11. N. P. Sharma—T. V. Centre, A.I.R., New Delhi.
12. K. C. Batra—All India Radio, Simla.
13. M. P. N. Singh—All India Radio, Varanasi.
14. S. V. Reddy—All India Radio, Hyderabad.
15. R. Srinivasan—T. V. Centre, A.I.R., Bombay.
16. S. K. Chatterjee—All India Radio, Calcutta.
17. V. R. Rajagopal—All India Radio, Kohima.
18. G. Ramachandra Nair—All India Radio, Trivandrum.
19. Madan Lal A/o Shri Naubat Ram—High Power Transmitter, All India Radio, Aligarh.
20. S. C. Gupta—All India Radio, New Delhi.
21. Krishan Mittal—All India Radio, New Delhi.
22. R. K. Ray—Office of the Regional Engineer (East), A.I.R., Calcutta.
23. R. C. Jain—All India Radio, Jullundur.
24. N. V. R. Subba Raju—All India Radio, Vijayawada.
25. S. P. Patil—T. V. Centre, A.I.R., Bombay.
26. D. R. Behl—Office of the Regional Engineer (North), A.I.R., New Delhi.
27. S. K. L. Prasada Rao—T.V. Centre, A.I.R., Bombay.
28. O. P. Goel—H. P. T., Khampur, Delhi.
29. Y. K. Rajagopalachari—All India Radio, Bhadravati.
30. E. C. Chibber—H. P. T., A.I.R., Aligarh.
31. N. Swaminathan—Office of Regional Engineer (West), All India Radio, Bombay.
32. R. P. Barsal—H. P. T., A. I.R., Aligarh.
33. G. D. Bhatia—T. V. Centre, A.I.R., Amritsar.
34. S. P. Pandhi—H. P. T., Khampur, A.I.R., Delhi.
35. V. K. Sinha—All India Radio, Lucknow.
36. B. Srikumar—All India Radio, Dibrugarh.
37. A. S. Kaushik—High Power Transmitter, A.I.R., Khampur, Delhi.

S/Shri

38. S. K. Sharma—All India Radio, New Delhi.
39. Farid Rezwani—T.V. Centre, A.I.R., Srinagar.
40. J. R. Singh—All India Radio, Imphal.
41. K. D. Kaushal—H.P.T., A.I.R., Kingsway, Delhi.
42. M. G. Gupta—All India Radio, Sambalpur.
43. Rajindra Prakash—All India Radio, New Delhi.
44. V. V. Surendra—All India Radio, Jodhpur.
45. S. P. Singh—T.V. Centre, A.I.R., New Delhi.
46. M. K. S. Nambiar—All India Radio, Madras.
47. G. P. Maheswari—H.P.T., A.I.R., Khampur, Delhi.
48. Manjit Singh Bhatia—All India Radio, Shillong.
49. M. C. Gutar—All India Radio, Jammu.
50. E. Venkatakrishnan—All India Radio, Dibrugarh.
51. S. C. Srivastava—H.P.T., A.I.R., Khampur, Delhi.
52. Balakrishnan Foetadar—T.V. Centre, Srinagar.
53. J. C. Agrawal—Research Department, A.I.R., New Delhi.
54. C. P. Mata—H.P.T., Khampur, A.I.R., Delhi.
55. Vittal Rao—All India Radio, Imphal.
56. O. N. Pajnoo—All India Radio, Radio Kashmir, Srinagar.
57. O. P. Girdhar—H.P.T., A.I.R., Chinsurah (West Bengal).
58. A. K. Bajaj—H.P.T., A.I.R., Chinsurah (West Bengal).
59. I. N. Sharma—T.V. Centre, New Delhi.
60. K. A. S. Namboodripad—H.P.T., A.I.R., Chinsurah (West Bengal).
61. M. R. Krishnaswamy—All India Radio, Kohima.
62. M. K. Makwana—All India Radio, Ahmedabad.
63. S. K. Garg—H.P.T., A.I.R., Kingsway, Delhi.
64. V. A. Jere—All India Radio, Poona.
65. Raghbir Singh—T.V. Centre, A.I.R., Amritsar.
66. I. S. V. Rao—All India Radio, Hyderabad.
67. A. S. Tyagi—Base Production Unit, A.I.R., New Delhi.
68. K. K. Mehta—H.P.T., A.I.R., Malad, Bombay.
69. Madan Lal S/o Shri Brij Lal—All India Radio, New Delhi.
70. Surendra Singh S/o Shri Gulab Singh—H.P.T., A.I.R., Khampur, Delhi.

P. K. SINHA
Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 14th November 1974

No. 15/1/74-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. J. Joseph, Social Science Instructor, Regional Family Planning Training Centre, Calicut, as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 7-10-74 (forenoon) until further orders.

No. 15/4/74-Vig.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. L. Verma, District Education & Publicity Officer, District Family Planning Bureau, Bhilwara, Rajasthan, as Extension Officer, Family Planning at All India Radio, Rampur, in a temporary capacity with effect from 9-10-1974 (forenoon) until further orders.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th November 1974

No. 26-16/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Gupta, Grade IV Officer of the I.S.S. to the post of Assistant Director (Statistics) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th September, 1974 until further orders.

No. 11-1/74-Admn.I(A).—In continuation of this Directorate's Notification No. 11-8/74-Admn.I(A) dated the 31st July, 1974, the President is pleased to appoint Shri P. J. Padmanabhan, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. w.e.f. forenoon of 1-8-74 to the afternoon of the 31-8-74.

The President is also pleased to appoint Shri P. I. Padmanabhan, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

The 15th November 1974

No. 33-13/69-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Dalpat Singh, Assistant in the Ministry of Health & F. P. (Department of Health) to the post of Administrative Officer, at the Rural Health Training Centre, Najafgarh with effect from the forenoon of the 1st November, 1974 and until further orders.

Shri K. B. Kumar relinquished charge of the post of Administrative Officer at the Rural Health Training Centre, Najafgarh on the afternoon of the 21st October, 1974 on his reversion to the Ministry of Home Affairs.

New Delhi, the 20th November 1974

No. 6-14/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Satya Pall Bhandari Audit Officer, Office of the Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi to the post of Accounts Officer, Central Research Institute, Kasauli with effect from the forenoon of the 1st October, 1974 and until further orders.

Shri M. C. Garg relinquished charge of the post of Accounts Officer, Central Research Institute Kasauli with effect from the forenoon of the 1st October, 1974.

S. P. JINDAL
Deputy Director, Administration

New Delhi, the 19th November 1974

No. 16/16/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Gobindarajulu, Office Superintendent, Government Medical Store Depot, Madras, as Assistant Depot Manager in the Medical Stores Organisation, on temporary basis, with effect from the forenoon of 27th September, 1974, at the Medical Store Depot, Madras, until further orders.

P. C. KAPUR,
for Director General of Health Services.

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

N.H. IV, Faridabad, the 2nd November 1974

No. F. 4-5(6)/74-A.I.—Shri T. M. Mustafi, Marketing Officer, Group I, New Delhi is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the Directorate of Marketing and Inspection, Faridabad, with effect from 4-10-1974 (F.N.), until further orders.

Nagpur, the 6th November 1974

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification in Notification No. 3(44)/9/72-D.II, No. F. 5/11/69-D.II, No. F. 2/8/70-D.II and No. 74/15/72-D.I published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1844) the name of Shri G. K. Pawar, Marketing Officer, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

No. F. 2/8/74-DN.II.—In partial modification in the Notification No. 3(TL)/2/65-D.II, No. 3(44)/9/72-D.II, No. F. 74/15/72-D.I, No. F. 5/11/69-D.II, No. F. 2/8/70-DN. II, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1844) the name of Shri V. Balarama Murthy, Assistant Marketing Officer, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

N. K. MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser

**CENTRAL WATER & POWER COMMISSION
(POWER WING)**

New Delhi-110022, the 7th November 1974

No. 1/57/74-Adm.III(PW).—The Chairman, Central Water & Power Commission appoints Shri Randhir Singh, a permanent Hindi Translator of the Ministry of Energy (erstwhile Ministry of Irrigation and Power) as Hindi officer on ad-hoc basis for one year in the first instance or pending regular recruitment to the post through Union Public Service Commission, whichever is earlier, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Central Water and Power Commission (Power Wing), New Delhi with effect from the forenoon of 26th October, 1974.

M. S. PATHAK, Under Secy.
for Chairman

New Delhi-22, the 18th November 1974

No. A-32012/4/70-Adm.V.—The Chairman, Central Water & Power Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water & Power Commission, New Delhi, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely tempy. and *ad-hoc* basis, for a period of three months from the dates shown below against each, or till such time as the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri R. S. Anand—4-11-1974 (forenoon),
2. Shri S. S. Sachar—4-11-1974 (forenoon)
3. Shri K. N. Nair—4-11-1974 (forenoon).

K. P. B. MENON, Under Secy.
for Chairman, C.W.&P. Commission.

CENTRAL GROUND WATER BOARD
N.H. IV Faridabad, the 6th November 1974

No. 6-49/74.II.—Shri M. L. Gandotra is appointed as Assistant Administrative Officer G.C.S. Class-II (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* and temporary basis with effect from 16-10-1974 (F.N.) in the Central Ground Water Board with his headquarter at Faridabad till further orders.

D. PANDEY, Superintending Engineer

PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL
New Delhi, the 18th November 1974

No. 27-E/B(33)/73-ECI.—Shri A. C. Bhatia, Executive Engineer (Valuation) Income Tax Department, Nagpur expired on 26th August, 1974.

P. S. PARWANI, Dy. Director of Adm.
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 19th November 1974

No. 33/3/74/27/23/72-Adm.IV.—The President is pleased to appoint Shri Rajendra Nagdev as Deputy Architect in the Central P.W.D. on the pay of Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Plus usual allowances), with effect from 25-9-74 (F.N.), on the terms and conditions of service as enumerated in this office letter of even number dated 21-9-74.

S. S. P. RAU, Dy. Director of Adm.
for Engineer-in-Chief.

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT
Farakka, the 11th October 1974

No. PF-II/214/12239(8)—Shri Ajay Krishna Saha has been appointed as Asstt. Engineer (Mech.) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation and Power, Government of India on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 15th June, '74 upto the period of 31-12-74.

The 9th November 1974

No. PF-II/220/15886(8)—Shri K. C. Roy has been appointed as Asstt. Engineer (Mech.) in the Farakka Barrage project, Ministry of Irrigation & Power, Government of India on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 20th March '74 upto 31-12-74.

No. 15891(8)—Shri Ramendra Nath Mazumder has been appointed on promotion on *ad-hoc* basis to officiate in the post of Assistant Engineer (Mech.) in the F.B. Project, Govt. of India Ministry of Irrigation & Power, in the forenoon of 15th June '74 upto the period 31-12-74.

No. 15892(8)—Shri Kali Kumar Sarma Sarkar has been appointed on promotion on *ad-hoc* basis to officiate in the post of Asstt. Engineer (Civil) in the Farakka Barrage Project, Govt. of India, Ministry of Irrigation & Power in the after-noon of the 15th June, 1974 up to the period of 31-12-74.

No. PF-II/216/15893(8)—Shri Suboth Kumar Saha has been appointed on promotion on *ad-hoc* basis to officiate in

the post of Assistant Engineer (Civil) in the Farakka Barrage Project, Government of India, Ministry of Irrigation & Power in the fore-noon of 15th June '74 upto the period of 31-12-74.

J. N. MONDAL, General Manager,
Farakka Barrage Project.

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 21st November 1974

No. AE-2134/Prom./7/3/1/Elec.—The following probationers of the Electrical Engineering Department are confirmed in junior scale on the Eastern Railway with effect from the date noted against each.

Name & Date of confirmation

1. Shri A. K. Jain, 1-4-73.
2. Shri V. K. Sibal, 28-12-73.
3. Shri S. K. Gupta, 9-12-73.

V. P. SAWHNEY, General Manager

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 23rd October 1974

No. 20—The following Assistant Medical Officers (Dental) Class II Scale Rs. 350-900 (AS) of this Railway are confirmed as Assistant Medical Officers (Dental), Class II in scale Rs. 350-900(AS) on this Railway from the dates shown against each :—

Sl. No., Name of A.M.O. (Dental) & Date from which confirmed as A.M.O. (Dental).

1. Dr. V. B. Lal, 1-1-1966.
2. Dr. S. B. Agarwal, 8-3-73.
3. Dr. M. S. Hussain, 8-3-73.
4. Dr. Surinder Nath, 8-3-73.

Doctors shown against item No. 2 to 4 have been confirmed against three supernumerary posts of A.M.O. (Dental) Class II in scale Rs. 350-900(AS). These posts will, therefore, remain occupied by them till such time they hold the scale of pay Rs. 350-900(AS) as personal to them.

C. S. PARAMESWARAN, General Manager.

SOUTH CENTRAL RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
PERSONNEL BRANCH

Secunderabad, the 12th November 1974

No. P-185/GAZ/TC.—Shri S. K. Shukla, an Officer of the Indian Railway Traffic Service (on probation) is confirmed in Class I/Junior Scale of that service with effect from 11th December 1973.

The 21st October 1974

No. P(GAZ)185/Accounts—Shri K. V. P. PANICKER, an Officiating Class-II Officer of Accounts Department of South Central Railway is confirmed in Class-II service of that Department with effect from 10-6-1971.

K. S. RAJAN, General Manager.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 22nd November 1974

No. F.48-Ad(AT)/74-P.II—Shri H. C. Srivastva, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal who was appointed to officiate as Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Patna Benches, Patna (now transfer to Income-tax appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad) on *ad-hoc* basis in a temporary capacity with effect from 3-8-1971 until further orders vide this office Notification No. F.48-Ad (AT)/71, dated 7-8-1971, is now permitted to continue to officiate on *ad-hoc* basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad for a further period from 1-10-1974 to 31-12-1974 (Afternoon) or till the post is filled up by regular appointment of a nominee of the Union Public Service Commission, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President.

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Musafir Singh & Others,
Nilkanth Building, Ruttonji Hirji Bhojraj Road,
Mulund (W), Bombay-80.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AP-190/IAC., AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 306 (Pt) & S. No. 307, H. N. 1 (Pt) situated at Mulund (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay on 15.3.1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Jayantilal Mohanlal Bhuta & Others,
"Bhuta Nivas" No. 2, King's Circle,
Bombay-19.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of vacant land or ground bearing Plot No. 'N' of the layout situate lying and being Off and on the northern side of Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (W) in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1143 sq. metres (equivalent to 1365 sq. yds.) or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 306 (part) and Survey No. 307 (Hissa No. 1) (part) and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'T' Ward No. 2508(2) Division B, bounded as follows: That is to say on or towards the East by the property of New India Industries Ltd., on or towards the West by the property of the vendors; on or towards the north partly by the property of the Consolidated Pneumatic Tools Ltd., and partly by the garden and on or towards the south by the property belonging to the Vendors.

G. S. RAO,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
Bombay.

Date : 1-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Bangur Land Development Corp. Ltd., 5, Deshpriya Sasmal Road, Calcutta-33.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC/144/R-IV/Cal/74-75—Whereas, I S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, P.A. Shah Road, situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Jt. Sub-Register of Alipore, At Behala on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Gobindalal Bangur, 65, Sir Hariram Goenka Street Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh] No. 123, 125 Par tof C.S. Dag No. 3,3/35 Mouza, Gobindapur, Area 6-14-35 K-Ch-Sft. 166, P.A. Shah Road, P.S. Tellygunge, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Date : 11-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Laxman s/o Shri Shamli Mahajan R/o Village
Chinaval, Teh. Raver, Distt. Jalgaon. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAS/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. P. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 177/1 Block No. 42 House situated thereon, at Rajpura, Teh. Burhanpur situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Burhanpur on 22-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shrikrishnarao Vishnu Joshi & Mrs. Laxmibai W/o Shri Shrikrishnarao Joshi, R/o Rajpura of Burhanpur now at : Dongre Bag, Dadar, Bombay. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 177/1 Block No. 42 House situated thereon at Rajpura, Teh. Burhanpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date : 7-11-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref No IAS/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Subhash Marg, Dhanmandi, Ratlam municipal No. 87 area 2777 sq. ft. situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 13-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

16—366GI/74

(1) Shri Roopchand, 2 Shri Chandmal S/o Shri Khemraj, 3 Shri Rattanlal 4 Shri Hastimal, 5. Shri Gudanlal Roopchand, 6 Shri Manaklal S/o Chandmal Bhora Mahan S/o Pipalkunda at present at Ratlam. (Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar S/o Shri Chandmalji, 2 Smt. Di Prema W/o Shri Rajendrakumari Bhandari S/o Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Subash Marg, Dhanmandi Ratlam Municipal No. 87 area 2777 sq. ft. Ratlam.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-1974.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Rajdoot Co-Operative Housing Society Ltd. 9, Hare Street, Calcutta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

Ref. No AC/138/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No 21/2A, Monohar Pukur Rd. situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Registrar of Assurances Calcutta on 25-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bidyutkana Pal 376/1, Block G New Allpore, Calcutta. (Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21/2A, Monohar Pukur Road, Calcutta—Area 3 K. 11 Chattaks 30 Sq. ft. as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 8-11-74
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rash Behari Basu,
73A, Purna Das Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Govinda Chandra Nag,
52/1, Beniatola St., Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA-1

Calcutta-J, the 11th November 1974

Ref. No TR-1665[C-453]Cal-I/73-74—Whereas, I, S K. Chakravarty,

No. 40 situated at Shri Arabinda Sarani, Calcutta-5 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 40 situated at Shri Arabinda Sarani, Calcutta-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Sub Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 20-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 3/4th share of building situated at 40, Shri Arabinda Sarani, Calcutta containing an area of 5 K. 13 Ch.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1Date : 11th November 1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Anil Kumar Saksena 1 & 2 Jackson Road, Calcutta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I,

Calcutta-1 the 11th November 1974

No. TA 1689 C-462/Cal 173-74—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road, (Formerly Kyd Street) Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5 Govt. Place North, Calcutta on 5-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- 1 Shri Balaram Rajak
 - 2 Shri R. K. Ovalani
 - 3 Shri B. P. Saksena
 - 4 Dr. N. Singh
 - 5 Shri C. F. Lobo
 - 6 Shri C. F. Ellis
 - 7 Shri Omprakash Ramchand Subnam
 - 8 Shri Jitendra Nath Mukherjee
 - 9 Shri B. R. Parasur
 - 10 Shri Mohit Ranjan Lahiri
- [Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided One-twelfth part or share of in partly two and partly three storied building bearing premise, No. 13 Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sq ft

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
IAC of Income-tax,
Acquisition Range I P 13 Chowringhee Square, Calcutta

(1) Shri Pashupati Lal Seal 53 C Bon Bcharv Bose Road Howrah

(Transferor)

Date 11-11-1974

Seal

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA I

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. TR 1691/C-460 Cal I/73 74—Whereas I S K Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances 5 Govt. Place North Calcutta on 5-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Sri Pronob Lall Seal
 53/C, Bon Behary Bose Road,
 Howrah

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Saksena
 1 & 2 Jackson Lane,
 Calcutta

(Transferee)

- 1 Shri Baluram Rajak
- 2 Shri R K Ovalani
- 3 Shri B P Saksena
- 4 Dr N Singh
- 5 Shri C F Lobo
- 6 Shri C F Ellis
- 7 Shri Omprakash Ramchand Subnam
- 8 Shri Jitendra Nath Mukherjee
- 9 Shri B R Parasat
- 10 Shri Mohit Ranjan Lahiri

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided one twelfth part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13 Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft

S K CHAKRAVARTY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I P 13, Chowringhee Square
 Calcutta

Date 11th November 1974
 Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ramesh Kumar Somanl,
158/164, Kalbadevi Road,
Bombay-2.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-III, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AR/III.476/74-75.—Whereas, I, R. G. NERURKAR, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 182, S. No. 161 (part) situated at Pahadi, Goregaon (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar's Office, Bombay, on 15-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M. s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreenivas House,
Waudby Road, Fort, Bombay-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground being Plot No. 182 situate lying and being on the Village Pahadi, Goregaon (West) Taluka Borivli in the Registration Sub-District Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing S. No. 161 (Part) and admeasuring 1280 sq. yards equivalent to 1070.25 sq. metres and bounded as follows : that is to say on or towards the West 60 feet wide Road, On or towards the East by 30 feet wide Road, On or towards the North partly by Plot No. 188 and partly by Plot No. 183 and On or towards the South by Plot No. 181.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 1-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pratima Banerjee, 6L, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanti Banerjee, 25, Kanti Banerjee Lane, Howrah I.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1974

Ref. No. AC-135/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I. S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 6B Lala Lajpatrai Sarani, situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th part in three storied building with about 5 cettahs 10 chittaks land being the north Western portion of 6B Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta, as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16,

Date : 5-11-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Lakshmi Chand Bajaj, 60, Vivekananda Road, Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jayanti Ghose, Pradip Ghose, Prabu Ghose, 52 Beadon Street, Calcutta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1974

Ref No AC-137/R-IV/Cal/74-75—Whereas, I S Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 52 C I T Scheme No VI M Old Premises No 29 Kankurgachi Road, situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 30.3.1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Cottahs 6 Chattaks 30 Sq. ft. of vacant land, Plot No. 52, C I T Scheme No VI M Old premises No 29 Kankurgachi Road, Calcutta

S BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 7-11-1974
Seal :

FORM TINS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th November 1974

Ref. No. F. XVI/1(11)/2A/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. B Ward, Block No. 29 situated at Maravaneji, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.R. II, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. Rajarathinam Ammal
W/o M. Parthasarathy Chetty,
Gandhi Road, Sreerangapalayam,
Salem-4.

(Transferor)

- (2) Dr. M. Haneefa M.D.,
S/o Kollankodu Mydheen Rauther,
Fairlands East Garden Road,
Allaghapuram,

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building measuring about 10,000 sq. ft. at B Ward, Block No. 29, Maravaneji, Salem.

K. V. RAJAN
Competitive Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Madras-6

D to : 14th November 1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th October 1974

Ref. No. RAC No. 35/74-75.—Whereas, I, S. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-4-1115 & 1115/1 situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Faiz Mohamad Khan, S/o Late Nowab Dr. Faiz Jung Ret. Government Servant of Nalayan-guda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) M/s HY-FEED Foundation
R/o Tilok Road, Hyderabad.
(Transferee)
- (3) 1. Ground floor occupied by the Principal of Jai-sooraya Homeopathic College, Kachiguda, Hyderabad.
2. First floor by Immam & Sons, Pvt. Ltd. Kachiguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property :—H. No. 2-4-1115 & 1115/1 at Kachiguda Hyderabad near Railway Station, Known as "Faiz Mansion" Bounded by :

North : Neighbour's house,
East : Neighbour's house,
South : Open land belonging to the South-Central Railway.
West : Cement Public Road.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 19-10-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AP-189/IAC, AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12, S. No. 161, H. No. 4B(pt) 5B(pt), 6(pt) and S. No. 31 (pt) situated at Ghatkopar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar, Bombay, on 14.3.1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shushila Ratilal Sanghvi, Pethe Niwas,
Agra Road, Ghatkopar, Bombay-88.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand A. Doshi & others,
7, Winter Road, Off. Ridge Road, Bombay-6

(Transferee)

* (3) M/s. J. P. Bross.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold property at Ghatkopar Adm about 3826 sq. mtrs. bearing Plot No. 12 of Sanghvi Garden. S. No. 161, H. No. 4B (Pt), 5B(Pt), 6(Pt) and S. No. 31 (Part).

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 1-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Ashoke Kumar Raidani 6, Temple Street, Calcutta
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- 1 Ashutosh Banerjee
- 2 Hrisikesh Ghose
- 3 Nogendras Bhangt

[Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I
CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

No. TR 1656/C 446/Cal-1/73-74—Whereas I S K Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 39 and 40 situated at Lenin Sarani formerly Dharamtolla Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Registrar of Assurances, No 5 Govt Place North Calcutta on 16-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mohmed Shahbuddin 15, Kareya Road, Calcutta
(Transferor)

Date 8-11-74

Seal

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Half share of Brick built house at No 39 and 40 Lenin Sarani formerly Dharamtolla Street, Calcutta

S K CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

FORM ITNS—

(1) Shri Gobind Lal Bangur, 65, Sir Hatiram Goenka St., Calcutta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bangur Land Development Corporation Limited, 5, Deshpriya Sasmal Road, Calcutta-33. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Calcutta, the 11th November 1974

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-142/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166 P. A. Shah Rd. situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar of Alipore at Behala on 14-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 585 Part of G. S. Dag No. 274 Mouza-Arakpur Area—3 Kattahs 5 Chhitaks 166 P. A. Shah Rd. P.S. Tollygange, Calcutta.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

- (1) Smt. Pratima Banerjee, 6A, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta. (Transferor)
- (2) Smt. Sandhya Rani Roy, 5, Durga Pithuri Lane, Calcutta. (Transferee)
- (3) Shri Anataram Mulchand Doshi & others, in occupation of the property.

[Persons in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16 the 5th November 1974

Ref. No AC-134/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances Calcutta on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th part in three storied building with about 5 cottahs 10 chattaks land being the north western portion of 6B, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta as more particularly described in the Instrument of Transfer.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Calcutta-16.

Date . 5-11-1974.
Seal:

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 6/2167 situated at Dashera Maidan, Madhava Nagar, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ujjain on 27-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hukamchand S/o Shri Motilalji Luhariya Hira Mills quarters, Agar Road, Ujjain. (Transferor)
- (2) Shrimati Vidyawati W/o Shri Chammanlalji Narulla Kshir Sagar, Ujjain. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 6/2167 situated at Dashera Maidan, Madhava Nagar, Ujjain.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1974

Ref No ASR/PKT/AP-1410 —Whereas I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2617 of March, 1974 situated at Mission Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pathankot in March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Amolak Singh s/o Karam Singh r/o Mission Road, Pathankot (Transferor)
- (2) Shri Baldev Raj Kalra s/o Ram Rakha Mal Kalra c/o M/s R. L. Baldev Raj Dhangu Chowk, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at S No. 2 above Person(s) in occupation of the Property
- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2617 of March, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

P. N. MALIK

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 6-11-74.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. IX/2/275/73-74.—Whereas, I, K. V RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 28 situated at Gollawar Agraharam Road Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR-II, Madras on 5-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

18—366 GI/74

- (1) M/s. Shanmuga Mudaliar,
S. Duraivelu,
S. V. Shankar and
S. Nagaraj, No. 55-B,
Shenoinagar, Madras-30.

(Transferor)

- (2) M/s. Sea Shore Traders,
No. 20, Kasi Chetty St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 3 grounds and 1395 sq. ft. situated in R.S. No. 2984, Door No. 28, Gollawar Agraharam Road, Madras-21

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 5-11-1974.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Govinda Lal Bangur 65 Sir Hariram Goenka St.
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bangur Land Dev. Corp. 5 D.P.S. Road, Cal—33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER OF IN-
COME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-143/R-IV/Cal/74-75—Whereas, I S. Bha-
ttacharyya,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 166 P.A. Shah Road, situated at Calcutta,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer

It Sub-Registrar of Alipur at Behala on 15-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(1 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
by the issue of this notice under sub-section (1) of section
269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every per-
son who has made such objection, and the transferee of
the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 578. Part of C.S. Dag No. 273 Mouza—
Arakpur Area—6 Kattaks 11 Chittaks 166 P.A. Shah Road,
PS—Tollygange Calcutta.

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bharati Bala Alias Kailash Bai W/o Shri Davendra Kumar Jain, 279, Malharganj, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Shankarlal 2. Premnarayan all son of Shri Narayandas Sanghi, R/o 158 M.T. Cloth Market, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAS/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 142/1 Jawahar Marg, Indore situate at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 142/1 Jawahar Marg, Indore.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Bhopal.

Date : 7-11-1974.
(Seal) :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Nath Singh.

(2) Smt. Urmila Tripathi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 7-U-Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. C-20/1-62, situated at Nayi Pokhari, Rama Kant Nagar, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 1-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. C-20/1-62 is situated at Mohalla Nayi Pokhari, Rama Kant Nagar, Varanasi.

K. N. MISRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow

Date: 10-10-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Shankarsingh S/o Shri Shrisingh Iron, R/o Dr. Roshansingh, Bhandari Marg, House No. 12, Indore. (Transferor)
- (2) Srimati Kapila W/o Shri Natwarlalji Mehta R/o 22, Vallab Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

M. F. MUNSIF,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-74.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. X/10/58/7374.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s. S. S. H. Abubaker &
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras,
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and
Mrs. Hussaina Ameena Beevi, Khizhakarai
(Transferor)
- (2) Smt. Gomathy,
W/o R. Raghunathan,
2C, Jawahar St., Somasundaram Colony,
Madurai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in Door No. 8, Town Hall Road, Madurai, measuring 2017.5 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date - 5-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROD, MADRAS-6

Madras-6, the 6th November 1974

Ref. No. F.IX/2/85/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 288/1 situated at Thiruvotriyur High Road, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Madras on March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s. Chemical Enterprises (P) Ltd.,
4-C, Shaffee Mohamed Road,
Madras-6.

(Transferee)

(2) M/s. Vijay Amrithraj & Anand Amrithara,
16/2, Sterling Road,
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 8 grounds and 2096 sq. ft. at No. 288/1, Thiruvotriyur High Road, Madras-18—R.S. No. 4043/3.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 6-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 2nd November 1974

Ref. No. 62/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 2967 situated at Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document number 3868 on 4-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. D. Divekar, "Daya", State Bank Road, Keshavapur, Hubli-23.

(Transferor)

- (2) Shri L. G. Basawa, Lucky Beer Brandy Centre, Super Market, Hubli.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One R.C.C. two storied building in Shanti Colony of Vidyanagar, Hubli in C.T.S. No. 2967.

Boundaries :

To the East : C.T.S. No. 2966 Building.
To the West : Road.
To the North : Road and Railway line.
To the South : Road.

R. PARTHASARATHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Hubli.

Date : 2-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Vinay Kumar Sigtia S/o Shri K. L. Sigtia.
[Transferor]NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 6th November 1974

No. 13/74-75/IAC(AR)/BBSR.—Whereas, I, V. S. Murthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza-Byree (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Cuttack-II on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Basudeo Prasad Modi, (2) Shri Kanhailal Modi, (3) Shri Chaturbhuj Modi, (4) Shri Kailash Prasad Modi. (Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with buildings and structures standing thereon situated at Mouza-Byree, P. S. Barchana, Dist. Cuttack within the jurisdiction of Sub-Registrar, Cuttack-II and registered by sale document No. 540 dated 25-3-74.

V. S. MURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Bhubaneswar.

Date : 6-11-74.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE CALCUTTA-1

Calcutta 1 the 12th November 1974

Ref No AC 70/R II/Cd/7175 —Whereas I, I K Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 199/D situated at Block-F, New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Alipore on 26.3.1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) 1 Sri Shankar Nath Roy and
2 Sri Amar Nath Roy
97/S Block-E New Alipore, Calcutta-53
(Transferor)

- (2) 1 Smt. Rajinder Kaur and
2, Smt Kulshatter Kaur,
199/D, Block F, New Alipore Calcutta-53.
(Transferee)

- (3) 1 Sri Binjinder Singh Bala and
2 Sri Supinder Singh Bala

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in Plot No 100/D, Block F, New Alipore, Calcutta-53 with construction thereon

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competitive Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 12th November 1974

Seal :

FORM ITNS

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. AC-67[R-II]Cal[74-75].—Where, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 25 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Registrar of Assurances, Cal. on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Lakshman Prasad Poddar,
A/9/25, Basant Vihar,
New Delhi-37.

(Transferor)

- (2) The Indian Card Board Industries Ltd.,
18, Netaji Subhas Road,
Calcutta-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 1 Cottah, 2 Chittacks and 23 Sq. ft. with two storeyed brick built building, marked as Lot B, being portion of premises No. 25, Raja Santosh Road, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competitive Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-3, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras 6, the 6th November 1974

Ref No F 1194/74-75 —Whereas, I, A Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No situated at 1/23 Ramaswami Street, T. Nagar, Madras 17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Madras on 6-3-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Smt Karpagavalli Gopalakrishnan, Shri K G Balakrishnan; Shri K. G. Shyamkrishnan and Shri K. G. Vijayakrishnan No 87, G N. Chetty Road, Madras-17

(Transferor)

(2) Smt. B Usha Kumari W/o Shri P Balasundaram, No 17, Chengalvorayan Mudali Street, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2560 S Ft (with building and use of the well situated at No 2/23, Ramaswami Street, T Nagar Madras) and bearing Door No 1/23 Ramaswami Street, T Nagar, Madras, S No 46/1 and T S No 7132/2 in Block No 135.

A RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range 2, Madras-6

Date 6-11-1974

Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd., Shree niwas House, Waudhy Road, Fort Bombay-1.
(Transferor)

(2) Shri Rangnath Somani, 158/164, Kalbadevi Road, Bombay-2 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARGE, BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st November 1974

No. AR/III/482/74-75.—Whereas, I. R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 183, S No. 161 (Part) situated at Pahadi, Goregaon (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office, Bombay on 15-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground being Plot No. 183 situated lying and being in the Village Pahadi, Goregaon (West) Taluka Borivli in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing Survey No. 161 (part) and admeasuring 780 sq. yards equivalent to 652.17 sq. metres and bounded as follows : that is to say On or towards the East by 30 feet wide Road, On or towards the West by Plot No. 188, On or towards the North by Plot No. 184 and On or towards the South by Plot No. 182

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 1-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th November 1974

Ref. No. AR-I/747-3/Mar.74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 2/618, Malabar and Cumballa Hill Division Bombay, situated at Peddar Road, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 19-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Halimabai Joonas Cassam, wd/o Suleman Haji Ahmed Oomer.

(Transferor)

(2) India House No. 3 Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

(3) Members (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

418.12 square metres being a portion of large piece bearing C.S. No. 2/618 of Malabar and Cumballa Hill Division and situate at Peddar Road, Bombay.

S. S. PHADKE,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Bombay

Date : 5-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTION OF ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

No. TR-1690/C-461/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North Calcutta, on 5-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Promotha Lall Seal 53/C. Bon Behary Bose Road, Howrah.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Saksena 1 & 2, Jackson Lane, Calcutta.

(Transferee)

1. Shri Baluram Rajak.
 2. Shri R. K. Ovalani.
 3. Shri B. P. Saksena.
 4. Dr. N. Singh.
 5. Shri C. F. Lobo.
 6. Shri C. F. Ellis.
 7. Shri Omprakash Ramchand Subnani.
 8. Shri Jitendra Nath Mukherjee
 9. Shri B. R. Patasari.
 10. Shri Mohit Ranjan Lahiri.
- [Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided One-twelfth part or share of in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13, Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 Sft.

S. K. CHAKRAVARTY,

Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 11-11-1974

Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. X/10/60/73-74 —Whereas, L. K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s S. S. H. Abubaker, Madras
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras.
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and
Mrs. Husaina Ameena Beevi, Khizhakarai.

(Transferor)

- (2) Shri Venkat Sitharaman,
Kadankulam Village,
Tirunelveli District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in door No. 8, Town Hall Road Madurai, measuring 2017.5 sq. ft.

K. V. RAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Madras-6.

Date - 5-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERAN-
DAWANA KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 8th November 1974

Ref. No. C.A./5/March-74/Haveli-II/143/74-75.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
C.T.S. No. 8/46, Gultekdi Mukund Nagar, situated at
Poona No. 9 **(and more fully described in**
the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II on 26-3-1974
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons namely:—

20—366GI/74.

(1) Lt. Col. Jayant Nilkanth Patole, Sholapur Club.
At and Post Sholapur. (Transferor)

(2) Shri Dattatraya Tulairam Bhujbal, Shri Ramesh
Dattatraya Bhujbal, Shri Vilas Dattatraya Bhujbal,
711, Guruwar Peth, Poona-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to every person who has made
such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. 8/46, Gultekdi, Mukund Nagar, Poona No. 9
Area :—9100 Sq. Feet. Built up Area :—2400 Sq. Feet. Built
in 1968. Free-hold.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 8-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-
ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

Ref. No AC/139/R IV/Cal/74-75 —Whereas, I, S Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing No 21/2F Monohar Pukur Road situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances Calcutta on 25-3 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

No, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Shri Bidyut Kana Pal 376/1, Block G New Alipore, Calcutta (Transferor)
- (2) Rajdoot Co-operative Housing Society Ltd 9, Ware Street Calcutta, (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

21/2E Monohar Pukur Road Calcutta—Area 3K 12 Ch
2 Sq Ft

S BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date 8-11-1974
(Seal)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref No. X/10/59/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s. S. S. H. Abubaker &
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and
Mrs. Hussaina Ameena Beevi, Khizhakarai,
(Transferor)

(2) Shri Venkatasubbu,
Kadankulam Village,
Tirunelveli Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in Door No. 8, Town Hall Road, Madurai, measuring 2017.5 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 5-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAS/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal House No. 565/1 and 566 situated in Uperangan], Jabalpur situated at Jabalpur fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 23-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sajanabai Wd/o Late Shri Seth Champalal Oswal, R/o Sarafa Bazar, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Bhai Patel S/o Shri Kalidas Patel, Ambika Trading Co., Katra Bazar, Sagar, M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 565/1 and 566 situated in Uperangan], Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-1974
(Seal) :

FORM ITNS—

- (1) Sri J. Buchiah, C/o Basweshwara Coal Dept.,
Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Punnapu Chinna Kambagiri,
S/o P. K. Ramiah, Contrator,
R/o Jammalmagudu, Cuddapah Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of house bearing House No. 1-8-702/35
at Nallakunta, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-10-1974.

Seal:

No. RAC.33/74-75. Whereas, I S. Balasubramaniam,
Varghese,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1-8-702/35 situated at Nallakunta, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 15-3-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent as agreed to between the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor and the transferee has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for
the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(2) Shri Amritlal S/o Ganapatlalji, 2. Shri Hiralal S/o Shri Ganapatlalji, 26 Katchi Mohalla, Main Road,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 26 situated in Katchi Mohalla, Main Road, Indore House No. 11, Shnehalata Ganj street, House No. 36 Katchi Mohalla, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ganapatlal S/o Shri Chottuji 2. Shri Gangaram, 3. Shri Narendra Singh, 4. Shri Mahesh Kumar, 5. Shri Rajendrakumar, all sons of Shri Ganapatlal, all r/o of 26, Katchi Mohalla Main Road, Indore.
- (Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 36 situated in Katchi Mohalla Main Road, Indore House No. 11 Shnehalata Ganj Street, House No. 26 Katchi Mohalla, Indore.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri Punnapa Pedda Pambagui,
S/o K. P. Ramiah,
Contractor, at Jammalamadugu, Cuddapah Dist.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1974

Ref. No. RAC.35/74-75 Whereas, I S Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-702/35 situated at Nallakunta, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad on 15-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri J. Butchiah, C/o Basweshariah Coal Dept.,
at Nallakunta, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property; Portion of house No. 1-8-702/35, at Nallakunta, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-10-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 14th November 1974

Ref. No. F. XVI/1(11)/2B/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. B Ward Block No. 29 situated Maravaneri Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR II, on March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. P. Rajarathinam Ammal,
W/o M. Parthasarathy Chetty,
Gandhi Road, Sreerangapalayam,
Salem-4.

(Transferor)

- (2) Smt. Juleka Bharu
W/o Dr. M. Haneefa M.D.,
Fairlands, Salem.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 14,271 sq. ft. at B Ward, Block No. 29, Maravaneri, Salem.

K. V. RAJAN
Competitive Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Madras-6.

Date : 14th November 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. B. Anaraja, W/o Shri N. S. Balaraman, 2/23
Ramaswami Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD
MADRAS-6

Madras-6, 6th November 1974

Ref. No. F.1195/74-75.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 2/23 Ramaswami Street T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madras on 6-3-1974 at Madras on 6-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Venkatakrishnan, No. 2, Sarojini Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 2/23 Ramaswami Street, T. Nagar, Madras-17.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 6-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 24/497 and House No. 24/496 new No. 26, 25 situated at Village Mohalla Tatiyapara ward, Teh. & District Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 6-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal S/o Shri Prabhunath Verma R/o Village Udela, Teh. Baloda Bazar, Distt. Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Ramprasad S/o Govindprasad Verma R/o Dhirgi, Teh. Baloda Bazar, Distt. Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 24/497 and House No. 24/496 New No. 26, 25 situated at Village Mohalla Tatiyapara ward, Teh. & Distt. Raipur

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-74.
Seal :

FORM ITNS

(1) Vishnu Properites Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamal Kishore Bhagat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Deckinandan Bhagat.

[Person whom the undersigned knows to be interested
in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 11th November 1974

No. TR-1684/C-467/CAL-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 161 situated at Mukhtaram Babu Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta, on 11-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Partly three storied and partly four storied brick built house together with land measuring 9 Cottahs and 10 sft at premises No 161, Mukhtaram Babu Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax Acquisition Range,
Acquisition Range 1, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 11-11-74

Seal :

FORM ITNS

(1) Pratima Banerjee-6A, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranajoy Banerjee (Minor) Represented by—Aloka Banerjee (Mother).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1974

Ref. No. AC-136/R-IV/Cal/74 75.—Whereas, I. S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B, Lala Lajpatrai Sarani situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th part in three storied building with about 5 cottages 10 cha'taks land being the north Western portion of 6B Lala Lajpatrai Sarani Calcutta, as more particularly described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-11-1974
Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Amiya Bhushan Mazumder
2. Shri N. K. Chakraborty.
3. Dr. G. S. Mondol.
4. Dr. R. K. Neogy.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

No. TR-1685/C-466/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 9B, situated at Hati Bagan Road North, Calcutta-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta, on 11-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Dr. Miss Tara De 73A, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13.

(Transferor)

- (2) Shri Bhupendra Saha 98, Karaya Road, Flat No. B-9, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(a)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storied building at 9B, Hati Bagan Road North, Calcutta-14, containing an area of land measuring 3 Cottahs 9 Chitracks and 9 Square feet.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 11-11-74

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 5th November 1974

Ref. No. F. IX/7/276/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madras

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

9-C situated Sydenhams Road, Periamet, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

In the office of the Registering Officer at SRO, West Madras on 14th March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sher Ali Dhala,
9, Manickeswari Street,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) M/s. Bhatla Trading Co.,
9-C, Sydenhams Road
Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 1149 sq. ft. situated at Door No 9-C, Sydenhams Road, Madras-3—R.S. No. 215/1 and 215/2.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Madras-6

Date : 5-11-1974
Seal :

FORM 17NS—

- (2) Shrimati Ramkali Devi W/o Shri Gyanilalji Rathore, Smt. Shamadevi Rathore W/o Shri Shivnar injil, 3. Smt. Ramdulari W/o Shri Dwa. akarasad Verma all r/o Noormahal Road, Bhopal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No IAC/ACO/BPL/74-75 —Whereas, I, M F Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed house situated in Noormahal Road, Municipal Ward No. 9 Immami Gate, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on 5-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajmal Alias Shri Rejulal S/o Shri Balmukundji Rathore R/o Village Bhouri, Teh Hujur, Distt, Bhopal. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed situated in Noormahal Road Municipal Ward No. 9, Immami Gate, Bhopal

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal.

Date : 7-11-1974

Seal :

FORM JTNS—

(1) M/s Lipton (India) Ltd.
9, Weston Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lila Devi Kanoria
10, Muktaram Kanoria Road,
Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,
CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1683/C-468/Cd 1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 and 13 situated at Weston Street and 5/1 and 5/2 Grant Lane Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 11-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A strip of land measuring 3K-8 Ch. being portion of premises No. 11 and 13, Weston Street, and 5/1 and 5/2, Grant Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Sunithi devi W/o late Shri Deviram Vyas,
Jiwajiganj, Morena. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in ward No. 8, Jiwajiganj, Morena situated at Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Morena on 1-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vidya Devi W/o Shri Darshanlal, 2. Smt. Shanti devi W/o Shri Rameshchand, 3. Smt. Sarla-devi W/o Shri Thakurprasad Vyas, Dhanpura, Morena. (Transferor)

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Ward No 8, Jiwajiganj, Morena

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date : 7th August 1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING,
VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 2nd November 1974

Ref. No. 64/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe Range, Hubli, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 58/4A, 58/4B and 58/4C situated at Unkal Village Hubli Taluk, Dharwar District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hubli under document No. 4150 on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Deopriya S. Kirby, Keshavapur, Hubli, G.P.A., Holder of (i) Shri Vnicent D. Kirby, Kuala Lumpur, Malaysia, (ii) Smt. Leela D. Kirby, Warrangal (A.P.), (iii) Smt. Vimala D. Kirby, Keshavapur, Hubli.

(Transferor)

2. (1) M/s. Pursell Business Enterprises, through its Managing Partner Sri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (2) Shri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (3) Shri Babu Basappa Bellikatti, Bellikatti Medical Stores, Main Road, Saundatti. (4) Dr. Mallikarjun Shivarudrappa Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk. Badami, District Bijapur. (5) Smt. Vimalabai W/o Basavanneppa Nooli C/o Dr. M. S. Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk. Badami, District Bijapur. (6) Shri Murugesh Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (7) Smt. Jayashree. W/o Veerabhadra Hombal, Veerapur Anjeneya Temple Road, Hubli-20.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

81 Gunthas of non-agricultural and in Unkal Village, Hubli Taluk, Dharwar District, Karnataka State in R.S. Nos. 58/4A (31 Gunthas), 58/4B (31 Gunthas) and 58/4C (19 Gunthas).

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Hubli.

Date : 2-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-141/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S.

Bhattacharyya,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 166 P. A. Shah Road, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jt. Sub-Registrar of Alipur at Behala on 13-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobindalal Bangur, 65, Sir Hariram Goenka St., Calcutta. (Transferor)
- (2) Bangur Land Development Corporation Ltd. 5, Deshpriya Sasmal Rd., Calcutta-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 578, Part of C.S. Dag No. 273, Mouza Arakpur Area 6 Kottah 1 Chhattak 166 P. A. Shah Rd. Cal. P. S.—Tollygange.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. MLK/9/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Village Daryapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Malerkotla in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazoor Singh, s/o Shri Sunder Singh, Village Daryapur, Teh. Malerkotla.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Mohinder Singh,
(ii) Shri Sikander Singh,
(iii) Shri Gian Singh,
(iv) Shri Sukhdev Singh,
Ss/o Shri Ralla Singh

Resident of Village Daryapur, Teh. Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bighas 3 biswas comprised in Khasra No. 64/11-15 & 65/8-8 Village Daryapur.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. X/10/61/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 8 situated at Town Hall Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO, Pudumandapam on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

(1) M/s. S. S. H. Abubaker &
S. S. H. Rasheed Abdul Khader, Madras,
S. S. H. Sathak Abdul Khader, Bombay and
Mrs. Hussaina Ameena Beevi, Khizhakarai.
(Transferor)

(2) Mrs. Janaki Ammal,
2C, Jawahar St.,
Somasundaram Colony,
Madurai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land and building in Door No. 8, Town Hall Road, Madurai, measuring 2017.5 sq ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6

Date The 5th November, 1974
Seal

FORM ITNS—

(2) M/s. R. Jayakumar and
R. Jagadesan (Minors)
by Guardian, Smt. R. Dhanabagayam,
C-6, Fairlands, Salem-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 5th November 1974

Ref No T XVI/1(3)/64/73-74—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No 19, situated at Omalur Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at ISR, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. C. Periavercor Boyar,
C. Rajavercor,
C. Kuppuswamy,
C. Palaniswamy and
C. Paramasivam,
Thammanna Chettiar Road
Arisipalayam, Salem.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in 1.89 acre agricultural lands measuring about 0.63 acres in Salem Town Ward No. 1, Omalur Road, Southern Row, New Ward D Block 19—T S No. 1.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : The 5th November, 1974

Seal

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI

Hubli, the 2nd November 1974

Ref. No. 65/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 58/3B situated at Unkal Village, Hubli Taluk, Dharwar District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 4151 on 30-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Deopriya S. Kirby, Keshavapur, Hubli, G.P.A. Holder of (i) Shri Vincent D. Kirby, Kualalampore, Malaysia, (ii) Smt. Leela D. Kirby, Warangal (A.P.) (iii) Smt. Vimala D. Kirby, Hubli.

(Transferors)

- (1) (1) M/s. Pursell Business Enterprises, through its Managing Partner Sri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (2) Shri Siddappa Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (3) Shri Babu Basappa Bellikatti, Bellikatti Medical Stores, Main Road, Saundatti. (4) Dr. Mallikarjun Shivarudrappa Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk. Badami, District Bijapur. (5) Smt. Vimalabai W/o Basavanneppa Nooli, C/o Dr. M. S. Goornavar, Medical Officer, Kerur, Taluk. Badami, District Bijapur. (6) Shri Murugeshe Shekharappa Yavagal, 13, Chandrashekhar, Shanti Colony, Vidyanagar, Hubli-21. (7) Smt. Yayashree, W/o Veerabhadrappe Hombal, Veerapur Anjaneya Temple Road, Hubli-20.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40 Gunthas of non-agricultural and in Unkal village, Hubli Taluk, Dharwar District, Karnataka State in R.S. No. 58/3B ADJOINING R.S. NOS. 58/4A, 58/4B and 58/4C.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Acquisition Range, Hubli

Date : 2-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shirin Ardeshr Vakil,
C/o Shri M. F. Mavji, Solicitor,
Fort, Bombay.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Laxmidas Premji Tejani,
14, Cannught Road, Poona-1.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
POONA-411004

Poona-411004, the 8th November 1974

Ref. No. C.A./5/March-74/Bombay/Wai/142-74-75.—
Whereas, I H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 524, Hilton Lodge and Valley View
situated at Main Road, Wai, Mahableshwar, Panchgani
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed
registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at Bombay
on 22-3-1974

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the transferor(s) and the transferee(s) has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against
the acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to every person who has made
such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have
a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Hilton Lodge" and "Valley View Three Cottages at Wai
Mahableshwar, Main Road, Final Plot No. 524, Panchgani,
Free-Hold.

H. S. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Poona-411004

Date : 8-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Caravan Steel (P) Ltd., 2, Ganesh Chandra Avenue Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, Calcutta-1

Calcutta-1, the 26th October 1974

Ref. No. Ac-59/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 100, 105 etc. Kh. Nos. 694, 696 etc. situated at Mouza Joka, P.S. Behala Dt. 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office Registrar of Assurances Calcutta on 18-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

- (1) M/s. India Automobiles (1960) Ltd., 12, Govt. Place East, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land being Plot Nos. 100, 105 etc. of Kh. Nos. 694, 696 etc., measuring 2-bighas, 14-cottahs, 5-chittacks and 39-cq. ft. at Mouza Joka, P.S. Behala, Dt. 24-Parganas.

R. L. BUTANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Date : 26-10-1974,

Seal ;

FORM ITNS—

(2) Bangur Land Development Corporation, 5,
Deshpran Sasmal Road, Calcutta-33. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-
ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-140/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No. 166 P. A. Shah Road, P. S. Tollyganje, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar of Alipore at Behala on 12-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobindalal Bangur, 65, Sir, Hariram Goenka Street, Calcutta. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kh. No. 556, Part of C.S. Dag No. 272/108, Mouza-Arakpur, Area 7 Kottahs, Premises No. 166 P.A. Shah Road, P.S.—Tollyganje, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mohommed Ismail.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohommed Mitoo Miah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of four storied and partly five storied brick built house together with land containing an area of 5 Cottahs 15 Chittacks and six s ft a little more or less at 26/1, Raffi Ahmed Kidwai Road Calcutta.

Ref No TR-1644/C-416/Cal-1/73-74 —Whereas I, S K CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 26/1 situated at Raffi Ahmed Kidwai Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta on 30-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I, P-13 Chowringhee Square,
Calcutta

Dated 11-11-74

Seal :

Form ITNS

(1) Sm. Tarubala Kundu Choudhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. TR11657/C-447/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25A situated at Chandni Chowk, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 30-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) (1) Hazi Saikh Idris Ali.
(2) Saikh Tafajhel Ali.
(3) Saikh Makail through father and guardian Saikh Unus Ali.
(4) Saikh Md. Faruk through father and guardian Hazi Saikh Yaqub Ali.

(Transferee)

- (3) (1) Hooghly Marine Engineering & Transport Service.
(2) A. S. S. Jalal Ahmed & Co.
(3) Abu Nasar Kundavi
(4) Sk. Soleman.
(5) Md. Afsar Ali.
(6) Azizul Aktar.
(7) Sowkat Ali Middey.
(8) Sarfatullah.
(9) Yukub Mullick.
(10) Nozrul Islam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in two storied building at 25A, Chandney Chawk Street Calcutta on land measuring 5 K-12 Ch—36 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Dated : 11-11-74
Seal :

FORM ITNS.—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY

Bombay, the 21st October 1974

No. AR-II/1014/2247/74-75.—Whereas, I V. R. Gupte, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City S. No. 1/267 (Pt) Plot No. 59A of T.P.S. No. III situated at Santacruz (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ramjanali Jivabhai Baradia,
Sadraddin Jivabhai Baradia, Kamruddin Jivabhai
Baradia, Barkatali Jivabhai Baradia.

Transferor

- (2) S/Shri Kanji Raoji Patel and Karson Raoji Patel.

Transferor

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with the building standing thereon situate lying and being at Santacruz (East), Bombay, in Bombay Suburban District and Registration Sub-District of Bandra now known as Registration District of Bombay and Bombay Suburban, containing by admeasurement 2261 sq. yards equal to 1890 sq. metres or thereabouts and registered in the Book of the Collector of Land Revenue under City Survey No. 1/267 (part) Plot No. 59/2, of T.P.S. III, Santacruz. And in the Book of the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under H Ward No. 6759(3) Street No. 59/A, T.P.S. III, 4th Road, Santacruz (East) and bounded as follows :—that is to say on or towards the North by City Survey No. 364, on or towards the South by South Road, on or towards the East by City Survey Nos. 263, 269, 268 and 270, on or towards the West by State Bank of India Quarters, H. Ward No. 6759(3). In the certificate of sale dated 17th October 1972 the above property is described as bearing final plot No. 59A/2 T.P.S. III.

V. R. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay.

Date . 21st October 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri V. M. Ramasami, S/o Shri Muruga Mudaliar, Karur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th November 1974

Ref. No. F.3129/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at No. 5, Rama Rao Agraharam, Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saradhumbal, W/o Shri M. R. Viswanatha Iyer; 2. Shri M. V. Ramamurthy and 3. Shri M. V. Ganesan, Trichy.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 5, Rama Rao Agraharam, Trichy (T. S. No. 2031/2).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 4-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Pratima Banerjee,
6A, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Kamlesh Roy (Minor),
Represented by : Nirmal Chandra Roy (Father).

(Transferee)

- (3) Ananta Ram Mulchand Doshi & Others.
[Person(s) in occupation of the property].

[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1974

No. AC-133/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6B, Lala Lajpatrai Sarani, situated at Calcutta.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred as per deed registered under the Indian Regis-
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-
tering officer

Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-1974

for an

apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor and the transferee has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property
will be fixed and notice thereof shall be given to
every person who has made such objection, and the
transferee of the property

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the proceeding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th part in three storied building with about
5 Cottahs 10 Chattaks land being the north western portion
of 6B Lala Jajpatrai Sarani, Calcutta, as more particularly
described in the Instrument of Transfer.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-11-1974,
Seal ;

FORM ITNS—

(T) Mohommed Ismail.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saukat Ali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. 1642/C-415/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/1, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5 Govt. Place North, Calcutta on 30-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument the following persons, namely :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of four storied and partly five storied brick built house together with land containing an area of 5 Cottahs 15 Chittacks and six s. ft. a little more or less at 26/1, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Dated : 11-11-74

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st November 1974

Ref. No. 193/Acq. R-III/74-75/HOW.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Mukhram Kanodia Road, P.S. Golabari, Distt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Howrah on 20-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —
24—366GI/74

- (1) Smt. Munia Devi Chamaria, W/o Late Keshordeo Chamaria 7/6, Burdwan Road, Alipore, Calcutta-27. (Transferor)
- (1) Smt. Makhola Shaw, W/o Shri Ramdas Shaw and Smt. Madhubala Shaw, W/o Shri Arun Kumar Shaw, 25, Mukhram Kanodia Road, Howrah, now residing at 12, Chandmari Road, Howrah. (Transferee)
- (3) Shri Mohesh Singh of 14, Mukhram Kanodia Road, Howrah. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring ten kattas eight chattaks together with a two storied building standing thereon at 14, Mukhram Kanodia Road under P.S. Golabari, District-Howrah as per deed No. 1040 of 1974 registered by the Sub-Registrar of Howrah.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 1st November 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Madhav Ganj, Lashkar, Gwalior—Old No. 10/668 and new No. 39/582 situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer Gwalior on 2-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269(D) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babulal S/o Late Shri Ramchandraji Madhav Ganj, Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Shrikrishnan, 2. Shri Nandkishore all sons of Shri Chaturbhujji Agarwal, R/o Madhav Ganj, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Madhav Ganj, Lashkar Gwalior—Old No. 10/668 and new No. 39/582.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-1974,
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/382/74-75—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Piece of land in Barewal Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana City in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chand D/o Bakshi Pritam Singh S/o S. Bahadur Bakshi Jaswant Singh, W/o S. Ujjal Singh R/o New Delhi, Khewatdar Vill. Barewal Awana Tehsil Ludhiana, through S. Bahadur Bakshi Avtar Singh, 238, Model Town, Ludhiana Mukhtiar Aam.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nachhatar Singh,
- (ii) Sh. Surjit Singh,
- (iii) Sh. Daljit Singh,
- Ss/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,
- R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas, 12 biswas and 16 biswansis, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Khewat No. 344, Khatauni No. 356, Khasra No. 276/1-8-16, 281/2-4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 12019 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/381/74-75.—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piece of Land in Barewal, Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana City in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manjit Kaur Alias Manjit Sodhi D/o Bakshi Pritam Singh S/o Sardar Bahadur Jaswant Singh, W/o Col. G. S. Sodhi, Administrative Officer, Ambala Cantt, through S. Bahadur Bakshi Avtar Singh S/o S. Bahadur Bakshi Jaswant Singh R/o 238, Model Town, Ludhiana Mukhtiaran.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nachhatar Singh,
- (ii) Sh. Surjit Singh,
- (iii) Sh. Daljit Singh,
- Ss/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,
- R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas, 11 biswas and 4 biswansis, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana. Khewat No. 348, Khatauni No. 357, Kasra No. 281-1/1-12-0, 284/1-19-4.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 12018 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ramanlal N. Patel,
16, Bommu Chetty St.,
Madras-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. IX/3/21/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 31 situated at New Avadi Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at JSR.II, Madras on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Vilakupattam Kurian Varghese,
23, New Avadi Road, Madras-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 31, New Avadi Road, Madras, measuring about 3 grounds and 1290 sq. ft. in R. S. No. 231.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : The 5th November, 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/106/74-75.—Whereas, I, G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Piece of land in Burewal Awana situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana City in March, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Maj. Avtar Singh S/o
Sardar Bahadur Capt. Jaswant Singh S/o
S. Jagat Singh R/o 238, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nachhatar Singh,

(ii) Sh. Surjit Singh,

(iii) Sh. Daljit Singh,

Ss/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,

R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 13 Biswasi situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Khewat No. 268, Khatauni No. 279, Khasra No. 262/2-13-4, 263/2-2-15.

(Property as mentioned in the Registering Deed No. 11912 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. LDH/C/380/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Piece of land in Barewal Awasa situated at Teh. Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana City in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidya Alias Vidya B. Pritam Singh, Wd/o Brig. B. Pritam Singh S/o Capt. Jaswant Singh Delhi through Maj. Avtar Singh S/o Sardar Bahadur Capt. Jaswant Singh, R/o 238, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Nachhatar Singh,
(ii) Sh. Surjit Singh,
(iii) Sh. Daljit Singh,
Ss/o Sh. Jagir Singh S/o Sh. Hazara Singh,
R/o Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property].

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bigha, 6 biswas and 6 biswansi situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana. Khewat No. 306, Khasra No. 355, Khasra No. 280/1-7-0, 277/1-19-6.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 11913 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana City).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mohammed Ismail.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramzan Ali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

The 11th November 1974

Ref No. TR-1641/C-414/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K.
CHAKRAVARTY,being the competent authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. 26/1 situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredas per deed registered under the Indian Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,
Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta
on 30-3-74,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against
the acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to carry every person who has
made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have
a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in four storied and partly five
storied building at premises No. 26/1 Rafi Ahmed Kidwai
Road, Calcutta containing land by estimate 5 Cottahs 15
Chittacks and six sft. more or less.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square.

Calcutta-1.

Dated : 11-11-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING,
VIDYA NAGAR- HUBLI-21

Hubli-21, the 2nd November 1974

Ref. No. 63/74-75/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 2916 and R.S. Nos. 64A and 64B situated at Nagashettikoppa in Plot No. 8, Ashok Nagar Road, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hubli under document No. 4049 on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

25—366GI/74

(1) Shri Dinkar Malbar Bavale, Architect, Ashok Nagar Road, Hubli.

(Transferor)

(2) Shrimati Sitabai W/o Srinivasrao Hulekal, C/o Shri S. R. Hulekal, Post Box No. 22, Rayarpeth, Sirsi (N.K.)

(Transferee)

(3) The Manager,
Canara Bank,
Durgad Bail, Hubli.

(Person(s) in occupation of the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house in C.T.S. No. 2916 and R.S. Nos. 64A and 64B situate at Nagashettikoppa in Plot No. 8, Ashok Nagar Road, Hubli.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Hubli.

Date : 2-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

MADRAS-6, the 5th November 1974

Ref. No. F. XVI/1(3)/63/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 19, situated at Omalur Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SR, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s C. Periaaveera Boyar,
C. Rajavceran,
C. Kuppaswamy,
C. Palaniswamy,
C. Palaniswamy and
C. Paramasivam,
Thammanna Chettiar Road
Salem.

(Transferor)

(2) Shri T. V. Thangvel Mudaliar,
D-47, Fair Lands,
Salem-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in 1.89 acres agricultural lands measuring about 0.63 acres in Salem Town Ward No. 1, Omalur Road, Southern Row, New Ward D, Block 19—T S No. 1.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I
MADRAS-6

Date: The 5th November 1974

Seal:

FORM ITNS

Mohmed Shahbuddin 15, Kareya Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I

CALCUTTA

The 8th November 1974

Ref. No. TR-1614/C-440/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 39 and 40 situated at Lenin Sarani, formerly Dharamtolla Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

The Registrar of Assurance, No. 5, Govt. Place North, Calcutta on 16-3-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Virendra Singh Raidani 6 Temple Street-Calcutta-13.

(Transferee)

1. Shri Ashutosh Banerjee

2. Shri Hrisikesh Ghose

3. Shri Nogendas Bhangi.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby notified that a date and place for hearing the notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of Brick built house at premises No. 39 and 40 Lenin Sarani, formerly Dharamtolla Street Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Date : 3-11-74

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Huzoor Singh, s/o Shri Sunder Singh,
Village Daryapur, Teh. Malerkotla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th November 1974

No. MLK/10/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting
Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh,being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason
to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land, situated at Village Daryapur,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering officer
Malerkotla in March, 1974for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the trans-
feror(s) and the transferee(s) has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely:—

- (2) (i) Shri Mohinder Singh,
- (ii) Shri Gian Singh,
- (iii) Shri Sikander Singh,
- (iv) Shri Sukhdev Singh,
- Ss/o Shri Ralla Singh

Residents of Village Daryapur, Teh. Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the
objections if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection and the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 13 biswas comprised in Khara
Nos. 63/6-11, 119/3-10, 122/0-6 situated at Village Darya-
pur.G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kanakmal Dugar, Milap Chand Dugar, Bharatmal Dugar and Dinesh Kumar Dugar of 9, Armenian Street, Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1663/C-452/Cal-I/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 and 9/1/A, situated at Armenian Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta on 28-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Jhabarmal Dugar and Ravi Prakash Dugar minor both partners of Chainrup Sampatran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of partly three and partly four storied building situated at 9 and 9/1/A Armenian Street, Calcutta containing an area of 7 K-5 Ch-31 sft.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 11-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 12th November 1974

Ref. No. AC-69/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100/D, situated at Block-F, New Alipore, Calcutta-53, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Alipore on 11-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Bishwanath Roy, and
2. Sri Bholanath Roy,
97/S, Block-E, New Alipore,
Calcutta-53.

(Transferor)

- (2) Sri Brijender Singh Bala,
100/D, Block-F, New Alipore,
Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sri Supinder Singh Bala
2. Smt. Rajinder Kaur
3. Smt. Kulshatter Kaur,
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-half of Plot No. 100/D, Block-F, New Alipore, Calcutta-53, with construction thereon.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 12th November 1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s Andco India Ltd.
Manapakkam, Madras.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th November 1974

Ref. No. F. X/2/84/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fair View situated at Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR.I, Madras on March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Louis F. Knoll,
Power of Attorney,
Agent, The American Baptist Foreign Mission Society,
20/3, New Avadi Road,
Madras-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building called Fair View at Kodaikanal in Duretta Lane—Land 75 cents and building 2444 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Madras-6.

Date : 12th November 1974.

Seal :

FORM JTNS—

(2) M/s SYNPRO Industries, 50-51-60 Industrial Estate, Pologround, Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, J. M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Jal Sayung and Factory buildings Shed water tanks and other structures on plot No. 61, Industrial Estate Polo Ground, Indore situated at Indore and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Everest Cement Jali and Concrete Works, 61, Industrial Estate, Pologround, Indore through Smt. Kamlesh Kumari Goyal W/o Shri Gopaldas Goyal, 582, Baroda Bank Colony, Indore-4. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Jal Sayung and Factory buildings, shed water tanks and other structures on plot No. 61, Industrial Estate, Polo Ground, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-1974.

(Seal) :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1974

Ref. No. F.XVI/I(3)/62/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 19, situated at Omalur Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at JSR, Salem on March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. C. Perjaveera Boyar.
C. Rajaveeran,
C. Kuppuswamy,
C. Palaniswamy,
C. Palaniswamy and
C. Paramasivam,
Thammanna Chettiar Road,
Arisipalayam, Salem.

(Transferor)

- (2) M/s. E. Chandrasekharan,
F. Mohadraj,
E. Visvarajan and
E. Vinayathan,
D-47, Fair Lands,
Salem-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in 1.89 acre agricultural lands measuring about 0.63 acres in Salem Town Ward No. 1, Omalur Road, Southern Row, New Ward D, Block 19—T.S. No. 1.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-1

Date : The 5th November 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Huseinabai Rassolbhai Chamdawalla & Ors.
(Transferee)

(3) Tenants. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 31st October 1974

Ref. No. AR-I/729-6/Mar.74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1025 of Byculla Division situated at Duncan Road now known as Maulana Azad Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Sub-Registry, Bombay on 5-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Esufally, Ahmedally.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of quit and ground rent tenure land or ground with the messuage tenement or dwelling house standing thereon and known as 'TAHER BUILDING' situate lying and being at Duncan Road now known as Maulana Azad Road in the City of Bombay formerly in the Registration Sub-District of Bombay but now in the Registration Sub-district and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1256 square yards or thereabouts equivalent to 1050 square metres and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old Nos. 2840 and 3008 New No. 9823 Old Survey Nos. 2/2141 and 2/2140 and 4403 and New Survey No. 5678 and Cadastral Survey No. 1025 of Byculla Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under E-Ward No. 524 Street Nos. 236-242, Duncan Road, now known as Maulana Azad Road and 'E' Ward Nos. 525-532, Street Nos. 41-47 Stable Street and bounded as follows :— that is to say on or towards the East by Duncan Road now known as Maulana Azad Road on or towards the East by Stable Street on or towards the North partly by the property of Aminabai Mohamedally bearing C.S. No. 1026 and partly by the property of Hatimbhai Akberally Rajkotwalla bearing C.S. No. 1027 and on or towards the South by the property of Abdulhusein Kaderbhai bearing C.S. No. 1024.

S. S. PHADKE

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range-I, Bombay

Date : 31st October, 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed house situated at Nazarlimarg, Nijadpura, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 20-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakore Harisingh S/o Shri Thakur Madhav-singhji, 2. Smt. Bhagwati Bai Wd/o Thakur Mohan-singhji, all R/o of Nijadpura, Ujjain. (Transferor)

- (2) Shri Anilkumar S/o Shri Asharmji Sabu, 2. Shri Prakashchand S/o Shri Asharam Sabu, all r/o Nijadpura, Ujjain.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house situated at Nazar-ali-marg Nijadpura, Ujjain.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mutyala Ramarao, Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 1st November 1974

Ref. No. Acq. File No. 127.—Whereas, I, K. Subbarao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-5-5 situated at Ramaraopeta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 30-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bikkjua Visweswararao Kakinada.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

East Godavari District—Kakinada Registration—Kakinada Municipality—Kakinada town—Door No. 11-5-5—Gopalakrishna Street—Ramaraopeta—Kakinada—1746 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East : Sites of G. Sundaramma and partly Samineni Rangarao 28-2-9 Sq. Yds.

West : Road 29-1-0 Sq. Yds.

North : Site of Sri K. Krishnamurthy 56-1-10 Sq. Yds.

South : Site of K. Verraju 56-1-10 Sq. Yds.

K. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 1-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref No TR-1637/C-435/Cal 1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 25A situated at Chandney Chawk Street, Calcutta (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5 Govt Place North, Calcutta on 30.3.74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Shri Samarendra Mohon Kundu Choudhury.
(Transferor)
- (2) (1) Hazi Saikh Idris Ali
(2) Saikh, Talajhel Ali
(3) Saikh Makail through father and guardian Saikh Unus Ali
(4) Saikh Md Faruk through father and guardian Hazi Saikh Yaqub Ali.
(Transferee)

- (3) (1) Hooghly Marine Engineering & Transport Service
(2) A S S Jalal Ahmed & Co.
(3) Abu Nasar Kundavi
(4) Sk Soleman
(5) Md Afsar Ali
(6) Azizul Aktar
(7) Sowkat Ali Middey
(8) Sarfatullah
(9) Yukub Mullick
(10) Nozrul Islam

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in two storied building at 25A, Chandney Chawk Street, Calcutta on land measuring 5 K-12 Ch—36 sq ft

S. K. CHAKRAVARTY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Dated 11-11-74
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL.

Bhopal, the 7th November 1974

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 21, Sikh Mohalla Main Road, Indore with its land—Three storied building Pucca Girder-Farshi construction situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 12-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narharirao Malharao Holkar R/o Kashirao Dada Holkar Ginning Factory, Sanawad, M.P.
(Transferor)
- (2) Shri Vitthaladas Maganlal Sheth, 21 Sikh Mohalla
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21, Sikh Mohalla Main Road, Indore with its land—Three storied building Pucca Girder Farshi construction.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-11-1974.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1692/C-474/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street, Calcutta) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, 5, Govt Place North, Calcutta on 5-3-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sankar Lall Seal,
53A, Bon Behary Bose Road,
Howrah.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Saksena
1 & 2 Jackson Lane,
Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Shri Baluram Rajak

2. Shri R. K. Ovalani

3. Shri B. P. Saksena

4. Dr. N. Singh

5. Shri C. F. Lobo

6. Shri C. F. Ellis

7. Shri Omprakash Ramchand Subnani

8. Shri Jitendra Nath Mukherjee

9. Shri B. R. Parasar

10. Shri Mohit Ranjan Lahiri

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided one third part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13, Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1693/C-459/Cal-1/73-74.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 5-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jadu Lall Seal
53A, Bon Behary Bose Road,
Howrah. (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Saksena,
1 & 2 Jackson Lane,
Calcutta. (Transferee)
- (3) 1. Shri Baluram Rajak.
2. Shri R. K. Ovalani
3. Shri B. P. Saksena
4. Dr. N. Singh
5. Shri C. F. Lobo
6. Shri C. F. Ellis
7. Shri Omprakash Ramchand Subnani
8. Shri Jitendra Nath Mukherjee
9. Shri B. R. Parasar
10. Shri Mohit Ranjan Lahiri

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No. 13, Dr. Ishaque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 11th November 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Amita Rani Daw, 62A Jov Mitter Street, Calcutta.
(Transferor)(2) M/s. Lands, Housings & Development Company,
3, Mangoe Lane, Calcutta-1
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 26th October 1974

Ref. No. Ac-65/R-II/Cal/74-75.—Whereas I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57/2, situated at Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances Calcutta, on 17-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

27—366GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1-bigha, 1-chit-tack and 41-sq. ft. at No. 57/2, Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore Calcutta.

R. L. BUTANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Date : 26-10-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Ajanta Rani Dutta, 146, Bangur Park, District, Hooghly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lands, Housing & Development Company
3, Mangoe Lane Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, Calcutta-1

Calcutta-1, the 26th October 1974

Ref. No. Ac-66/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 57/2, situated at Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances Calcutta on 7-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5 share in land measuring 1-bigha 1-chit-tack and 41-sq. ft. at No. 57/2, Diamond Harbour Road P.S. Ekbalpore, Calcutta.

R. I. BUTANI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Date : 26-10-1974

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1974

No. Ac-60 R-II/Cat, 74-75.—Whereas I R. L. Butani, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road & portion of premises Nos. 9, 10 & 11, Alipore Park Place, situated at Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 28-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Bhwani Shankar Tijoriwala, Sri Ashok Kumar Tijoriwala, & Sri Suresh Kumar Tijoriwala, of 96, Diamond Harbour Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of 13-cottahs, 2 chittacks and 43½-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5&6/1, Burdwan Road, and portion of premises Nos. 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Alipore, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 26-10-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mohommed Ismail.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohommed Ghulam Rasul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, P-13,
CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. TR-1643/C.417/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/1, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 30-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of four storied and partly five storied brick built house together with land containing an area of 5 Cottahs 15 Chittacks and six s. ft. a little more or less at 26/1, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Dated : 11-11-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta, the 11th November 1974

No. AC-62/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portions of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Rd., Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Rashmi Properties & Investments (P) Ltd., P-543, Lake Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of 10-cottahs, 12-chittacks and 3-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road, and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Calcutta-27.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 26-10-1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Sona Devi Chandak and Smt. Sunita Devi Chandak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-
ING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta, 8th November 1974

No. TR-1627/C-428/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Shree Nursingsahay Mudongopal (Engineer's) Private Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two portions of third floor of premises No. 55 Ezra Street Calcutta, containing an aggregate floor spaces (inclusive of the width of the internal walls) of 948 sft. and 99 sft aggregating 1047 sft. a little more or less jointly numbered as unit No. 55/3-C Ezra Street, Calcutta.

S. K. CHAKKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 8-11-74

Seal .

FORM I.T.N.S.—

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Rd.,
Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(2) Sri Bishwanath Sarangi, 10/3, Alipore Park Place,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

(Calcutta-1, the 26th October 1974)

No. Ac-58/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portions of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances Calcutta on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of 8-cottahs, 14-chittacks and 41-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 26-10-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 8th November 1974

No. TR-1638/C-408/Cal-1/73-74.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 and 11/1 situated at Decres Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta, on 30-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s B. N. Elias & Co. Pvt. Ltd. 1 & 2, Old Court House Corner Calcutta-1.
(Transferor)
- (2) M/s Arun Engineering Udyog Pvt. Ltd. 23A, Netaji Subhas Road, Calcutta.
(Transferee)

9. Dacres Lane

1. Mrs. C. Sriramuli (Prasad).
2. Mr. D. S. Danyan.
3. Magazine Distributors,
4. Mr. Anil Bhattacharjee.
5. Mr. M. S. Narayan.
6. Sri Prakash Chand Sethia.
7. Mr. Giribala Das.
8. H. D. Khambatta.
9. R. P. Gogia.
10. R. N. Jacob.
11. Mira Devi Sethia.
12. Mahabir Chand Sethia.
13. K. E. Vythinathan.
14. K. P. Tibresal.
15. H. V. Doshi.
16. M. A. Borthwick.
17. S. S. Himatsingka.
18. U. C. Dave.

11/1, Dacres Lane

1. United Electric & Engineering Co.
2. Golam Rasool.
3. D. S. Danyan.
4. Anil Bhattacharjee.
5. Jayems Engg. Co.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that three storeyed brick built house including one storied House godown and out offices together with the land on part whereof the same is erected measuring 18K 12Ch & 5 sq. ft. being premises No. 9 and 11/1, Dacres Lane, Calcutta.

S. K. CHAKKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 8-11-74.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Calcutta, the 26th October 1974

No. Ac-61/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering of Assurances, Calcutta on 28-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
28—366GI/74

(1) Kelvin Jute Company Ltd., 3, Netaji Subhas Road,
Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Prakash Estate (P) Ltd., 7, Kiran Shankar Roy Rd.,
Calcutta-1.

(Transferee)

[Person in occupation of the property]
[Person whom the undersigned knows to be interested
in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18-cottahs, 5-chittacks and 16-sq. ft. form-
ed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Rd. and
portion of premises Nos. 9, 10 & 11, Alipore Park Place,
Alipore, Calcutta-27.

R. L. BUTANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 26-10-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
156, SECTOR 9 B

Calcutta, the 26th October 1974

No Ac-64/R-II/Cal/74 75 —Whereas, I R L Butani, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have No 22/1A situated at Mohan Chandra Road, P S Watgunge, Calcutta-23, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances Cal on 12-3 1974 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Sri Kamal Kumar Ghosh 14, Hem Chandra Street, Kidderpore, Calcutta-23

(Transferor)

(2) Smt Lakshmi Rani Das, W/o, Sri Bishwanath Das, of 2/1, Padmapukur Square, Calcutta-23 and Smt. Anita Das, W/o, Sri Badal Chandra Das, of 20, Hem Chandra St, Calcutta 23

(Transferee)

[Person in occupation of the property]
[Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs 13-chittacks & 33-sq ft being Plot No 3 of the eastern portion of premises No 14, Hem Chandra St, now 22/1A, Mohan Chandra Road, P S Watgunge, Calcutta 23

R L BUTANI,
Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II, P 13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date 26-10-1974

Seal

FORM ITNS ———

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1974

Ref. No. TR-1658/C-448/Cal-I/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1 situated at Hungerford Street—Flat No. 5, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer The Registrar of Assurances at No. 5 Government Place North, Calcutta, on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Shri Jitendranath Chatterjee 12/1, Hungerford Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Smt. Sujata Ghosh Dastidar 23C, Fern Road, Calcutta, 19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, at 12/1, Hungerford Street, Calcutta-17.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta.

Date : 8-11-1974.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9 B

Calcutta, the 8th November 1974

No TR-1628/C-429/Cal-1/73 74—Whereas, I S K Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 2, 2A, 2B, 2C & 2D situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Sasanka Sekhar Bose 2C, Dover Row, Ballygunge, Calcutta
(Transferor)
- (2) M/s Chandak Udvg 2, Camac Street, Calcutta
(Transferee)
[Person in occupation of the property]

2 Camac St

1. Mr C L Chandak
2. Mr D M Aiora,
3. Mr Laht Kumal Jain

2A Camac St

1. Mrs Alice Antony
2. Mrs I. Wilson
3. Mr K L Saraf
4. Mr W Macdonald
5. Mr C Murray
6. Mr S Lal

2B Camac St

1. Society for the protection for the children in India
2. Mr Pran Sethi
3. Mr Champalal Jain

2C Camac St

1. Indian Institute of Journalism
2. Mr W G Haslam
3. Mr Markar
4. Rev D M Bantain

2 Camac St

1. Mr I S Abraham

[Person whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have at right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Partly two and partly three storied brick-built house on land measuring 2 Bighas 2 Cottahs 8 Chittacks and 28 sq ft at 2, 2A, 2B, 2C & 2D Camac Street, Calcutta

S K CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income tax,

Acquisition Range I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date 8 11-1974

Seal

FORM ITNS—

[Person in occupation of the property]
[Person whom the undersigned knows to be interested
in the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Calcutta, the 26th October 1974

No. Ac-63/R-II Cal/74-75.—Whereas, I R. L. Butani, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place situated at Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Assurances on 30-3-1974 for as apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Kelvin Jute Co. Ltd., 3, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri Keshav Kumar Agarwal, Sri Parameshwar K. Agarwal, & Sri Rasmiranjan Agarwal, 23A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs, 13-chittacks and 33½-sq. ft. formed out of premises Nos. 2/3, 3, 5 & 6/1, Burdwan Road, and portion of 9, 10 & 11, Alipore Park Place, Calcutta-27.

R. L. BUTANI,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 26-10-1974

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th December 1974

CORRIGENDUM

No. F.8/2/74-E.I(B).—In Union Public Service Commission's Notice No. F 8/2/74-E.I(B) dated 18th May, 1974 relating to the National Defence Academy Examination, December 1974, published in the Gazette of India Part III, Section 1, dated 18th May, 1974, the following amendments shall be made :—

- (1) For the words and figure "on or after 1st June, 1973" in lines 6 and 7 of para 3 of Annexure I of the Notice the words and figure "on or after 1st June, 1963" shall be substituted.

- (2) For the words and figure "under paragraph of Annexure I" in line 3 of paragraph 6(ii) of Annexure II to the Notice, the words and figures "under paragraph 3 of Annexure I" shall be substituted.

- (3) For the words "tamped with" in line 2 of sub-para of para 8 of Annexure II to the Notice, the words "tamper with" shall be substituted.

- (4) For the words "APPLICATIONS UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION" in lines 2-3 of para 13 of Annexure II to the Notice, the words "APPLICATIONS SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION" shall be substituted.

N. B. MATHUR, Under Secy,
Union Public Service Commission.